लोकतंत्र की मजबूती संस्थागत संतुलन व पारस्परिक मर्यादा से >>3

राष्ट्रीय संस्करण

वर्ष 9 अंक 332

दैनिक जागरण

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, सोमवार, 11 मई, 2026

www.jagran.com

पृष्ठ 12

पेट्रोल, डीजल व गैस का संयम से करें प्रयोग : मोदी

वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच प्रधानमंत्री ने की देशवासियों से अपील, कहा- संकट के समय लेने होंगे संकल्प

हैदराबाद, प्रेट्र : वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच पीएम नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से पेट्रोल, डीजल,गैस और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों का संयम से इस्तेमाल करने की अपील की है। कहा, यह समय की मांग है। इस वैश्विक संकट के समय हमें कुछ संकल्प लेने होंगे। देशभक्ति का अर्थ सिर्फ देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान देना ही नहीं है, बल्कि कठिन समय में जिम्मेदारी से जीना और देश के प्रति दायित्वों का निर्वहन करना भी है।

तेलंगाना में करीब 9,400 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का डिजिटली शिलान्यास व उद्घाटन करने और भाजपा की रैली को संबोधित करते हुए पीएम ने रविवार को कहा, आयातित पेट्रोलियम उत्पादों का उपयोग केवल जरूरत के अनुसार किया जाना चाहिए। इससे न सिर्फ विदेशी मुद्रा की बचत होगी, बल्कि युद्ध के प्रतिकूल प्रभाव को भी कम किया जा सकेगा। कहा, गत कुछ वर्षों में भारत सौर ऊर्जा के मामले में दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल हो गया है। पेट्रोल में एथनाल मिश्रण के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुआ है। पहले सरकार एलपीजी की सौ प्रतिशत कवरेज पर केंद्रित थी, पर अब इसका ध्यान पाइपलाइन के जरिये गैस की किफायती आपूर्ति पर है। सरकार सीएनजी के इस्तेमाल को भी बढ़ावा दे रही है। इन सभी प्रयासों से ही भारत दुनियाभर में जारी बड़े ऊर्जा संकट का प्रभावी ढंग से सामना कर रहा है।

जनता से पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने का आग्रह करते हुए मोदी ने कहा, जहां उपलब्ध हो, वहां मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। जहां संभव हो, इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग बढ़ाएं। निजी वाहनों का उपयोग जरूरी हो, तो कार-पूलिंग का विकल्प आजमाएं। सामान की आवाजाही के लिए रेलवे को प्राथमिकता दें। उन्होंने राष्ट्र हित में कोविड-काल में अपनाए गए उपाय फिर शुरू करने का आह्वान किया, जिनमें वर्क फ्राम होम, आनलाइन कान्फ्रेंस व वर्चुअल मीटिंग शामिल हैं।

- कहा- देशभक्ति का अर्थ केवल प्राणों का बलिदान ही नहीं, बल्कि जिम्मेदारी से जीना भी
- कोविड काल में अपनाए वर्क फ्राम होम व आनलाइन कान्फ्रेंस जैसे उपाय फिर शुरू करें

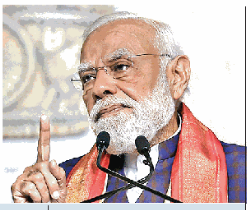

हैदराबाद में रविवार को विभिन्न विकास परियोजनाओं के शिलान्यास व उद्घाटन अवसर पर संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। प्रेट्र >>

प्रधानमंत्री की अपील

- एक वर्ष तक विदेश यात्रा न करें, सोना न खरीदें, देश में ही करें शादी
- देश में बने उत्पादों को अपनाएं और खाद्य तेल के इस्तेमाल को घटाएं
- इलेक्ट्रिक कारों का करें इस्तेमाल, कार पूलिंग को दें प्राथमिकता
- जहां उपलब्ध हो, मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें
- सामान की आवाजाही के लिए रेलवे परिवहन को प्राथमिकता दें
- किसान रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग कम करें, प्राकृतिक खेती अपनाएं
- डीजल के बजाय सौर-ऊर्जा के सिंचाई पंपों का अधिक उपयोग करें

घरेलू पर्यटन और भारत में ही उत्सव मनाने को प्राथमिकता दें पेज>>4

बीआरएस नेता के बेटे की शादी समारोह स्थल पर हेलीकाप्टर न उतार पेश की मिसाल पेज>>4

सऊदी की तेल कंपनी अरामको ने निकाला होर्मुज संकट का तोड़

- पाइपलाइन के जरिये प्रतिदिन कर रही 70 लाख बैरल तेल का निर्यात
- पूरी क्षमता से काम कर रही 1,200 किमी लंबी 'ईस्ट-वेस्ट' पाइपलाइन

नई दिल्ली, आइएएनएस: सऊदी अरब की सरकारी तेल कंपनी अरामको ने ईरान-अमेरिका तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में आवागमन बाधित होने का तोड़ निकाल लिया है। अरामको के प्रेसिडेंट व सीईओ अमीन एच. नासिर ने रविवार को कहा, कंपनी की 1,200 किमी लंबी 'ईस्ट-वेस्ट' पाइपलाइन पूरी क्षमता पर काम कर रही है। रोजाना 70 लाख बैरल तेल की आपूर्ति की जा रही है। 'ईस्ट-वेस्ट' पाइपलाइन को पेट्रोलाइन भी कहा जाता है। कंपनी इसी के जरिये अधिक कच्चा तेल लाल सागर तक पहुंचा रही है। यह पाइपलाइन ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए होर्मुज का विकल्प साबित हो रही है। अरामको ने बताया कि होर्मुज से जहाजों की आवाजाही रुकने व वैश्विक स्तर पर तेल कीमतों में उछाल के बाद पाइपलाइन के जरिये निर्यात बढ़ाने से अरामको के तिमाही मुनाफे में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दुनिया की सबसे बड़ी तेल निर्यातक कंपनी अरामको ने 31 मार्च को समाप्त तिमाही में 32.5 अरब डालर का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 26 अरब डालर था।

भारत के जखीरे में शामिल होंगी अजेय हाइपरसोनिक मिसाइलें

हैदराबाद में शनिवार को डीआरडीओ के हाइपरसोनिक मिसाइल कार्यक्रम के तहत परीक्षण के दौरान 'एक्टिवली कूल्ड फुलस्केल स्क्रैमजेट कंबस्टर'। एएनआइ

- डीआरडीओ ने एक्टिवली कूल्ड फुलस्केल स्क्रैमजेट कंबस्टर इंजन का 20 मिनट का सफल परीक्षण किया
- अमेरिका, रूस और चीन के साथ भारत के पास भी होगी हाइपरसोनिक मिसाइल की स्वदेशी तकनीक
- मैक 5+ रफ्तार के चलते रडार और एयर डिफेंस सिस्टम के लिए मिसाइल को ट्रैक करना होता है मुश्किल

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

भारत ने ध्वनि से पांच गुना तेज रफ्तार से चलने वाली हाइपरसोनिक मिसाइल तकनीक की दिशा में बड़ी सफलता हासिल की है, जो भविष्य के युद्धों की तस्वीर बदल सकती है। इस मिसाइल को न रडार पकड़ सकता है और न कोई एयर डिफेंस सिस्टम छू सकता है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने एक ऐसे एडवांस्ड इंजन का सफल परीक्षण किया है, जो भारत को दुनिया के उन चुनिंदा देशों की कतार में खड़ा कर देगा, जिनके पास ये अजेय तकनीक है।

आइएएनएस के अनुसार, डीआरडीओ ने हाइपरसोनिक मिसाइल कार्यक्रम के तहत 'एक्टिवली कूल्ड फुलस्केल स्क्रैमजेट कंबस्टर' का सफल और लंबी अवधि का परीक्षण किया है। यही स्क्रैमजेट कंबस्टर इस मिसाइल को 6100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार दिलाता है। इस रफ्तार को मैक 5+ भी कहा जाता है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, हैदराबाद स्थित डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट लेबोरेटरी (डीआरडीएल) में हुए इस परीक्षण में स्क्रैमजेट कंबस्टर इंजन 1,200 सेकेंड यानी करीब 20 मिनट तक लगातार सफलतापूर्वक चलता रहा। इससे पहले जनवरी में 700 सेकेंड का परीक्षण किया गया था।

अमेरिका, रूस, चीन के समूह में भारत : रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक, इस उपलब्धि से भारत भविष्य में अपनी स्वदेशी हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल विकसित करने के काफी करीब पहुंच गया है। अमेरिका, रूस और चीन जैसे देशों के पास पहले से इस क्षेत्र में क्षमता है। अब भारत भी तेजी से उसी क्लब की ओर बढ़ता दिख रहा है।

हाइपरसोनिक मिसाइलों की सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि वे बेहद तेज गति के साथ उड़ान के दौरान दिशा भी बदल सकती हैं। इससे दुश्मन के रडार और मिसाइल रक्षा प्रणाली के लिए उन्हें ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है।

विशेषज्ञ मानते हैं कि यह सिर्फ तकनीकी सफलता नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत की रक्षा क्षमता का बड़ा प्रदर्शन भी है। इससे भारत को रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई पहचान मिलेगी और भविष्य में मित्र देशों के साथ रक्षा सहयोग तथा निर्यात की संभावनाएं भी बढ़ सकती हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि पर डीआरडीओ, उद्योग जगत और अकादमिक संस्थानों को बधाई दी।

स्क्रैमजेट तकनीक ऐसे बनाती है मिसाइल को घातक पेज>>11

मुद्दा

आपरेशन सिंदूर@1 : कितना सशक्त हुआ देश

आपरेशन सिंदूर को एक वर्ष पूरे हो गए हैं। यह अभियान वायुसेना द्वारा दुश्मन के हवाई क्षेत्र में श्रेष्ठता साबित करने की नजीर बना, पर युद्ध के मैदान में कमियों का भी पता चलता है। आपरेशन सिंदूर इसका अपवाद नहीं रहा। इससे सबक लेते हुए भारत चीन और पाक की चुनौती के मद्देनजर सेनाओं के आधुनिकीकरण व आपरेशनल तैयारियों को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। रक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिहाज से देश कितना सशक्त हुआ है इसकी पड़ताल आज के मुद्दा में। **पेज-7**

जागरण विशेष

यशस्वी प्रधान

मां की प्रेरणा से प्रधान ने बदल दी गांव की तस्वीर

गोंडा : उप्र में गोंडा जिले के संगवा ग्राम पंचायत में कंप्यूटर लैब, डिजिटल पुस्तकालय, ओपन जिम, आरओ प्लांट और सेवा केंद्र सहित कई तरह की सुविधाएं उपलब्ध। • पेज-5

संपादकीय

अटूट आस्था का शाश्वत प्रतीक सोमनाथ : 'नया भारत' आज सनातन आस्था के सांस्कृतिक गौरव का उत्सव मना रहा है और गजनवी जैसे आततायियों के विध्वंस पर उल्लास, सृजन और वैभव का नव-अंकुर प्रस्फुटित हो रहा है। **योगी आदित्यनाथ** का आलेख।

भारतीय राजनीति का बदलता चेहरा: बंगाल में कलिता माझी, रेखा पात्रा, रत्ना देवनाथ की जीत ही वास्तविक नारी सशक्तीकरण है और ऐसा ही होना चाहिए। **डा. ऋतु सारस्वत** का विश्लेषण। • पेज-8

विमर्श

आर्थिक प्रगति में तय हो सभी की भागीदारी : पिछले एक दशक में देश के सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास हुआ है। परंतु देश के करोड़ों परिवारों पर इस प्रगति का बहुत कम ही प्रभाव दिख रहा है। **विकास सिंह** का विश्लेषण।

प्रश्नपत्रों के स्वरूप पर विचार : हमारी शिक्षा प्रणाली में मूल्यांकन की पद्धति में कई स्थानों पर स्मरण के स्तर पर ठहराव है, जिस कारण छात्र अपनी तैयारी उसी अनुरूप करते हैं। **पीयूष कुमार दुबे** का आलेख। • पेज-9

आइपीएल 19 धूम धड़ाका

आज का मैच

पंजाब किंग्स vs दिल्ली कैपिटल्स

शाम 7:30 बजे स्थान: धर्मशाला

प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स/जियो हाटस्टार

तमिलनाडु में नए राजनीतिक युग का आरंभ, विजय बने सीएम

- शपथ लेते समय भाषण देने पर राज्यपाल ने टोका, विजय के साथ नौ मंत्रियों ने ली शपथ
- छह दशक में पहली बार गैर-द्रविड़ सरकार, पहला फैसला 200 यूनिट मुफ्त बिजली
- सीएम ने कहा- असली, पंथनिरपेक्ष और सामाजिक न्याय के एक नए युग की शुरुआत हो रही
- शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत कई फिल्मी हस्तियां भी रहीं मौजूद

> थिरु जोसेफ विजय को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई। उनके आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामना। केंद्र सरकार तमिलनाडु सरकार के साथ मिलकर लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए काम करती रहेगी।
> -**नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री**

चेन्नई, प्रेट्र: तमिल सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता जोसेफ विजय के रविवार को तमिलनाडु की सत्ता संभालने के साथ ही राज्य की राजनीति में नए अध्याय की शुरुआत हुई है। द्रविड़ राजनीति के वर्चस्व वाले इस राज्य के लिए यह ऐतिहासिक बदलाव है, क्योंकि छह दशक में पहली बार यहां कोई गैर-द्रविड़ सरकार बनी है। विजय ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में उत्साहित समर्थकों की भीड़ के बीच सीएम के रूप में शपथ ली। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उन्हें पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। विजय के अलावा टीवीके के नौ नेताओं एन आनंद, आधव अर्जुन, केए सेंगोटियन, केजी अरुणराज, पी वेंकटरमणन, आर निर्मलकुमार, राजमोहन, टीके प्रभु व एस कीर्तना को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर विजय ने कहा, असली, पंथनिरपेक्ष और सामाजिक न्याय के नए युग की शुरुआत हो रही है। शपथ ग्रहण समारोह की शुरुआत वंदेमातरम से हुई। इसके बाद राष्ट्रगान और फिर तमिल गान हुआ। राज्यपाल ने विजय को 13 मई तक विधानसभा में बहुमत साबित करने के लिए कहा है। सूत्रों के अनुसार, पीएम नरेन्द्र मोदी ने रविवार शाम विजय को फोन किया और सीएम के रूप में उनके नए कार्यकाल की शुरुआत पर उन्हें बधाई दी।

मुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद विजय ने घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का पहला आदेश जारी किया। इसके अलावा महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष कार्यबल गठित करने, राज्यभर में मादक पदार्थों की तस्करी विरोधी इकाइयां स्थापित करने के आदेश पर भी हस्ताक्षर किए।

शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, विजय के माता-पिता, अभिनेत्री तृषा कृष्णन व कई फिल्मी हस्तियां मौजूद थीं। लंबे समय तक विजय की सह-कलाकार रहीं तृषा की मौजूदगी चर्चा का विषय रही। तृषा ने नीले रंग की कांजीवरम साड़ी पहनी थी, जिसके साथ हीरे-माणिक का हार था। उन्हें विजय के परिवार के सदस्यों का अभिवादन करते व अग्रिम पंक्तियों में बैठे मेहमानों से बातचीत करते देखा गया। उनकी उपस्थिति इंटरनेट मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई। हालांकि, विजय की पत्नी संगीता व बच्चों जेसन संजय, दिव्या साशा की अनुपस्थिति ने इंटरनेट मीडिया पर व्यापक चर्चा को जन्म दिया।

चेन्नई में रविवार को शपथ ग्रहण समारोह के दौरान मुख्यमंत्री जोसेफ विजय को समझाते तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर। आइएएनएस

पहले भाषण में विजय ने कहा, अपनी सरकार में सत्ता का एकमात्र केंद्र वही होंगे पेज>>3

असम में सरमा ने पेश किया सरकार बनाने का दावा, 12 को लेंगे शपथ

गुवाहाटी : असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने रविवार को हिमंत बिस्वा सरमा को राज्य में अगली सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। सरमा अब 12 मई को शपथ लेंगे। इससे पूर्व सरमा को केंद्रीय पर्यवेक्षक व मंत्री जेपी नड्डा और सह पर्यवेक्षक हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया। (पेज-3)

केरलम में सीएम तय करने में अब सोनिया से भी राय लेगी कांग्रेस

नई दिल्ली : केरलम में कांग्रेस को जितनी बड़ी जीत मिली है, कुछ उतनी ही मशक्कत पार्टी को सीएम चुनने में करनी पड़ रही है। सीएम पद की रेस पार्टी के महासचिव केसी वेणुगोपाल व राज्य में नेता विपक्ष रहे वीडी सतीशन के बीच रह गई है। संकेत हैं कि सोनिया गांधी से विमर्श के बाद ही सीएम के नाम तय किया जाएगा। (पेज-3)

योगी मंत्रिमंडल में छह मंत्री और बढ़े, दो पदोन्नत हुए

लखनऊ : उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार का बहुप्रतीक्षित दूसरा मंत्रिमंडल विस्तार आखिरकार रविवार को हो गया। मंत्रिमंडल में रिक्त चल रहे छह पदों को भरने के साथ ही दो राज्य मंत्रियों को पदोन्नत किया गया है। मंत्रिमंडल विस्तार में भाजपा ने सामाजिक संतुलन साधने का पूरा प्रयास किया है। नए चेहरों के जरिये पार्टी ने संगठन, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और जातीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए रणनीतिक बिसात बिछानी शुरू कर दी है। (पेज-3)

दैनिक जागरण सप्तरंग

साहित्य और संगीत का

अनुभवजन्य यथार्थ के सर्जक शानी

स्त्री कंठ सरीखी मधुर सारंगी

• पेज-11

चुनाव में हार के बाद ममता व अभिषेक के खिलाफ अपनों ने ही खोला मोर्चा

- निलंबित प्रवक्ता ऋजु दत्ता ने कहा- नौकरी से लेकर निर्माण कार्य तक हर जगह होती थी वसूली
- लगाया आरोप-निचले स्तर के कई नेताओं के व्यवहार से महिलाएं लंबे समय तक रहीं परेशान

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद टीएमसी शीर्ष नेतृत्व ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी को पार्टी के भीतर ही अभूतपूर्व विरोध का सामना करना पड़ रहा है। पार्टी विरोधी गतिविधियों को लेकर तृणमूल कांग्रेस से छह वर्षों के लिए निलंबित किए जाने के बाद पार्टी के पूर्व प्रवक्ता ऋजु दत्ता ने रविवार को ममता और संगठन के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोल दिया। उन्होंने स्थानीय स्तर के तृणमूल नेताओं पर भी गंभीर आरोप लगाए। ऋजु के मुताबिक पंचायत से लेकर नगर निकाय तक के नेताओं ने आम लोगों से जमकर वसूली की। उन्होंने कहा कि घर का नक्शा पास कराने से लेकर कमोड लगाने तक के लिए पैसे देने पड़ते थे।

बता दें कि इसके पहले पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने दावा किया था कि विधानसभा चुनाव में पार्टी टिकट के लिए उनसे पांच करोड़ रुपये की मांग की गई थी। मालदा के वरिष्ठ टीएमसी नेता कृष्णेंदु नारायण चौधरी ने हार के लिए अभिषेक बनर्जी को जिम्मेदार ठहराया था। निलंबित प्रवक्ता कोहिनूर मजूमदार ने कहा था कि पार्टी नेताओं को अभिषेक से मिलने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है।

ममता बनर्जी। फाइल

महिलाओं के मुद्दे पर भी दत्ता ने पार्टी को घेरा। ऋजु ने कहा कि केवल 1500 रुपये देकर महिलाओं का सम्मान नहीं खरीदा जा सकता। उनका आरोप है कि निचले स्तर के कई तृणमूल नेताओं के व्यवहार से बंगाल की महिलाएं लंबे समय तक परेशान रहीं। कहा कि भाजपा की जीत के बाद कोलकाता की सड़कों पर ऐसा माहौल है, जैसे भारत जीत गया हो और पाकिस्तान हार गया हो।

टीवी डिबेट में पार्टी का करना पड़ा बचाव पेज>>3

सार्थक कदम

शिक्षा मंत्रालय जल्द ही जारी करेगा बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े दिशा-निर्देश, शिक्षकों को किया जाएगा प्रशिक्षित, परीक्षा परिणाम सहित साइबर बुलिंग की बढ़ती घटनाएं बच्चों के बढ़ते तनाव की मानी जा रही हैं मुख्य वजह

पढ़ाई के साथ बच्चों को तनाव से बचने के गुर भी सिखाएंगे स्कूल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

खेलने, कूदने और पढ़ने की उम्र में बच्चों में तनाव के बढ़ते मामलों को देखते हुए अब स्कूल उन्हें पढ़ाने के साथ तनाव मुक्त रहने की भी सीख देंगे। शिक्षा मंत्रालय ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विशेषज्ञों की मदद से बच्चों को तनाव से बचाने के लिए एक विस्तृत गाइडलाइन पर काम शुरू किया है। इसमें स्कूलों में पढ़ने वाले प्रत्येक बच्चे पर न सिर्फ नजर रखी जाएगी, बल्कि स्कूलों में पढ़ाने वाले प्रत्येक शिक्षक को भी मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण की मदद से शिक्षक कक्षा में पढ़ाते समय ऐसे बच्चों को पहचान सकेंगे, जिन्हें तनाव हो रहा है। साथ ही काउंसलिंग और मेडिटेशन के जरिये उनके तनाव को भगाने में मदद करेंगे।

शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारियों ने इस गाइडलाइन के जून के पहले हफ्ते तक आने की उम्मीद जताई है। उन्होंने बताया कि अभी इस गाइडलाइन पर राज्यों के साथ अंतिम दौर की चर्चा चल रही है। सूत्रों के अनुसार, गत कुछ वर्षों में पढ़ाई व परीक्षा परिणामों से जुड़े तनावों के साथ ही साइबर बुलिंग यानी इंटरनेट गेम, मैसेजिंग एप्स और अन्य इंटरनेट माध्यमों के जरिए भी बच्चों के तनाव ग्रस्त होने के मामले बढ़े हैं। ऐसे में तैयार की जा रही नई गाइडलाइन में इन सभी पहलुओं से बच्चों को बचाने पर फोकस किया गया है। खासकर कोविड के बाद से स्कूलों में मोबाइल या अन्य डिजिटल माध्यमों से पढ़ाने को बढ़ावा दिया गया है, जिससे बच्चों के बीच इसका प्रयोग तो बढ़ा है,पर इसके सुरक्षित प्रयोग को लेकर बच्चों को सतर्क न करने से वे गेमिंग या इंटरनेट मीडिया के अन्य एप्स में फंस गए हैं, जो तनाव बढ़ने का प्रमुख कारण माना जा रहा है।

प्रतीकात्मक

तनाव के बढ़ते मामलों को लेकर नीति आयोग ने भी उठाए थे सवाल

शिक्षा मंत्रालय ने यह पहल ऐसे समय शुरू की है, जब नीति आयोग ने भी हाल ही में बच्चों में तनाव बढ़ने के मामलों को लेकर सवाल उठाए थे। साथ ही कहा कि बच्चों को इससे बचाने के लिए काउंसलर नियुक्त करने की पहल पर भी शैक्षणिक संस्थानों ने काम नहीं किया। वहीं तनाव ग्रस्त बच्चों को पहचानने के लिए शिक्षकों को भी प्रशिक्षण नहीं दिया गया। यही वजह है कि तैयार की जा रही नई गाइडलाइन में शिक्षकों के प्रशिक्षण पर जोर दिया गया है। इसके साथ ही डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित इस्तेमाल पर भी ध्यान दिया गया है। इस पहल में स्कूलों में बच्चों के माता-पिता और संरक्षकों के साथ लगातार बैठकों को शामिल किया जा रहा है ताकि बच्चों में देखे जाने वाले बदलावों पर चर्चा की जा सके।

राजस्थान में 60 लाख में बिका था कृषि विज्ञान का पेपर, चार गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, जयपुर

- राज्य पुलिस के स्पेशल आपरेशन ग्रुप ने कृषि शिक्षक भर्ती-2022 में बड़े घोटाले का पर्दाफाश किया
- पूर्व आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा कई पेपर लीक मामले में हो चुका है गिरफ्तार

राजस्थान में कृषि प्रथम श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा-2022 मामले में स्पेशल आपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने बड़े फर्जीवाड़े का राजफाश किया है। एसओजी की जांच में राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा का नाम एक बार फिर से सामने आया है।

एसओजी के अनुसार, बाबूलाल कटारा ने 60 लाख रुपये लेकर कृषि विज्ञान विषय का पेपर लीक कराया और अपने भांजे को भी फायदा पहुंचाया। पेपर लीक मामले की जांच कर रही एसओजी ने कटारा को इस मामले में रविवार को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही कटारा के भांजे विजय डामोर और पेपर लीक माफिया अनिल मीणा को भी गिरफ्तार किया गया है।

उल्लेखनीय है कि बाबू लाल कटारा को चौथी बार गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले वह राज्य में शिक्षक भर्ती सहित विभिन्न परीक्षाओं के पेपर लीक किए जाने के मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है।

कई अभ्यर्थियों एवं बिचौलियों की भूमिका जांच के दायरे में पेज>>11

40 से अधिक लोगों ने दरियागंज में नशा मुक्त समाज बनाने की शपथ ली है। दिल्ली पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने 'नशा मुक्त भारत' अभियान के विशेष जागरूकता अभियान चलाया है।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार, 11 मई, 2026

आज का मौसम

बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। शाम या रात के समय 50 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से चलने वाली हवा के साथ हल्की वर्षा भी होने की संभावना है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
11 मई	38.0	26.0
12 मई	36.0	26.0
नोएडा		
11 मई	34.0	24.0
12 मई	35.0	24.0
गुरुग्राम		
11 मई	39.0	27.0
12 मई	40.0	28.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

सीए का कर्मचारी ही निकला 6.5 लाख लूट का मास्टरमाइंड

नई दिल्ली : वजीराबाद इलाके में दो दिन पहले सीए के कर्मचारी आयुष मिश्रा से हुई 6.5 लाख रुपये की लूट का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। कर्मचारी ने ही रुपये के लालच में अपने दो साथियों के साथ लूट की कहानी गढ़ी और आपस में रुपये बांट लिए। तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर नकदी बरामद कर ली है। (जासं)

एम्स ट्रामा सेंटर के पास से वाहन चोर गिरफ्तार

नई दिल्ली : सफदरजंग एन्क्लेव थाना क्षेत्र स्थित एम्स ट्रामा सेंटर के पास से पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान संजय कैंप दक्षिणपुरी के रहने वाले सुमित उर्फ वरुण के रूप में हुई। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरी की तीन बाइक बरामद की। इसके साथ ही पुलिस ने चोरी के तीन मामले सुलझाने का दावा भी किया है। (जासं)

प्रतिबंधित विदेशी सिगरेट जब्त, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने प्रतिबंधित विदेशी सिगरेट की तस्करी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चावड़ी बाजार में छापेमारी कर दो आरोपित को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 1,53,840 प्रतिबंधित विदेशी सिगरेट बरामद की गई हैं, जिनकी बाजार में कीमत लगभग 15 लाख रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपितों में मोहम्मद तौसीफ, शाहदरा के गगन विहार का और जुनैद अहमद, बिहार के दरभंगा का रहने वाला है। वह तौसीफ के गोदाम की देखरेख करता था। (जासं)

दिल्ली में टीबी के नए मामलों में 42% पाए गए एक्स्ट्रापल्मोनरी टीबी के मरीज

इसमें सामान्य टीबी जैसे खांसी के लक्षण नहीं दिखते हैं, जिससे लंबे समय तक पहचान नहीं हो पाती

ईपीटीबी शरीर के लिम्फ नोड, पेट, हड्डी, आंत और मस्तिष्क जैसे अंगों को कर सकती है प्रभावित

दिल्ली की इन्हीं सघन झुग्गी बस्तियों में चल रहा है टीबी स्क्रीनिंग अभियान। जागरण

अनूप कुमार सिंह ● जागरण

नई दिल्ली : राजधानी दिल्ली की झुग्गी बस्तियों में एक्स्ट्रापल्मोनरी टीबी (ईपीटीबी) के मामलों ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। इस वर्ष मार्च के अंत से अब तक 71,000 से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग की गई। इसमें टीबी के कुल 12,078 मामले सामने आए, जिनमें 5,073 मामले (42 प्रतिशत) ईपीटीबी के पाए गए। विशेषज्ञों के अनुसार एक्स्ट्रापल्मोनरी टीबी वह स्थिति है, जिसमें टीबी के बैक्टीरिया फेफड़ों के बजाय शरीर के अन्य हिस्सों में फैल जाते हैं। यह संक्रमण लिम्फ ग्रंथियों, हड्डियों, रीढ़, पेट, आंतों या मस्तिष्क जैसे अंगों को प्रभावित कर सकता है। ऐसे मामलों की पहचान अपेक्षाकृत कठिन मानी जाती है, क्योंकि इनमें सामान्य टीबी की तरह लगातार खांसी जैसे लक्षण कई बार दिखाई नहीं देते।

सरकार अब टीबी उन्मूलन के लिए हाई रिस्क झुग्गी बस्तियों में एआइ आधारित विशेष अभियान चला रही है। एआइ आधारित मैपिंग टूल में आबादी के घनत्व, कुपोषण, धूमपान और अन्य 30 से अधिक कारकों को शामिल किया गया। दिल्ली के 38 वार्डों को हाई रिस्क क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया गया है। इनमें उत्तर, पूर्व, दक्षिण और मध्य दिल्ली के जेजे क्लस्टर और पुनर्वास कालोनियों की घनी आबादी वाली झुग्गी बस्तियां शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्री डा. पंकज सिंह का कहना है कि हमारा लक्ष्य केवल मरीजों की संख्या गिनना नहीं, बल्कि उपचार कर दिल्ली को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में तेजी लाना है।

कैसे हो रही जांच

- हैंडहेल्ड डिजिटल एक्स-रे मशीनों से मौके पर ही स्क्रीनिंग
- एआइ आधारित साफ्टवेयर से एक्स-रे की आरंभिक जांच
- संदिग्ध मामलों की पहचान
- वल्नरेबिलिटी मैपिंग टूल से हाई-रिस्क इलाकों की पहचान
- डाटा एनालिसिस के जरिये यह अनुमान लगाना कि किन क्षेत्रों में संक्रमण अधिक हो सकता है
- मोबाइल स्वास्थ्य टीमों के जरिये तुरंत डाटा अपडेट और फालोअप

प्रमुख तथ्य

समुदाय भागीदारी : स्लम, प्रवासी मजदूर और जेजे क्लस्टर पर फोकस

उपचार सहायता : तुरंत दवा, पोषण किट और फालोअप

लक्ष्य : 2030 तक दिल्ली को टीबी मुक्त बनाना

प्रमुख प्रभावित क्षेत्र

सरकार ने 600 से अधिक स्लम इलाकों की मैपिंग की है, ताकि समय पर पहचान और उपचार से टीबी के प्रसार को रोका जा सके।

उत्तर दिल्ली : नरेला, करावल नगर, भलस्वा, मुकुंदपुर और आसपास के जेजे क्लस्टर

पूर्व दिल्ली : शास्त्री पार्क, सीलमपुर, गोकुलपुरी तथा पुनर्वास कालोनियां

दक्षिण दिल्ली : नेहरू नगर, ओखला, मदनपुर खादर, तुगलकाबाद और झुग्गी बस्तियां

मध्य दिल्ली : मोती नगर, बीजेआरएम क्षेत्र, सदर बाजार के आसपास घनी बस्तियां और अनधिकृत कालोनियां

एआइ अभियान

यह एक तकनीक-आधारित सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियान है जिसमें टीबी मरीजों की पहचान, जोखिम आकलन और स्क्रीनिंग को तेज और सटीक बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का उपयोग किया जा रहा है। इसका उद्देश्य उन लोगों तक पहुंचना है, जिनमें टीबी के लक्षण हैं लेकिन वे अब तक जांच में नहीं आए हैं।

एम्स में मिर्गी की जांच निश्शुल्क, मिलेगी दवा की विशिष्ट खुराक

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- यह सुविधा देने वाला दिल्ली का पहला अस्पताल होगा एम्स
- मिर्गी का उपचार प्रभावी होने के साथ ही दुष्प्रभाव का नहीं रहेगा खतरा

मिर्गी के मरीजों की महंगी जांच अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में अब निश्शुल्क होगी। दिल्ली का यह पहला अस्पताल है, जिसमें यह सुविधा निश्शुल्क मिलेगी। प्राइवेट केंद्रों पर यह जांच छह हजार से दस हजार रुपये तक में होती है। इसके साथ ही एम्स में मिर्गी के मरीज के लिए विशेष दवा मात्रा और नियमित निगरानी भी सुविधा शुरू की गई है। यह सुविधा न्यूरोसाइंस सेंटर की न्यूरोबायोकेमिस्ट्री प्रयोगशाला में मिलेगी। इसमें 'चिकित्सीय औषधि स्तर निगरानी' पद्धति से मिर्गी का उपचार किया जाता है। दरअसल एम्स मिर्गी के इलाज को 'अनुमान आधारित चिकित्सा' से आगे 'व्यक्तिगत और सटीक चिकित्सा' की ओर ले जाने पर काम कर रहा है।

न्यूरोसाइंस केंद्र (एनएससी) के प्रमुख प्रो. डा. एसबी गायकवाड़ के मुताबिक न्यूरोबायोकेमिस्ट्री प्रयोगशाला में आरंभ की गई इस व्यवस्था का उद्देश्य मिर्गी के उपचार को अधिक सटीक और व्यक्तिगत बनाना है। अब डाक्टर मरीज के शरीर में दवा की वास्तविक मात्रा की जांच कर यह तय करेंगे कि उसे कितनी दवा दी जानी चाहिए। इसका मतलब यह है कि हर मरीज को उसकी स्थिति के अनुसार दवा की अलग-अलग मात्रा मिलेगी। यह सुविधा बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) और आंतरिक रोगी विभाग (आइपीडी) दोनों के लिए है।

एम्स प्रयोगशाला में मिर्गी की जांच की मशीन। सौजन्य एम्स

एम्स न्यूरोबायोकेमिस्ट्री प्रयोगशाला प्रभारी प्रो. डा. अशोक शर्मा के अनुसार मिर्गी की जांच मरीज के रक्त का नमूना लेकर की जाएगी। इसके बाद रिपोर्ट अस्पताल के इलेक्ट्रानिक पोर्टल और रोगी सेवा पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही मरीजों की समय-समय पर जांच करके दवा की मात्रा में आवश्यक बदलाव भी किए जाएंगे।

आइएसआइ एजेंट के साथ दिल्ली के गैंगस्टर ने की थी हथियारों की डील

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- क्राइम ब्रांच ने गैंगस्टर रोहित चौधरी के गुर्गे को किया गिरफ्तार, पूछताछ में सामने आई नई जानकारी

प्रवीण कुमार।

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ गैंगस्टर को मोहरा बनाकर भारत में दहशत फैलाने की साजिश रच रही है। गैंगस्टर शहजाद भट्टी के बाद अब हथियार तस्कर शाहबाज अंसारी के तार भी आइएसआइ से जुड़ रहे हैं। दिल्ली पुलिस ने गैंगस्टर रोहित चौधरी के गुर्गे प्रवीण कुमार उर्फ टिट्टू को गिरफ्तार किया है। सूत्रों के मुताबिक उससे पूछताछ में जांच एजेंसियों को पता चला है कि आइएसआइ एजेंट शाहबाज अंसारी ने पिछले दिनों गैंगस्टर रोहित चौधरी के साथ दुबई में हथियारों की डील की थी। इसके बाद प्रवीण के जरिये ही रोहित अंसारी से हथियार मंगवा रहा था। अंसारी से तार जुड़ने के बाद क्राइम ब्रांच ने गैंगस्टर रोहित चौधरी को पकड़ने के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। वहीं, रोहित गैर-कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) से बचने के लिए 2019 के फर्जी पासपोर्ट मामले में स्पेशल सेल के ससक्ष समर्पण करने की कोशिश कर रहा है।

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कुछ समय पहले हथियारों की तस्करी व यूएपीए मामले में अंसारी के जीजा इमरान और नौनी नाम के आरोपित को गिरफ्तार किया था। नौनी ने ही प्रवीण और रोहित को अंसारी से मिलवाया था। उसी के बाद से ये दोनों अंसारी से हथियार मंगाने लगे थे।

प्रवीण की गिरफ्तारी के साथ ही इस पूरे आपरेशन में अब तक 14 की गिरफ्तारी हो चुकी है। उनके कब्जे से 25 विदेशी हथियार और 221 कारतूस बरामद किए गए हैं। प्रवीण से इटली निर्मित सेमी-आटोमैटिक पिस्टल और पांच कारतूस बरामद हुए हैं।

अनाथ युवाओं को मिलेगा सरकार का साथ

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

- मुख्यमंत्री ने की आफ्टरकेयर स्कीम फार यंग पर्सन्स योजना की घोषणा
- 18 वर्ष या इससे अधिक उम्र के अनाथ युवाओं को बनाया जाएगा आत्मनिर्भर

मातृ दिवस के अवसर पर लाजपत नगर स्थित विलेज काटेज होम में नन्हे-मुन्ने बच्चों के साथ बात करती मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता। सौ. : दिल्ली सरकार

अनाथालय और बाल संरक्षण गृहों में रहने वाले बच्चों को शिक्षा व अन्य सुविधाएं मिलती हैं, लेकिन 18 वर्ष की उम्र पूरी करने के बाद उन्हें बाहर आना पड़ता है। इसके बाद उन्हें आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। दिल्ली में प्रत्येक वर्ष लगभग डेढ़ सौ से दो सौ युवा 18 वर्ष की उम्र पूरी करने के बाद बाल संरक्षण गृहों से बाहर आते हैं। इनकी सहायता के लिए दिल्ली सरकार ने आफ्टरकेयर स्कीम फार यंग पर्सन्स योजना को मंजूरी दी है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य ऐसे युवाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक और आत्मनिर्भर भविष्य देना है। इन्हें शिक्षा, कौशल विकास, व्यावसायिक प्रशिक्षण, काउंसलिंग, इंटर्नशिप, रोजगार के अवसरों से जोड़ने, व्यावहारिक और भावनात्मक सहयोग, व्यक्तित्व विकास, करियर मार्गदर्शन और पुनर्वास और आवश्यकता पड़ने पर आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। इस योजना के लिए वर्तमान वित्त वर्ष में 3.5 करोड़ रुपये का बजट भी निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री ने रविवार को मातृ दिवस के अवसर पर लाजपत नगर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विलेज काटेज होम में छोटे बच्चों के साथ मुलाकात की। उन्होंने बताया कि दिल्ली में वर्तमान समय में 88 बाल संरक्षण गृह हैं। इन्हें सरकार और विभिन्न गैर-सरकारी संस्थाएं मिलकर चला रही हैं। इन संस्थानों में 18 वर्ष तक के बच्चों की देखभाल, सुरक्षा, शिक्षा, पुनर्वास और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। दिल्ली में लड़कों और लड़कियों के लिए एक-एक आफ्टरकेयर होम भी हैं। यहां 18 वर्ष से अधिक उम्र के युवाओं को रहने, भोजन, शिक्षा सहायता और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

राज्य और जिला स्तर पर आफ्टरकेयर सेवा की नियमित निगरानी और समीक्षा भी सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए राज्य स्तर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के सचिव की अध्यक्षता में 'स्टेट आफ्टरकेयर कमेटी' और जिला स्तर पर संबंधित जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में 'डिस्ट्रिक्ट आफ्टरकेयर कमेटी' बनेगी।

सड़क हादसे रोकने के लिए एलजी संधू ने मांगा जन सहयोग

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली : एलजी तरनजीत सिंह संधू ने सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए दिल्ली वासियों से सहयोग की अपील की है। साथ ही यातायात नियमों का पालन करने और शहर की सड़कों पर सुरक्षित व सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए यातायात पुलिस का हाथ बंटाने का भी आग्रह किया है।

रविवार सुबह एक्स पर एक पोस्ट में संधू ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करना एक नागरिक की आवश्यक जिम्मेदारी है। यह भीड़भाड़ कम करने, दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात जाम में फंसे वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है। मैंने यातायात पुलिस को दिल्लीभर में सख्ती करने का निर्देश दिया है। आम जन भी 'ट्रैफिक प्रहरी' एप का उपयोग करके ट्रैफिक उल्लंघनों की रिपोर्ट करके सड़क सुरक्षा में योगदान के लिए पुरस्कार अर्जित करके इस आंदोलन को सशक्त बना सकते हैं। गलत दिशा में गाड़ी चलाने, सिग्नल जंप करने से बचने की अपील भी की है।

कर्ज न चुकाने पर नहीं जारी किया जा सकता लुकआउट सर्कुलर : हाई कोर्ट

विनीत त्रिपाठी ● जागरण

- कहा- गबन या हेराफेरी के अपराध में आरोपित न बनाए गए व्यक्ति के खिलाफ मान्य नहीं हो सकती एलओसी

फाइल फोटो

नई दिल्ली : दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि सिर्फ कर्ज न चुकाने के आधार पर किसी व्यक्ति के विरुद्ध लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ ने कहा कि एलओसी एक अंतिम कार्रवाई के रूप में की जाने वाली दंडात्मक कार्यवाही है और बैंक ऋण अदा करने में चूक या व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए लिए गए ऋण के हर मामले में एलओसी जारी नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि जहां एलओसी जारी करने के मामले में व्यक्ति को गबन या हेराफेरी के किसी अपराध में आरोपित नहीं बनाया गया है, वहां एलओसी मान्य नहीं हो सकता। इसके साथ ही पीठ ने अलग-अलग मामलों में वित्तीय संस्थानों, बैंकों व जांच एजेंसियों के अनुरोध पर 23 याचिकाकर्ताओं के खिलाफ जारी किए गए एलओसी को रद कर दिया।

अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ताओं को कोर्ट की पहले से अनुमति लिए बिना विदेश यात्रा करने का अधिकार होगा, लेकिन उन्हें अपनी रवानगी से कम से कम 48 घंटे पहले संबंधित विभाग या एजेंसी को इसकी सूचना व अपना यात्रा का पूरा ब्योरा देना होगा। पीठ ने स्पष्ट किया कि कानून में किसी बदलाव या कोर्ट के आदेश सहित किसी अन्य अप्रत्याशित घटना के तहत जांच एजेंसी एलओसी जारी करने की मांग करने के लिए स्वतंत्र होगी।

पीठ ने सभी याचिकाकर्ताओं को राहत देते हुए स्पष्ट किया कि एलओसी की जरूरत, उसकी कानूनी वैधता को सही ठहराने की जिम्मेदारी पूरी तरह से उसे जारी करने वाली एजेंसी की होती है। एलओसी अनिश्चित काल के लिए जारी नहीं किया जा सकता।

विभिन्न मामलों में फंसे 23 लोगों के खिलाफ ईडी, सीबीआइ, एसएफआइओ व विभिन्न बैंकों के कहने पर एलओसी जारी किया गया था। इन सभी ने एलओसी को चुनौती दी है। अदालत ने 23 याचिकाओं को तीन मुख्य श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया था।

इसमें ए श्रेणी में कुछ मामले ऐसे थे जिसमें केवल वित्तीय संस्थानों के अनुरोध पर एलओसी जारी किया गया था, जबकि बी श्रेणी में जांच एजेंसियों के अनुरोध पर एलओसी जारी किया था। वहीं, सी श्रेणी में याचिकाकर्ता को एलओसी जारी करने वाले फोरम के पास भेज दिया गया था।

आज फिर मौसम लेगा करवट, तेज हवा के साथ वर्षा का अलर्ट

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली : नए पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से सोमवार को दिल्ली का मौसम फिर से करवट लेगा। मौसम विभाग के पूर्वानुमान अनुसार दिनभर बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। शाम या रात के समय 50 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवा चलने के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना है।

मंगलवार को भी कमोबेश ऐसा ही मौसम बना रहेगा। मौसम विभाग ने दोनों ही दिनों के लिए यलो अलर्ट जारी कर दिया है।

इस बीच रविवार को दिनभर आसमान साफ रहा। तेज धूप भी खिली रही। हवा में नमी का स्तर 73 से 38 प्रतिशत रिकार्ड किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के असर से तापमान में तो बहुत बदलाव नहीं होगा, लेकिन गर्मी के तेवर इस सप्ताह भी नरम ही रह सकता है। 16 मई तक का पूर्वानुमान बताता है कि दिन का तापमान अभी 40 डिग्री से नीचे ही बना रहेगा।

एल्विश यादव को विदेशी नंबर से मिली धमकी, 10 करोड़ की मांगी रंगदारी

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम

बिग बास ओटीटी सीजन दो के विजेता व यूट्यूबर एल्विश यादव व शहर के दो अन्य लोगों को विदेशी नंबरों से फोन और मैसेज के जरिये धमकी देकर करोड़ों रुपये की रंगदारी मांगी गई है। एल्विश यादव को लारेंस बिश्नोई गैंग के नाम से वाट्सएप पर मिली धमकी में 10 करोड़ रुपये मांगे गए। वहीं, सुशांत लोक में रहने वाले प्रापर्टी डीलर से रोहित गोदारा गैंग की तरफ से धमकी देकर दो करोड़ रुपये की मांग की गई। एक अन्य मामला सेक्टर पांच का है। यहां के एक कारोबारी को भी विदेशी नंबर से धमकी दी गई। गुरुग्राम पुलिस सभी मामलों में जांच कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक एल्विश यादव को धमकी देने के मामले में शनिवार को सेक्टर-56 थाने में केस दर्ज किया गया। पुलिस को दी शिकायत में एल्विश ने बताया कि पांच मई को विदेशी नंबर से वाट्सएप काल आई थी। यह फोन रिसीव नहीं पाए। कुछ देर बाद विदेशी नंबर से ही एक वाट्सएप मैसेज प्राप्त हुआ। मैसेज करने वाले ने खुद को लारेंस बिश्नोई गैंग का नजदीकी रणदीप मलिक बताया और उनसे 10 करोड़ रुपये देने के लिए कहा। राशि दो दिन के अंदर देने की बात कही है। पैसे न देने पर गोली मारने की धमकी दी गई है। एल्विश ने बताया कि यह मैसेज न केवल उनके पास आया है, बल्कि उनके पिता के मोबाइल पर आया है। मामले की जांच अपराध शाखा को सौंपी है। बता दें कि 17 अगस्त, 2025 को भी एल्विश के घर पर तीन बाइक पर आए बदमाशों ने दो दर्जन राउंड फायरिंग की थी। मामले में कई लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था। तब विदेश में बैठे भाऊ गैंग ने इसकी जिम्मेदारी ली थी।

सेक्टर पांच में हुड्डा मार्केट के पास एक घर के बाहर बनाया गया अस्थायी पुलिस पोस्ट। जागरण

हिंडन एयरपोर्ट

पार्किंग लेन बढ़ने के साथ अन्य सुविधाओं का भी होगा विस्तार, बढ़ेंगी उड़ानें- एयरपोर्ट विस्तार के लिए 40 किसानों की सहमति, शासन को भेजी जा रही रिपोर्ट

विस्तार का रास्ता साफ, देश के प्रमुख शहरों के लिए भर सकेंगे उड़ान

शाहनवाज अली ● जागरण

गाजियाबाद : हिंडन एयरपोर्ट को भारतीय वायुसेना के हिंडन एयरबेस के साथ विकसित किया गया है। इसे इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बढ़ते दबाव को कम करने व क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए उड़ान योजना के तहत 2019 में शुरू किया गया था। जिला प्रशासन द्वारा करीब सात एकड़ भूमि किसानों से अधिग्रहीत की जा रही है। इसके लिए 40 किसानों ने सहमति दी है। भूमि किसानों से सीधे खरीदी जाएगी। एयरपोर्ट के विस्तार से उसकी क्षमता में काफी वृद्धि होगी, जिससे एनसीआर से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। हिंडन एयरपोर्ट विस्तार से यात्री देश के अन्य प्रमुख शहरों के लिए उड़ान भर सकेंगे।

हिंडन एयरपोर्ट विस्तार को करीब सात एकड़ भूमि का रास्ता साफ हो गया है। भू अधिग्रहण को लेकर आ रहीं बाधाएं लगभग दूर हैं। लंबे समय से चल रही बातचीत व प्रशासनिक आश्वासनों के बाद किसानों ने परियोजना के पक्ष में सहमति जता एयरपोर्ट विस्तार के लिए अधिग्रहीत होने वाली भूमि के लिए लिखित अनुमति दी है। विस्तार संग एयरपोर्ट का दायरा बढ़कर करीब 14 एकड़ हो जाएगा। प्रशासन ने एयरपोर्ट विस्तार से जुड़ी विभागवार रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजेगा। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने कहा है कि शासन से स्वीकृति मिलने पर विस्तार कार्य का अगला चरण शुरू होगा।

हिंडन हवाई अड्डा। जागरण

बेहतर हुई हैं सुविधाएं

वर्ष 2020 से अब तक एयरपोर्ट प्रबंधन लगातार सुविधाएं बढ़ा रहा है। एयरपोर्ट पर एयरक्राफ्ट खड़ा करने से लेकर तमाम उपकरण के लिए जगह मौजूद है। यात्रियों के लिए बेबी केयर रूम व फीडिंग रूम भी अपग्रेड किया गया है। एयरपोर्ट के विस्तार संग यहां पार्किंग लेन के अलावा अन्य यात्री सुविधाओं में भी वृद्धि होगी।

एयरपोर्ट विस्तार से बढ़ेंगी सुविधाएं

हिंडन एयरपोर्ट टर्मिनल बिल्डिंग को मुख्य प्रवेश द्वार बढ़ाया जाएगा। इससे मौजूदा नौ चेक-इन काउंटरों में नए काउंटर जोड़े जा सकते हैं। डिपार्चर एरिया व गाड़ी पिक अप-ड्राप आफ प्वाइंट का भी विस्तार होगा। यात्री वाहन पिक-अप एरिया की चौड़ाई दोगुना हो सकती है।

छोटे भाई को थप्पड़ मारने का विरोध करने पर छात्र की चाकू मारकर हत्या

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- न्यू उस्मानपुर में पुलिस ने 17 साल के आरोपित किशोर को किया गिरफ्तार

न्यू उस्मानपुर इलाके में शनिवार रात को छोटे भाई को थप्पड़ मारने की वजह पूछने पर एक छात्र की चाकू से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 15 वर्षीय अयान मंसूरी के रूप में हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपित 17 वर्षीय नाबालिग को दबोच लिया है और उसके पास से वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद किया है। पुलिस उसके दो अन्य साथियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

अयान मंसूरी परिवार के साथ गौतम विहार में रहता था। परिवार में पिता सगीर अहमद, मां शबीना और दो भाई अलतमश व सानिब हैं। अयान स्थानीय स्कूल में 10वीं कक्षा का छात्र था। परिजनों ने बताया कि शनिवार शाम सानिब किसी काम से बाहर गया था। लौटते समय गली में दो लोगों को झगड़ते देख रुक गया। इसी बीच एक आरोपित ने सानिब को थप्पड़ मार दिया। सानिब ने घर पहुंचकर बड़े भाई अयान को आपबीती सुनाई।

अयान रात करीब साढ़े नौ बजे अपने दोस्त के साथ स्कूटी से गौतम विहार की गली नंबर-चार पहुंचा। वहां उसे वे आरोपित मिल गए जिन्होंने उसके भाई को थप्पड़ मारा था। अयान ने जब वजह पूछी तो आरोपित भड़क गए और उसे घेरकर पेट, कमर और हाथ पर चाकू से कई वार किए। लहूलुहान हालत में अयान को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

255 सीटें भाजपा ने जीती थीं उप्र में 2021 के विधानसभा चुनाव में। वहीं समाजवादी पार्टी को 111 सीटों पर जीत मिली थी। अपना दल सोनेलाल को 12 तो रालोद को आठ पर विजय मिली थी।

असम के राज्यपाल ने सरमा को मुख्यमंत्री नियुक्त किया, 12 को शपथ ग्रहण

केंद्रीय पर्यवेक्षकों नड्डा व नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में सरमा चुने गए विधायक दल के नेता

गुवाहाटी, प्रेट्र : राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने रविवार को हिमंत बिस्वा सरमा को असम का मुख्यमंत्री नियुक्त किया। इससे राज्य में लगातार तीसरी बार राजग सरकार बनने का रास्ता साफ हो गया। सरमा अब 12 मई को शपथ लेंगे। इससे पूर्व सरमा को केंद्रीय पर्यवेक्षक व मंत्री जेपी नड्डा और सह पर्यवेक्षक हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया। विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद सरमा ने राजग नेताओं के साथ लोकभवन में जाकर राज्यपाल आचार्य से मुलाकात की और सरकार बनाने का औपचारिक दावा पेश किया। साथ ही अपने समर्थन में 102 विधायकों के हस्ताक्षर वाला पत्र सौंपा।

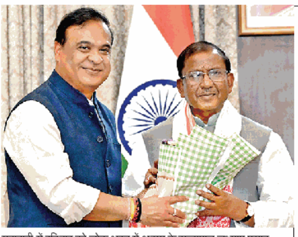

गुवाहाटी में रविवार को लोक भवन में असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को पुष्पगुच्छ भेंट करते भाजपा नेता हिमंत बिस्वा सरमा। एएनआइ

असम में राजग का यह लगातार तीसरा कार्यकाल, सरमा का दूसरा

राजग का असम में यह लगातार तीसरा कार्यकाल होगा। भाजपा-नेतृत्व वाले गठबंधन ने पहली बार 2016 में मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल के नेतृत्व में सत्ता संभाली थी। इसके बाद 2021 में मुख्यमंत्री सरमा के नेतृत्व में राजग सरकार रही। अब सरमा एक बार फिर सीएम की शपथ लेने जा रहे हैं। वह राज्य के पहले गैर-कांग्रेस मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं जो दो लगातार कार्यकाल सेवा देंगे। राजग ने विधानसभा चुनावों में दो-तिहाई बहुमत हासिल किया है। 126 सदस्यीय सदन में रिकार्ड 102 सीटें जीती हैं। भाजपा ने 82 सीटें जीतीं, जबकि सहयोगी एजीपी और बीपीएफ ने 10-10 सीटें हासिल कीं।

राज्य के मुख्य सचिव रवि कोटा द्वारा हस्ताक्षरित एक अधिसूचना में कहा गया - "भारतीय संविधान के अनुच्छेद 164 के खंड (1) के तहत असम के गवर्नर उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए डा. हिमंत बिस्वा सरमा को असम का मुख्यमंत्री नियुक्त करने में प्रसन्नता का अनुभव कर रहे हैं।" इससे पहले लोकभवन की ओर से कहा गया था- "गवर्नर ने डा. हिमंत बिस्वा सरमा को असम में नई सरकार बनाने के लिए बुलावा दिया है। आचार्य मंगलवार को सरमा को मुख्यमंत्री के रूप में और मंत्रिपरिषद के अन्य सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और अन्य वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना है। केंद्रीय पर्यवेक्षक नड्डा ने कहा कि सरमा को रविवार को हुई विधायक दल की बैठक में भाजपा नेतृत्व वाले राजग का नेता चुना गया। पूर्व मंत्री रंजीत कुमार दास, अजानता निओग, अशोक सिंघल और पिजुश हजारिका समेत आठ भाजपा विधायकों ने सरमा का नाम पार्टी विधायक दल के नेता के रूप में प्रस्तावित किया। असम गण परिषद और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट ने भी सरमा के नामांकन का समर्थन किया। सरमा ने गठबंधन नेता के रूप में चुने जाने के बाद कहा कि अगली सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए अधिक उत्साह के साथ काम करेगी।

केरलम में मुख्यमंत्री तय करने में अब सोनिया गांधी से भी राय लेगी कांग्रेस

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- अब अंतिम रेस केसी वेणुगोपाल और वीडी सतीशन के बीच, एक-दो दिन में तय होगा सीएम का नाम
- 45 विधायकों की केसी वेणुगोपाल के पक्ष में लामबंदी ने हाईकमान की चुनौती बढ़ाई

केरलम चुनाव में कांग्रेस को जितनी बड़ी जीत मिली है, कुछ उतनी ही मशक्कत पार्टी को मुख्यमंत्री का चेहरा तय करने में करनी पड़ रही है। मुख्यमंत्री पद के तीन प्रमुख दावेदारों के बीच अब अंतिम रेस कांग्रेस के ताकतवर संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल तथा केरलम में विपक्ष के नेता रहे वीडी सतीशन के बीच रह गई है। कांग्रेस की दीर्घकालिक राजनीति और केरलम में संगठन की मजबूती बनाए रखने की कसौटी के आधार पर पार्टी हाईकमान मुख्यमंत्री के नाम का फैसला करेगा। सत्ता और संगठन के बीच समन्वय की इस जरूरत को देखते हुए संकेत हैं कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और एके एंटनी जैसे अनुभवी दिग्गजों से विचार विमर्श के बाद ही अब मुख्यमंत्री के नाम पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। इसमें एक-दो दिन का समय लग सकता है।

केरलम में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए कांग्रेस हाईकमान ने शनिवार को मुख्यमंत्री पद के तीनों प्रमुख दावेदारों वेणुगोपाल, सतीशन और पूर्व में केरलम में नेता विपक्ष रहे रमेश चेन्निथेला के साथ लंबी बातचीत की। मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा बुलाई गई इस बैठक में लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी, केरलम की प्रभारी पार्टी महासचिव दीपा दासमुंशी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सन्नी जोसेफ भी मौजूद थे।

राहुल गांधी के साथ सोनिया गांधी। फाइल

इस बैठक में मुख्यमंत्री के लिए किसी एक नाम पर निर्णय नहीं हो पाया। बेशक केरलम के नवनिर्वाचित कांग्रेस विधायकों ने प्रस्ताव पारित कर पार्टी हाईकमान को मुख्यमंत्री तय करने के लिए अधिकृत किया है। लेकिन कांग्रेस के 63 में से करीब 45 विधायकों की केसी वेणुगोपाल के पक्ष में लामबंदी ने हाईकमान की चुनौती बढ़ा दी है। वेणुगोपाल को भले ही विधायक दल में अधिक समर्थन मिलता दिख रहा है लेकिन इसमें दो राय नहीं कि सतीशन केरलम में कांग्रेस के सबसे लोकप्रिय नेता हैं और आइयूएमएल समेत यूडीएफ में शामिल अधिकांश सहयोगी दल सतीशन को मुख्यमंत्री बनाने की पैरोकारी कर रहे हैं।

ऐसे में कांग्रेस नेतृत्व के सामने विधायकों की राय और केरलम में पार्टी के सबसे प्रभावी चेहरे सतीशन के बीच किसी एक को चुनने का फैसला लेना सहज नहीं है। खासकर यह देखते हुए कि राज्यों में कांग्रेस का नेतृत्व कमजोर होने के कारण उसकी प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय सियासत में भागीदारी कमजोर हुई है और केरलम जैसे चुनिंदा राज्य ही हैं, जहां पार्टी के पास संगठन और चेहरा दोनों हैं। ऐसे में नेतृत्व के सामने चुनौती यह भी है कि विधायकों की राय के आधार पर वेणुगोपाल को यदि सीएम बनाने का फैसला लिया जाता है तो यह संदेश जाएगा कि उन्हें ऊपर से थोपा गया है। वेणुगोपाल के मामले में तो यह बात विशेष रूप से लागू होती है, क्योंकि वह पार्टी के संगठन महासचिव के तौर पर कांग्रेस नेतृत्व खासकर राहुल गांधी के काफी करीबी माने जाते हैं।

एम.वी. करुपैया तमिलनाडु विस के प्रोटेम स्पीकर नियुक्त

चेन्नई, आइएएनएस : तमिलनाडु में ऐतिहासिक चुनावी जीत के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु वेत्री कड़गम (टीवीके) के विधायक एम.वी. करुपैया को रविवार को विधानसभा का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया। सोमवार से शुरू होने वाले नए विधानसभा सत्र से पहले यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है। करुपैया नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाएंगे और सदन की शुरुआती कार्यवाही का संचालन करेंगे।

एम.वी. करुपैया। एएनआइ

17वीं तमिलनाडु विधानसभा का पहला सत्र सोमवार (11 मई) को सुबह साढ़े नौ बजे चेन्नई स्थित सचिवालय के विधानसभा कक्ष में आयोजित किया जाएगा। राज्य विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, सत्र के पहले दिन सभी नवनिर्वाचित सदस्य पद की शपथ लेंगे। इसके अगले दिन, 12 मई को सुबह साढ़े नौ बजे अध्यक्ष (स्पीकर) और उपाध्यक्ष (डिप्टी स्पीकर) के चयन के लिए चुनाव प्रक्रिया संपन्न होगी।

द्रमुक ने उदयनिधि स्टालिन को विधायक दल का नेता चुना

द्रमुक ने पूर्व उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन को विधानसभा में विधायक दल का नेता चुना है। पार्टी सूत्रों ने रविवार को बताया कि द्रमुक के पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ नेता के.एन. नेहरू को विधायक दल का उप नेता चुना गया है। इसके अलावा, द्रमुक के पूर्व मंत्री ई.वी. वेलू को पार्टी का सचेतक नियुक्त किया गया है। द्रमुक के पास 59 विधायक हैं और वह विधानसभा में प्रमुख विपक्षी दल के रूप में कार्य करेगी।

विजय की कैबिनेट में युवा और अनुभवी चेहरों का मेल

- टीवीके सरकार में अनुभवी राजनेता, पूर्व नौकरशाह, रणनीतिकार शामिल
- अनुभव और नई राजनीतिक पीढ़ी के बीच संतुलन बनाने के प्रयास का संकेत

चेन्नई, आइएएनएस : तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने रविवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ नौ मंत्रियों ने भी शपथ ली। तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) सरकार की कैबिनेट में अनुभवी राजनेता, पूर्व नौकरशाह, पेशेवर, राजनीतिक रणनीतिकार शामिल हैं। यह सरकार में अनुभव और नई राजनीतिक पीढ़ी के बीच संतुलन के प्रयास का संकेत है।

मंत्री बनाए गए केए. सेंगोटियन का पांच दशक लंबा राजनीतिक करियर रहा है। दस बार विधायक रह चुके सेंगोटियन 1977 में पहली बार विधायक बने। बाद में वह पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता के बेहद करीबी बन गए। पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पाडी पलानीस्वामी के साथ मतभेदों के बाद 2025 में अन्नाद्रमुक से निष्कासित किए जाने के बाद वह टीवीके में शामिल हो गए।

एन. आनंद को विजय के सबसे करीबी राजनीतिक सहयोगियों में से एक माना जाता है। उन्होंने तमिलनाडु में टीवीके को जमीनी स्तर पर मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

टीवीके के प्रमुख रणनीतिकारों में से एक आधव अर्जुन को भी मंत्री बनाया गया है। वह भारतीय बास्केटबाल महासंघ के अध्यक्ष हैं।

चेन्नई में रविवार को शपथ ग्रहण समारोह के दौरान जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में उपस्थित जनता के साथ सेल्फी लेते तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और टीवीके प्रमुख जोसेफ विजय। प्रेट्र

मंत्रिमंडल में शामिल 29 वर्षीय एस. कीर्तना शिवकाशी से चुनी गई पहली महिला विधायक हैं। पूर्व राजनीतिक सलाहकार कीर्तना ने पहले एमके. स्टालिन, ममता बनर्जी और चंद्रबाबू नायडू से जुड़ी चुनावी टीमों के साथ काम किया है।

पूर्व आइआरएस अधिकारी और डाक्टर केजी. अरुणराज सरकारी सेवा से इस्तीफा देने के बाद राजनीति में आए हैं। उन्हें भी मंत्रिमंडल में स्थान मिला है। टीवीके के आइटी और इंटरनेट मीडिया संचालन को संभालने वाले आर. निर्मल कुमार को भी मंत्री पद मिला है। भाजपा के पूर्व पदाधिकारी निर्मल 2025 में टीवीके में शामिल हुए थे। अभिनेता, कामेडियन और निर्देशक ए. राजमोहन को भी मंत्री बनाया गया है। वरिष्ठ वकील और टीवीके के कोषाध्यक्ष पी. वेंकटरामनन ने भी मंत्री पद की शपथ ली। उन्हें टीवीके का प्रमुख ब्राह्मण चेहरा माना जाता है। डेंटिस्ट से राजनेता बने केटी. प्रभु को भी मंत्री बनाया गया है।

पहले भाषण में विजय बोले-अपनी सरकार में सत्ता का एकमात्र केंद्र वही होंगे

प्रथम पृष्ठ से आगे

शपथ ग्रहण के बाद अपने पहले भाषण में विजय ने कहा कि अपनी सरकार में सत्ता का एकमात्र केंद्र वही होंगे और उन्होंने खुद को साधारण पृष्ठभूमि से आने वाला एक आम आदमी बताया। उन्होंने कहा-यहां सिर्फ एक ही केंद्र है, मेरे नेतृत्व वाला केंद्र। एक केंद्र इस तरफ, एक केंद्र उस तरफ, वहां एक और केंद्र-ऐसा कुछ भी नहीं होगा। मैं किसी शाही खानदान से नहीं आता, मैं आप जैसा ही हूं और आपमें से ही एक हूं। यह एक नई शुरुआत है। वास्तविक, पंथनिरपेक्ष, सामाजिक न्याय का एक नया युग शुरू होता है...। विजय रुके, नीचे देखा, अपनी कलाई घड़ी की ओर इशारा किया और नाटकीय अंदाज में बोले-अब! इस बयान का ज़ोरदार तालियों और सीटियों से स्वागत किया गया।

इससे पहले जोसेफ विजय ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते हुए प्रभावशाली भाषण देने का प्रयास किया, लेकिन राज्यपाल अर्लेकर ने हस्तक्षेप किया और उनसे आधिकारिक शपथ के प्रारूप तक ही सीमित रहने को कहा। राज्यपाल द्वारा शपथ दिलाना शुरू करते ही विजय ने पूर्व निर्धारित प्रारूप से हटकर बोलना शुरू किया-मैं, सी. जोसेफ विजय, भारत के विधि द्वारा स्थापित संविधान के प्रति निष्ठावान रहूंगा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में, मैं ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वाह करूंगा। मैं कानून के शासन का पालन करूंगा, ईमानदारी से काम करूंगा, नफरत को दूर करूंगा और जनता के सभी वर्गों के लिए ईमानदारी से काम करूंगा। मैं ईश्वर की कसम खाकर यह शपथ लेता हूं। ऐसा कहते हुए विजय ने अपना दाहिना हाथ उठाया और मुट्ठी भींच ली। इस पर राज्यपाल ने उनको टोका और दिए गए कागज से आधिकारिक शपथ पढ़ने को कहा। सीएम ने राज्यपाल से कुछ स्पष्टीकरण मांगा और फिर लिखित शपथ पढ़ी।

विजय ने रविवार को तिरुचिरापल्ली पूर्व विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया और पेरंबूर सीट बरकरार रखी। मुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करने से पहले उन्होंने अपना इस्तीफा सौंप दिया। हालिया विधानसभा चुनाव में वह दो सीटों से जीते थे। मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद विजय ने पहली बार तमिलनाडु सचिवालय का दौरा किया। सचिवालय पहुंचने पर विजय को पुलिस ने औपचारिक सलामी दी। बाद में वह सचिवालय स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में गए। सचिवालय में उन्होंने एक उच्चस्तरीय बैठक की और राज्य की कानून-व्यवस्था का जायजा लिया। बैठक में मुख्य सचिव, गृह और उत्पाद शुल्क विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के अलावा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित है।

पहली बार सीएम के शपथ ग्रहण में पूरा वंदे मातरम गाया गया : शपथ ग्रहण समारोह की सबसे खास बात यह थी कि इसकी शुरुआत वंदे मातरम से हुई, न कि राज्य के आधिकारिक गीत 'तमिल थाई वाझथु' से, जो आमतौर पर होता आया है। पहली बार किसी मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में पूरा वंदे मातरम गाया गया। भाजपा को एक संदेश के रूप में देखा जा रहा यह कदम केंद्रीय गृह मंत्रालय के उस निर्देश के अनुरूप था, जिसमें औपचारिक और सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रगान का पूरा संस्करण बजाना अनिवार्य किया गया है।

तमिलनाडु की राजनीति में पहली बार चुनाव बाद गठबंधन बना : पिछले साल अगस्त में जब जोसेफ विजय ने मदुरै में अपनी पार्टी के दूसरे राज्य सम्मेलन को संबोधित किया था, तो उन्होंने तत्कालीन गठबंधनों के प्रति अपनी अरुचि स्पष्ट कर दी थी। उन्होंने खचाखच भरे सम्मेलन में कहा था-मुझे किसी भी गुलाम गठबंधन में शामिल होने की कोई आवश्यकता नहीं है। अगर टीवीके किसी के साथ गठबंधन करती भी है, तो यह स्वार्थी गठबंधन नहीं होगा। यह आत्मसम्मान पर आधारित गठबंधन होगा। हालांकि, विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला और सरकार बनाने के लिए उन्हें अन्य पार्टियों से हाथ मिलाना पड़ा। इस तरह तमिलनाडु में एक दिलचस्प इतिहास रचा गया, क्योंकि राज्य की राजनीति में पहली बार चुनाव बाद कोई गठबंधन बना है।

ईश्वर के नाम पर शपथ : टीवीके कार्यकर्ताओं की लगातार गूंजती सीटियों के बीच विजय ने ईश्वर के नाम पर मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके मंत्रियों ने भी ईश्वर के नाम पर शपथ ली, जो पूर्ववर्ती द्रमुक सरकार के अधिकतर मंत्रियों के शपथ ग्रहण से अलग रहा। विजय ने राहुल और अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों सहित मंच पर मौजूद लोगों के साथ सेल्फी लेकर एक घंटे के कार्यक्रम का समापन किया।

आमतौर पर सफेद कमीज और खाकी पतलून में नजर आने वाले विजय रविवार को शपथ ग्रहण समारोह में अलग अंदाज में दिखे। उन्होंने सफेद कमीज और गहरे रंग की पतलून के साथ कोट पहना था।

योगी मंत्रिमंडल में छह मंत्री और बढ़े, दो पदोन्नत हुए

राज्य ब्यूरो, जागरण • लखनऊ

- मंत्रिमंडल विस्तार में सियासी-सामाजिक संतुलन साधने की कोशिश
- भूपेन्द्र सिंह चौधरी व मनोज कुमार पांडेय बने कैबिनेट मंत्री

योगी सरकार का बहुप्रतीक्षित दूसरा मंत्रिमंडल विस्तार आखिरकार रविवार को हो गया। मंत्रिमंडल में रिक्त चल रहे छह पदों को भरने के साथ ही दो राज्य मंत्रियों को पदोन्नत किया गया है। मंत्रिमंडल विस्तार में भाजपा ने सामाजिक संतुलन साधने का पूरा प्रयास किया है। नए चेहरों के जरिये पार्टी ने संगठन, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और जातीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए रणनीतिक बिसात बिछानी शुरू कर दी है।

जन भवन में रविवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। कैबिनेट मंत्री के रूप में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी और राज्यसभा चुनाव में सपा से बगावत कर साथ देने वाले मनोज कुमार पांडेय को शामिल कर भाजपा ने संगठन और राजनीतिक अनुभव दोनों को महत्व दिया है। भूपेन्द्र सिंह चौधरी विधान परिषद सदस्य हैं, जबकि मनोज कुमार पांडेय रायबरेली की ऊंचाहार सीट से विधायक हैं।

लखनऊ में रविवार को राजभवन में पंकज चौधरी, ब्रजेश पाठक, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, योगी आदित्यनाथ और केशव प्रसाद मौर्या (दाएं से)। पीछे खड़े नए और प्रोन्नत मंत्री। एएनआइ

भूपेन्द्र सिंह चौधरी को मंत्री बनाकर पार्टी ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश और जाट राजनीति को साधने का संदेश दिया है। वहीं, मनोज पांडेय के जरिये ब्राह्मण और पारंपरिक सवर्ण वोट बैंक को मजबूत करने की कोशिश की गई है। भूपेन्द्र चौधरी योगी सरकार के पहले कार्यकाल में पंचायती राज मंत्री थे।

मनोज पांडेय अखिलेश यादव सरकार में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री थे। अखिलेश ने उन्हें विधान सभा में सपा का मुख्य सचेतक बनाया था।

मंत्रिमंडल में पहले से शामिल अजीत सिंह पाल और डा. सोमेन्द्र तोमर को राज्यमंत्री से प्रमोशन देकर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया है।

भाजपा ने इनके जरिये पिछड़ा वर्ग और पश्चिमी यूपी के प्रभावशाली सामाजिक समूह गुर्जरों को साधने की कोशिश है। इसे सपा के पीडीए की काट के रूप में भी देखा जा रहा है। इसी प्रकार राज्यमंत्री के तौर पर कृष्णा पासवान, कैलाश सिंह राजपूत, सुरेन्द्र दिलेर व हंसराज विश्वकर्मा को शामिल कर दलित, लोध और विश्वकर्मा समाज के बीच राजनीतिक संदेश देने की कोशिश की गई है। कृष्णा पासवान को मंत्री बनाकर भाजपा ने दलित और महिला प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देने का प्रयास किया है। मंत्रिमंडल में अधिकतम 60 सदस्य हो सकते हैं और अब मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की कुल संख्या 60 हो गई है। विस्तार के बाद मंत्रिमंडल में 23 कैबिनेट मंत्री, 16 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और 21 राज्यमंत्री हो गए हैं।

सरकार में अब छह महिला मंत्री : रविवार को हुए विस्तार में कृष्णा पासवान को मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने के बाद योगी सरकार में महिला मंत्रियों की संख्या पांच से बढ़कर छह हो गई है। प्रदेश में भाजपा के 258 विधायक हैं जिनमें 30 महिलाएं हैं। अभी तक योगी मंत्रिमंडल में बेबी रानी मौर्य, गुलाब देवी, प्रतिभा शुक्ला, रजनी तिवारी, विजय लक्ष्मी गौतम मंत्री थीं। विस्तार के बाद कुल मंत्रियों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 10 प्रतिशत हो गया है।

टीवी डिबेट में पार्टी का करना पड़ा बचाव

प्रथम पृष्ठ से आगे

आरजी कर और संदेशखाली जैसे मामलों का जिक्र करते हुए ऋजु ने कहा कि पार्टी प्रवक्ता होने के कारण उन्हें कई बार बेमन जाकर टीवी डिबेट में पार्टी का बचाव करना पड़ा। स्वीकार किया कि भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर भीतर से वह सहज नहीं थे। दावा किया कि जब सुवेंदु अधिकारी विपक्ष के नेता थे, तब तृणमूल के भीतर से उन पर दबाव और धमकी देकर भाजपा नेताओं के खिलाफ बयान दिलवाए जाते थे। भाजपा नेताओं की मदद का जिक्र करते हुए कहा कि संकट के समय भाजपा विधायक रितेश तिवारी और अन्य नेताओं ने उनके परिवार को सुरक्षा दी।

उन्होंने तृणमूल की करारी हार के लिए राजनीतिक परामर्श संस्था आइपैक, स्थानीय नेताओं की कथित तानाशाही और महिलाओं के सम्मान के मुद्दे को जिम्मेदार ठहराया। दावा है कि ममता और अभिषेक ने आंख मूंदकर आइपैक पर भरोसा किया, जिसका नुकसान पार्टी को उठाना पड़ा। टिकट के बदले पैसे मांगे जाते थे और उनसे भी 50 लाख रुपये की मांग की गई थी।

प्रशासनिक पुनर्गठन

आज सचिवों, विधायकों, जिलाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक करेंगे मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी

एक्शन में 'अधिकारी', कोलकाता पुलिस में बड़ा फेरबदल, 93 का तबादला

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

बंगाल में नई सरकार बनने के बाद कोलकाता पुलिस के 93 अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। इनमें डीसी स्तर के अधिकारियों से इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर और कई थाना प्रभारी शामिल हैं। यह कदम प्रशासनिक पुनर्गठन व पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी सोमवार को सचिवों, विधायकों, जिलाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक करेंगे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दोपहर में वह राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ सचिवों के साथ बैठक करेंगे। उसके बाद पार्टी के विधायकों के साथ चर्चा करेंगे। शाम चार बजे उनकी समस्त जिलाधिकारियों के साथ बैठक है और शाम पांच बजे राज्य पुलिस के महानिदेशक व वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। नई सरकार के आरंभिक कामकाज, प्रशासनिक प्राथमिकताओं व कानून व्यवस्था के लिहाज से इन बैठकों को काफी अहम बताया जा रहा है। सूत्रों ने आगे बताया कि नई सरकार की पहली कैबिनेट बैठक आगामी शुक्रवार को राज्य सचिवालय नवान्न में हो सकती है।

सीएम की सुरक्षा में दोहरा कवच

राज्य ब्यूरो, जागरण, कोलकाता : बंगाल के नवनियुक्त मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर राज्य प्रशासन कोई जोखिम उठाने के मूड में नहीं है। हाल ही में उनके करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या के बाद, मुख्यमंत्री की सुरक्षा को अभेद्य बनाने की तैयारी कर ली गई है। नवान्न सूत्रों के मुताबिक, राज्य पुलिस के साथ-साथ अब केंद्रीय अर्धसैनिक बल भी अगले कुछ महीनों तक मुख्यमंत्री के सुरक्षा घेरे में तैनात रहेंगे। साल 2020 में तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद से ही उन्हें केंद्रीय सुरक्षा प्रदान की गई थी।

2016 शिक्षक परीक्षा की ओएमआर शीट सार्वजनिक

राज्य ब्यूरो, जागरण, कोलकाता

बंगाल में नई भाजपा सरकार के गठन के साथ ही लंबे समय से कानूनी विवाद में फंसे शिक्षक नियुक्ति मामले में बड़ी पहल देखने को मिली है। स्कूल सर्विस कमीशन (एसएससी) ने 2016 की शिक्षक एवं शिक्षा कर्मी नियुक्ति परीक्षा की ओएमआर शीट वेबसाइट पर अपलोड करने की अधिसूचना जारी कर दी।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार सीबीआइ से प्राप्त हार्ड डिस्क के आधार पर 2016 नियुक्ति परीक्षा की ओएमआर शीट अपलोड की गई है। शिक्षक नियुक्ति भ्रष्टाचार मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर पूरा पैनल रद होने के कारण 26 हजार से अधिक शिक्षक तथा ग्रुप सी, ग्रुप डी शिक्षा कर्मियों की नौकरी चली गई थी। कलकत्ता हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद नौकरी अभ्यर्थी और विभिन्न संगठन लगातार ओएमआर शीट सार्वजनिक करने की मांग कर रहे थे। आरोप था कि कई मामलों में ओएमआर शीट नष्ट कर दी गई या उनमें धांधली की गई। कलकत्ता हाई कोर्ट ने 2024 में ही 22 लाख ओएमआर शीट सार्वजनिक करने का निर्देश दिया था, लेकिन उस समय आयोग ने निर्देश नहीं माना।

नई सरकार के आते ही आयोग ने कलकत्ता हाई कोर्ट के निर्देश को मान लिया है। पिछले वर्ष नौकरी गंवाने वाले 19 हजार योग्य अभ्यर्थियों को चिह्नित कर कलकत्ता हाई कोर्ट के निर्देश पर एसएससी ने पारदर्शी तरीके से नई नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की थी। दोबारा परीक्षा भी ली गई थी।

कह कर रहेंगे — माधव जोशी

1000 से अधिक कर्मचारियों को बर्खास्त किया है एअर इंडिया ने पिछले तीन वर्षों में नैतिक उल्लंघन के लिए। एअर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने शुक्रवार को कर्मचारियों के साथ बैठक के दौरान ये बातें कहीं।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार, 11 मई, 2026

मोदी बोले– परजीवी पार्टी बन गई है कांग्रेस, द्रमुक की पीठ में छुरा घोंपा

कर्नाटक में भाजपा कार्यकर्ताओं की सभा में कहा– सत्ता बदलते ही पलटी कांग्रेस

कहा, कर्नाटक में आंतरिक सत्ता संघर्ष के कारण वह सुशासन देने में विफल रही

बेंगलुरु, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस एक परजीवी पार्टी बन गई है। उन्होंने तमिलनाडु के घटनाक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस वर्षों तक द्रमुक के समर्थन से राजनीतिक रूप से टिकी रही, लेकिन अब जब सत्ता के समीकरण बदले, तो उसने उसकी पीठ में छुरा घोंप दिया। वह जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली टीवीके को सरकार बनाने के लिए कांग्रेस के समर्थन देने का उल्लेख कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कर्नाटक में भी अंदरूनी सत्ता संघर्षों (मुख्यमंत्री सिद्दरमैया व उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार) के कारण कांग्रेस सुशासन देने में नाकाम रही है और उसने लोगों को धोखा दिया है।

भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्नाटक में पिछले तीन वर्षों से लोगों की समस्याओं को सुलझाने के बजाय कांग्रेस सरकार का अधिकांश समय अंदरूनी झगड़ों को सुलझाने में बीता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि कांग्रेस को सिर्फ लोगों को धोखा देना आता है। इसीलिए अक्सर कहा जाता है कि ऐसा कोई नहीं है जिसे कांग्रेस ने धोखा न दिया हो। वे खुद भी झूठे हैं और उनकी गारंटियां भी झूठी हैं। उन्होंने सवाल किया कि पूर्ण बहुमत प्राप्त होने के बावजूद कांग्रेस केरलम में सरकार क्यों नहीं बना पाई। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस आलाकमान अभी तक तय नहीं कर पाया है कि केरलम का मुख्यमंत्री कौन होगा, क्योंकि उसके तीन वरिष्ठ नेता पद की होड़ में हैं।

मोदी ने कहा, मैं देख सकता हूं कि आज बेंगलुरु की धरती से भगवा सूरज निकला है। जब भाजपा इतनी बड़ी पार्टी नहीं थी, तब भी कर्नाटक ने उसे जबरदस्त ताकत दी थी।" उन्होंने बताया कि लोकसभा में प्रतिनिधित्व के मामले में भाजपा अब कर्नाटक में नंबर एक पार्टी है और तेलंगाना में दूसरी सबसे बड़ी ताकत है।

बेंगलुरु में रविवार को ध्यान मंदिर के उद्घाटन अवसर पर मंच से अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर। प्रेट्र

सभास्थल के पास मिलीं जिलेटिन की छड़ें

प्रधानमंत्री के आगमन से पहले रविवार सुबह 10.25 बजे सुरक्षा जांच के दौरान एक फुटपाथ के किनारे दो जिलेटिन की छड़ें मिलीं। यह जगह मुख्य कार्यक्रम स्थल से करीब तीन किलोमीटर दूर थी। बेंगलुरु पुलिस के अनुसार, करीब सात बजे कोरमंगला पुलिस स्टेशन को एक धमकी भरा फोन आया। इसमें दावा किया गया था कि एचएएल एयरपोर्ट और आर्ट आफ लिविंग सेंटर के पास बम धमाके किए जाएंगे। सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हाई अलर्ट पर आ गईं और पुलिस, बम निरोधक दस्ते व फोरेंसिक विशेषज्ञों ने मार्गों का निरीक्षण तेज कर दिया। करीब 10.30 बजे थाटागुनी के पास कनकपुरा रोड पर पुलिस कांस्टेबल जगदीश की नजर सड़क से करीब 30 मीटर दूर एक संदिग्ध लिफाफे पर पड़ी, जिसमें जिलेटिन की दो छड़ें थीं।

मंदिरों के पुजारियों की 'अनदेखी' पर सुप्रीम कोर्ट में न्याय की गुहार

- सरकार-नियंत्रित मंदिरों में सेवादारों व कर्मचारियों के वेतन की समीक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली, प्रेट्र : 'देश के लाखों मंदिरों का संचालन करने वाली सरकारें क्या अपने ही कर्मचारियों का शोषण कर रही हैं?' यह गंभीर प्रश्न उच्चतम न्यायालय में दायर एक जनहित याचिका के माध्यम से सामने आया है। अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर इस याचिका में केंद्र और राज्य सरकारों को एक न्यायिक आयोग या विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश देने की मांग की गई है, जो सरकारी नियंत्रण वाले मंदिरों के पुजारियों, सेवादारों और अन्य कर्मचारियों के वेतन और सुविधाओं की समीक्षा कर सके। याचिका का मुख्य तर्क यह है कि जब राज्य किसी मंदिर का प्रशासनिक और वित्तीय नियंत्रण अपने हाथ में ले लेता है, तो वहां 'नियोक्ता-कर्मचारी' का संबंध स्वतः स्थापित हो जाता है। ऐसे में पुजारियों को सम्मानजनक वेतन न देना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले 'आजीविका के अधिकार' का सीधा उल्लंघन है।

न्यूनतम मजदूरी से भी वंचित हैं पुजारी : याचिका में वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर और दक्षिण भारत के मंदिरों का उदाहरण देते हुए कहा गया है कि इन पवित्र स्थानों पर दिन-रात सेवा करने वाले कर्मचारियों को अकुशल श्रमिकों के बराबर भी न्यूनतम वेतन नहीं मिल रहा है।

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में हाल ही में हुए बड़े विरोध प्रदर्शनों का हवाला देते हुए इसे 'प्रणालीगत शोषण' बताया गया है। याचिकाकर्ता के अनुसार, राज्य एक तरफ 'माडल नियोक्ता' होने का दावा करते हैं, वहीं दूसरी तरफ न्यूनतम मजदूरी अधिनियम और अनुच्छेद 43 (निर्वाह मजदूरी) की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

परंपरा बनाम प्रशासनिक कड़वाहट: याचिका में तमिलनाडु की एक घटना का विशेष उल्लेख है, जहां प्रशासन ने पुजारियों को 'दक्षिणा' लेने से रोकने का प्रयास किया था। यह मुद्दा इसलिए भी संवेदनशील है क्योंकि कई मंदिरों में पुजारियों को औपचारिक वेतन नहीं मिलता और वे पूरी तरह दक्षिणा पर निर्भर हैं। 2026 के महंगाई सूचकांक के दौर में, बिना किसी निश्चित आय के इन पुजारियों का जीवन भुखमरी की कगार पर है।

सुप्रीम कोर्ट।

चंबल में खनन रोकने को बनेगा विशेष न्यायालय

जागरण संवाददाता, आगरा : राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य में अवैध खनन के मुकदमे में शीघ्र कार्रवाई के लिए विशेष न्यायालय बनाया जाएगा। यह न्यायालय लाल चंदन तस्करी रोकने के लिए आंध्र प्रदेश में बनाए गए विशेष न्यायालय की तरह होगा। इससे उप्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान में हो रहे अवैध खनन से जुड़े मामलों का प्रभावी और शीघ्रता से निपटान होगा। खनन करने वालों पर सख्त कार्रवाई संभव होगी। 2016 में आंध्र प्रदेश वन अधिनियम में संशोधन करते हुए लाल चंदन की तस्करी में 10 वर्ष तक की सजा का प्रविधान किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट में राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य के निरीक्षण के बाद सेंट्रल इम्पावर्ड कमेटी द्वारा दाखिल की गई रिपोर्ट-10 में विशेष न्यायालय को अधिसूचित करने की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य में खनन को एक संगठित पर्यावरणीय अपराध माना जाएगा। इसकी जांच को पुलिस, वन और खनन विभाग के अधिकारियों का विशेष जांच दल या विशेष कार्य बल गठित किया जाएगा। **मप्र में सबसे अधिक खनन, सबसे कम कार्रवाई :** तीन राज्यों में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में विस्तारित राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य क्षेत्र में सबसे अधिक खनन मध्य प्रदेश की सीमा में पाया गया। खास बात यह रही कि यहां सबसे कम कार्रवाई हुई।

हर राज्य में बाढ़ संकट प्रबंधन टीमों का गठन किया जाना चाहिए : शाह

- गृह मंत्री ने उच्च स्तरीय बैठक में की संभावित बाढ़ और लू से निपटने की तैयारियों की समीक्षा

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय गृह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हर राज्य में बाढ़ संकट प्रबंधन टीमों (एफसीएमटी) का गठन कर इन्हें सक्रिय किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि आपदा प्रबंधन के ऐसे प्रयास किए जाएं कि कोई जनहानि न हो। वह रविवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में संभावित बाढ़ और लू से निपटने के लिए देश की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे।शाह ने कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सहयोग से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में 30 जोखिम भरी झीलों के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित करने की योजना में कम से कम 60 झीलों को शामिल किया जाए।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय और राज्य स्तर पर बाढ़ पूर्वानुमान के लिए एक एकीकृत प्रणाली होनी चाहिए। उन्होंने एनडीएमए से यह अध्ययन करने के लिए कहा कि कितने राज्य मंत्रालय के निर्देशों और एनडीएमए के दिशानिर्देशों का पालन कर रहे हैं विशेषकर जगलों में लगने वाली आग, लू और बाढ़ के हालात से निपटने के लिए।

अमित शाह ने कहा कि जल संचय और चेक डैम्स की परियोजनाओं से जल संरक्षण और जलस्तर में सुधार की और अधिक संभावनाओं को तलाशा जाए। हमारा उद्देश्य होना चाहिए कि लू से कृषि क्षेत्र को न्यूनतम नुकसान हो, साथ ही नदियों पर चेक डैम्स बना कर जल संरक्षण किया जाए।

उन्होंने कहा कि सीएएमपीए फंड का इस्तेमाल पर्यावरण संतुलन के लिए किए जा रहे प्रयासों को बहुआयामी बनाने के लिए किया जाना चाहिए। इसके अलावा शाह ने जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम पैटर्न में बदलाव और उससे उत्पन्न आपदा संबंधी चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक मास्टर प्लान तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया।

'लोकतंत्र की मजबूती टकराव में नहीं, संस्थागत संतुलन व पारस्परिक मर्यादा से'

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- अमित शाह बोले, संस्थाओं को एक दूसरे का विरोध करने के लिए नहीं, एक दूसरे को संतुलित करने को बनाया गया
- तुषार मेहता की दो पुस्तकों द बेंच द बार एंड द बिजार और द लाफुल एंड द आफुल का विमोचन

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि लोकतंत्र की मजबूती टकराव में नहीं, बल्कि संस्थागत संतुलन और पारस्परिक मर्यादाओं से होती है। 75 साल में न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच संतुलन की एक अच्छी स्प्रिट बनी है, इसे और दृढ़, सुदृढ़ और आगे बढ़ाने के लिए हम सबको साथ मिलकर काम करना चाहिए। ये बातें गृह मंत्री ने सालिसिटर जनरल तुषार मेहता की दो पुस्तकों द बेंच द बार एंड द बिजार तथा द लाफुल एंड द आफुल के विमोचन के अवसर पर कहीं।

शाह ने कहा कि इन पुस्तकों के लेखक न सिर्फ भारत के सालिसिटर जनरल और एक विद्वान वकील हैं, बल्कि उनके दोस्त भी हैं। अमित शाह ने कहा कि मैं तुषार भाई को जानता हूं कि उन्होंने कानूनी मर्यादा और गंभीरता दोनों को बनाए रखते हुए अदालती प्रक्रियाओं में छिपे जीवन, हास्य व्यंग्य और मानवीय स्वभाव की बहुत सुंदर अभिव्यक्ति बड़ी बारीकी के साथ की है। इस मौके पर भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, अटार्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और न्यायविद् व कानूनविद् मौजूद थे। दिल्ली के भारत मंडपम में दोनों पुस्तकों का रविवार को विमोचन हुआ। तुषार मेहता की ये पुस्तकें कानूनी पेशे से जुड़े अनोखे, ज्ञानवर्धक, विचारोत्तेजक किस्सों को सामने लाती हैं। ये पाठकों को कानून, वकालत और मानवीय अनुभवों के दिलचस्प मेल की झलक दिखाती हैं।

समारोह के मुख्य अतिथि गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय लोकतंत्र और इसके आधार भारतीय संविधान की खासियत को बताते हुए कहा कि संस्थाओं को एक दूसरे का विरोध करने के लिए नहीं, बल्कि एक दूसरे को संतुलित करने के लिए बनाया गया है। इस कड़ी को हमें समझना पड़ेगा। कार्यपालिका निर्णय लेती है, न्यायपालिका उसकी संवैधानिक समीक्षा करती है। हमारे संविधान निर्माताओं ने संवाद, मर्यादा और संतुलन तीनों को बनाए रखने के लिए बहुत अच्छे तरीके से संविधान को लिखा है। उन्होंने कहा कि संविधान और न्यायपालिका ने भारत के लोकतंत्र की जड़ों को गहरा करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। 1947 से अब तक संसद और विधानसभाओं द्वारा लाए गए बदलावों को बिना एक बूंद खून बहाए स्वीकार किया गया है, जो यह दिखाता है कि हमारे देश में लोकतंत्र की जड़ें कितनी गहरी हैं। इसे हासिल करने में अदालतों और संविधान की बड़ी भूमिका रही है। पूरे देश को यह भरोसा है कि किसी भी अन्याय की स्थिति में संविधान उनकी रक्षा के लिए मौजूद है। यदि अधिकारों पर कोई हमला होता है तो न्याय के द्वारा खुले हैं। और यदि कहीं भी किसी कमजोर व्यक्ति की आवाज दबाई जाती है तो अदालतें निश्चित रूप से उन आवाजों को सुनेंगी। उन्होंने कहा कि यदि इसमें कुछ कमियां हैं तो उसे कार्यपालिका और न्यायपालिका को एक ठोस समय सीमा वाले रोडमैप के जरिये दूर करना होगा। शाह ने कहा कि मैं अपनी माता के चरण स्पर्श प्रतिदिन किया करता था। उनके न रहने पर नित्य उनकी तस्वीर के सामने दीप जलाता हूं। हर दिन माता को समर्पित है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने तुषार मेहता की लेखन शैली और पुस्तकों की प्रशंसा की। कहा कि इन दोनों पुस्तकों की विषय वस्तु देखने के बाद यही सोच रहा था कि यदि कानून की दुनिया छुट्टी मनाने किसी कामेडी क्लब में चली जाए तो क्या होगा। विद्वान सालिसिटर के पास इसका उत्तर है। अपने साहित्यिक डबल डेकर के रूप में दो पुस्तकें द बेंच द बार एंड द बिजार और द लाफुल एंड आफुल। इन दोनों पुस्तकों को लगातार पढ़ना ऐसा है मानो किसी कोर्ट रूम ड्रामा ने गलती से स्टैंडअप कामेडी सेशन में प्रवेश कर लिया हो। विद्वान सालिसिटर जनरल ने वह किया है, जिसे करने का साहस बहुत कम लोग जुटा पाते हैं। अटार्नी जनरल आर वेंकरमणी ने मेहता की पुस्तकों की सराहना करते हुए कहा कि ये किताबें न्याय दिलाने की प्रक्रिया के छिपे हुए पहलुओं की एक दुर्लभ और गहरी झलक पेश करती हैं। तुषार मेहता ने अपनी पुस्तकों के बारे में बात करते हुए कहा कि ये पुस्तकें न तो कोई शोध ग्रंथ हैं और न ही कानून के किसी खास विषय की आलोचना।

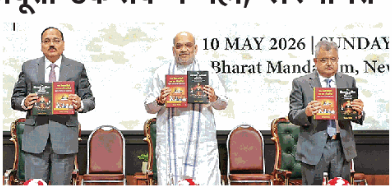

नई दिल्ली में रविवार को सालिसिटर जनरल तुषार मेहता (दाएं) की दो पुस्तकों का विमोचन करते प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। प्रेट्र

घरेलू पर्यटन और भारत में ही उत्सव मनाने को प्राथमिकता दें

प्रथम पृष्ठ से आगे

प्रधानमंत्री ने नागरिकों से विदेशी मुद्रा बाहर जाने के प्रति सचेत रहते हुए "रुपये के संरक्षक" के रूप में कार्य करने का आग्रह किया। उन्होंने जनता से विदेशी मुद्रा भंडार बचाने के लिए अनावश्यक विदेश यात्राओं, विदेशों में छुट्टियां मनाने और विदेशों में होने वाली शादियों से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि देशवासी घरेलू पर्यटन और भारत में ही उत्सव मनाने को प्राथमिकता दें। एक वर्ष तक सोने की अनावश्यक खरीदारी से बचें, ताकि विदेशी मुद्रा बाहर जाने का दबाव कम हो। साथ ही देश में निर्मित और स्थानीय स्तर पर बने उत्पादों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। इन उत्पादों में जूते और बैग जैसी रोजमर्रा की चीजें शामिल हैं। घरों में खाने के तेल की खपत कम करें, इससे देश की आर्थिक सेहत के साथ-साथ व्यक्तिगत सेहत को भी फायदा होगा। प्रधानमंत्री ने किसानों से आग्रह किया कि वे रासायनिक उर्वरकों का उपयोग 50 प्रतिशत तक कम करें, प्राकृतिक खेती के तरीकों को अपनाएं। किसान मिट्टी की सेहत की रक्षा करने और आयात पर निर्भरता कम करने में मदद करें। साथ ही डीजल के बजाय सौर-ऊर्जा से चलने वाले सिंचाई पंपों को अधिक से अधिक अपनाएं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बंगाल की जनता ने तानाशाही माडल को हरा दिया है, वहां भारी बहुमत से भाजपा की सरकार बनी है और उन्हें तेलंगाना में भी बंगाल जैसा उत्साह दिख रहा है। तेलंगाना की जनता बदलाव चाहती है। जब भाजपा के पास सिर्फ दो सांसद थे, तब तेलंगाना ने एक सांसद दिया था। उन्होंने विश्वास जताया कि तेलंगाना में भी भाजपा भारी बहुमत के साथ अगली सरकार बनाएगी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की इस टिप्पणी का जिक्र करते हुए कि विकास के मामले में राजनीति नहीं होनी चाहिए, मोदी ने कहा कि वह भी राजनीतिक टिप्पणियों से परहेज करेंगे। तेलंगाना को केंद्र सरकार के सहयोग का आश्वासन देते हुए उन्होंने रेड्डी को विकास की इस यात्रा में उनके साथ शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज सुधार एक्सप्रेस पर सवार है और आधुनिक बुनियादी ढांचा भी तैयार कर रहा है।

बीआरएस नेता के बेटे की शादी समारोह स्थल पर हेलीकाप्टर न उतार पेश की मिसाल

हैदराबाद, आइएएनएस : प्रधानमंत्री मोदी का हेलीकाप्टर हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में उतरना था, लेकिन वहीं पर रविवार रात बीआरएस एमएलसी एमसी कोटी रेड्डी के बेटे अजीत रेड्डी की शादी होने वाली थी। जैसे ही पीएम को यह पता चला कि तो उन्होंने अधिकारियों को हेलीकाप्टर किसी दूसरी जगह उतारने को कहा। इसके बाद उन्होंने सड़क से 18 किलोमीटर का सफर किया और फिर परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

रोजाना 1,700 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, प्रेट्र : पश्चिम एशिया संकट सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों पर भारी पड़ रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां पिछले 10 सप्ताह से पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की बिक्री पुराने दामों पर कर रही हैं, जिससे उन्हें प्रतिदिन 1,600-1,700 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। सूत्रों ने बताया कि 10 सप्ताह में इन कंपनियों को कुल एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो चुका है।

नीट-यूजी पेपर लीक मामले की जांच नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने केंद्रीय एजेंसियों को सौंपी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- एडवाइजरी जारी कर कहा, परीक्षा पूरे सुरक्षा प्रोटोकाल के तहत हुई

मेडिकल के स्नातक कोर्सों में दाखिले से जुड़ी परीक्षा नीट-यूजी में गड़बड़ी व कथित पेपर लीक मामले के तूल पकड़ते देख नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने पूरे मामले की जांच केंद्रीय एजेंसियों को सौंप दी है। एनटीए ने रविवार को एक एडवाइजरी जारी कर छात्रों के साथ यह जानकारी साझा की है। साथ ही उन्हें यह भी बताया है कि तीन मई को हुई नीट-यूजी की परीक्षा देशभर में कड़े सुरक्षा प्रोटोकाल में आयोजित की गई थी।

एनटीए ने बताया है कि परीक्षा के चार दिन बाद यानी सात मई को उन्हें परीक्षा में अनियमतिता से जुड़ी शिकायतें मिली थीं। इस आधार पर आठ मई को इसकी जांच केंद्रीय एजेंसियों को सौंपी गई है। जांच में उन्हें पूरा सहयोग किया जा रहा है। उन्हें डाटा सहित दूसरी जानकारियां मुहैया कराई गई हैं, ताकि जांच के बाद सच्चाई सामने आ सके। एनटीए ने इस बीच छात्रों से बगैर जांच रिपोर्ट आए किसी भी तरह के निष्कर्ष निकालने से बचने के लिए कहा है।

एनटीए ने कहा कि जांच एजेंसियां जो भी रिपोर्ट देंगी, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई पारदर्शी तरीके से की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, नीट-यूजी के बाद देहरादून, राजस्थान के सीकर व झुंझुनूं से कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। जांच एजेंसियों को शक है कि परीक्षा से पहले कुछ कैंडिडेट्स को प्रश्न पत्र उपलब्ध कराने की कोशिश हुई थी। सूत्रों के अनुसार, जांच में सीबीआइ सहित सभी केंद्रीय एजेंसियों को लगाया गया है। गौरतलब है कि नीट-यूजी की परीक्षा देशभर में तीन मई को हुई थी। जिसमें करीब 22 लाख छात्रों ने हिस्सा लिया था। 2024 में भी नीट-यूजी में गड़बड़ियों के आरोप लगे थे।

देहरादून से चार लोगों को पकड़ा गया, पूछताछ जारी

जागरण संवाददता, जयपुर : नीट पेपर लीक मामले में राजस्थान एसओजी ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर शनिवार देर रात देहरादून से चार लोगों को पकड़ा है। इनसे हुई पूछताछ के आधार पर जयपुर सहित राज्य के सीकर और झुंझुनूं से नौ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि सीकर के करियर काउंसलर राकेश मंडावरिया ने कुछ अभ्यर्थियों को परीक्षा से पहले सवाल (प्रश्न) बताए थे, जिनमें से अधिकांश सवाल परीक्षा में आए थे। अब एसओजी जांच कर रही है कि करियर काउंसलर तक सवाल कैसे पहुंचे।

प्रतीकात्मक

कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट आज से आयोजित होगी

नई दिल्ली, जेएनएन : सीयूईटी-यूजी 2026 आज से शुरू होगी। यह 11 से 31 मई के बीच कंप्यूटर आधारित परीक्षा मोड में आयोजित की जाएगी। सीयूईटी-यूजी के लिए 15,68,866 उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया है। यह भारत में और 13 देशों के 14 अंतरराष्ट्रीय शहरों में आयोजित की जाएगी। इनमें शारजाह और अबू धाबी (यूएई), रियाद (सऊदी अरब), कुवैत, काठमांडू (नेपाल), दोहा (कतर), मस्कट (ओमान), मनामा (बहरीन), सिंगापुर, कुआलालंपुर (मलेशिया) और वाशिंगटन डीसी शामिल हैं। यह परीक्षा विश्व स्तर पर आयोजित होने वाली सबसे बड़ी कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं में से एक है। कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट 2026 में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को अपनी आस्था से जुड़ी चीजें पहनने की अनुमति होगी, बशर्ते वे तलाशी के लिए केंद्र पर काफी पहले पहुंच जाएं। एनटीए ने कहा, "इस बात पर जोर दिया जाता है कि 'कलावा' जैसे धार्मिक धागे पहनने की अनुमति है।

ब्रिक्स में गैर-डालर कारोबार के प्रस्ताव पर भारत का ठंडा रुख

जयप्रकाश रंजन • जागरण

- अगले सप्ताह भारत की अध्यक्षता में होनी है ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक
- अमेरिका के साथ कारोबारी समझौता करना अभी भारत की प्राथमिकता

50 लाख से अधिक भारतीय अमेरिका में हैं, उससे सालाना कारोबार 200 अरब डालर का

नई दिल्ली : अगले हफ्ते (14-15 मई) भारत की अध्यक्षता में होने वाली ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक की तैयारियों में चीन और रूस की ओर से गैर-डालरीकरण को और तेजी देने का दबाव बनाया जा रहा है, लेकिन भारत इस प्रस्ताव को लेकर कोई उत्साह नहीं दिखा रहा है। सूत्रों के अनुसार, बैठक के बाद जारी होने वाले संयुक्त बयान में स्थानीय मुद्राओं में कारोबार को बढ़ावा देने को लेकर कोई स्पष्ट या मजबूत टिप्पणी शामिल किए जाने की संभावना नहीं है। भारत सरकार का मानना है कि अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते की बातचीत अभी जारी है। इसलिए वह ऐसे किसी मुद्दे को हवा नहीं देना चाहती जिसे वाशिंगटन संवेदनशील मानता हो। अमेरिका के साथ भारत का सालाना कारोबार करीब 200 अरब डालर का है, जबकि 50 लाख से अधिक भारतीय वहां रहते हैं। दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग भी अत्यंत मजबूत है। भारत की अगुआई में हो रही इस बैठक में वह स्पष्ट संदेश नहीं देना चाहता कि ब्रिक्स मंच का इस्तेमाल अमेरिकी हितों को नुकसान पहुंचाने के लिए किया जा रहा है।

चीन और रूस लगातार ब्रिक्स सदस्य देशों के बीच अमेरिकी डालर की जगह राष्ट्रीय मुद्राओं में कारोबार बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। लेकिन भारत ने आधिकारिक तौर पर साफ कर दिया है कि उसका अंतरराष्ट्रीय व्यापार में डालर से अलग होने का कोई प्लान नहीं है और ब्रिक्स समूह भी ऐसा नहीं कर रहा। फिर भी, ब्रिक्स के संयुक्त घोषणा-पत्रों में स्थानीय मुद्रा कारोबार को प्रोत्साहन देने का जिक्र नियमित रूप से होता रहा है।

जुलाई 2025 में ब्राजील के रियो डी जनेरियो में हुए 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद जारी घोषणा-पत्र में इस मुद्दे पर कहा गया था- 'हम ब्रिक्स इंटरबैंक कोआपरेशन मैकेनिज्म (आइसीएम) के प्रयासों का स्वागत करते हैं, जो परियोजनाओं और कार्यक्रमों के लिए नवाचारी वित्तीय प्रथाओं और तरीकों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिसमें स्थानीय मुद्राओं में वित्तपोषण के स्वीकार्य तंत्र ढूंढना शामिल है।'

वर्ष 2024 के शिखर सम्मेलन में सदस्य देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों की एक समिति भी बनाई गई थी जिसने स्थानीय मुद्रा में कारोबार व भुगतान उपकरणों पर साझा सहयोग की रिपोर्ट तैयार की है। हालांकि इस रिपोर्ट के आधार पर अभी तक कोई अहम फैसला नहीं किया गया है। इस बार भी बैठक के बाद जारी होने वाले संयुक्त बयान में स्थानीय मुद्रा कारोबार का सामान्य जिक्र हो सकता है, लेकिन कोई नया ठोस प्रस्ताव या समयबद्ध रोडमैप शामिल किए जाने की उम्मीद नहीं है।

प्रतीकात्मक

भारत स्थानीय मुद्राओं में कारोबार बढ़ाने की नीति पर कर रहा काम

भारत द्विपक्षीय स्तर पर ब्रिक्स और गैर-ब्रिक्स दोनों देशों के साथ स्थानीय मुद्राओं में कारोबार बढ़ाने की नीति पर लगातार काम कर रहा है। रूस ने हाल ही में कहा है कि भारत से उसके कुल कारोबार का 95% हिस्सा अब स्थानीय मुद्राओं में हो रहा है। भारत ब्रिक्स के कुछ अन्य देशों जैसे यूएई व चीन के साथ भी स्थानीय मुद्रा में कारोबार करता है। उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई वरिष्ठ अमेरिकी नेताओं ने ब्रिक्स पर डालर को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। जुलाई 2025 में ट्रंप ने ब्रिक्स देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा की थी, हालांकि बाद में इसे लागू नहीं किया गया।

इसी सप्ताह खत्म हो सकती है भोजशाला मामले में सुनवाई

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर

- मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में 16 मई से शुरू हो रहा ग्रीष्मावकाश, छह अप्रैल से लगातार जारी है सुनवाई

धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला का धार्मिक स्वरूप तय करने के लिए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर पीठ में चल रही सुनवाई इसी सप्ताह पूरी हो सकती है। कोर्ट छह अप्रैल से इस मामले में लगातार सुनवाई कर रही है। अब तक याचिकाकर्ता, प्रतिवादी अपनी-अपनी बात कोर्ट के सामने रख चुके हैं। इन सभी के तर्क सुनने के बाद अब कोर्ट इनके प्रतिउत्तर सुन रही है। दो याचिकाकर्ताओं ने अपने प्रतिउत्तर दे दिए हैं। आज मुस्लिम पक्ष अपनी बात रखेगा। कोर्ट ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि प्रत्येक पक्ष को अधिकतम 30 मिनट में अपनी बात पूरी करनी है। कोर्ट ने सभी पक्षकारों से लिखित में तर्क प्रस्तुत करने के लिए भी कहा है। ऐसी संभावना है कि कोर्ट 16 मई से शुरू होने वाले ग्रीष्मावकाश से पहले भोजशाला मामले में सुनवाई पूरी कर लेगा।

मस्जिद पक्ष की ओर से अधिवक्ता सलमान खुर्शीद पैरवी कर रहे हैं। शुक्रवार को उन्हें अपना प्रतिउत्तर देना था, लेकिन नहीं दे सके। वह आज अपनी बात रखेंगे।

इसके पहले हिंदू फ्रंट फार जस्टिस की ओर से एडवोकेट विष्णुशंकर जैन और याचिकाकर्ता कुलदीप तिवारी की ओर से एडवोकेट मनीष गुप्ता अपने प्रतिउत्तर में मस्जिद पक्ष के उस तर्क को खारिज कर चुके हैं, जिसमें कहा था कि प्लेसेस आफ वर्शिप एक्ट के तहत मुस्लिम पक्ष को भोजशाला में नमाज का अधिकार है।

1 यार पापा
लेखक: दिव्य प्रकाश दुबे
प्रकाशक: हिंद युग्म
पुस्तक में अपने अधूरे सपनों को पूरा करने और बिखरे रिश्तों को संवारने की कहानी एक साथ कई सीख देती है। दिव्य प्रकाश ने मुख्य पात्र के माध्यम से कहानी को रोचक बनाने का सराहनीय प्रयास किया है।

2 फिर मिलोगी
लेखक: मधु चतुर्वेदी
प्रकाशक: हिंद युग्म
यह केवल एक प्रेम कहानी नहीं है, बल्कि उस अनकहे मोह का आख्यान है, जो जीवन की भीड़ में खोकर भी स्मृतियों में जीवित रहता है। यह उन सबके लिए है, जिन्होंने कभी किसी को खोया है।

3 चांदपुर की चंदा
लेखक: अतुल कुमार राय
प्रकाशक: हिंद युग्म
यह उपन्यास केवल एक प्रेम कहानी भर नहीं है, बल्कि कई कड़वे सवालों से टकराते हुए ग्रामीण संस्कृति की विलुप्त होती वो झांकी है, जो पन्ने-दर-पन्ने महावृत्तांत का रूप धारण कर लेती है।

4 पतझड़
लेखक: मानव कौल
प्रकाशक: हिंद युग्म
इस उपन्यास की कथावस्तु मानवीय भावनाओं को खूबसूरती से प्रस्तुत करती है। यह किताब सिर्फ कहानी नहीं सुनाती, बल्कि ऐसी दुनिया में ले जाती है, जहां मौसम के साथ दिलों में बदलाव आते हैं।

5 तुम्हारी औकात क्या है
लेखक: पीयूष मिश्रा
प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन
पीयूष मिश्रा फिल्में कर रहे हैं, गीत लिख रहे हैं, संगीत रच रहे हैं। यह उनकी आत्मकथा है जिसे उपन्यास की तर्ज पर लिखा गया है। इसे पढ़ते हुए महसूस करेंगे कि जैसे शब्दों को चित्रों के रूप में टांका गया है।

6 यूपीएससी वाला लव- कलेक्टर साहिबा
लेखक: कैलाश मांजू बिश्नोई
प्रकाशक: मंजुल पब्लिशिंग हाउस
एक काल्पनिक आइएएस पात्र को केंद्र में रखकर लेखक ने अभ्यर्थियों के संघर्ष, प्रशिक्षण और उनके चित्रण के साथ प्रेम कहानी बुनी है।

7 सरकारी चाय के लिए
लेखक: प्रेम शंकर चरड़ाना
प्रकाशक: पंक्ति प्रकाशन
यह उपन्यास उन युवाओं की दुनिया में झांकता है, जो सरकारी नौकरी की तैयारी के लिए अपने घर से दूर दूसरे शहरों में संघर्ष कर रहे हैं। लेखक ने कड़वी सच्चाई को बहुत खूबसूरती के साथ प्रस्तुत किया है।

8 आको बाको
लेखक: दिव्य प्रकाश दुबे
प्रकाशक: हिंद युग्म
इस पुस्तक में 16 कहानियां हैं, जो अलग-अलग शहरों में रहने वाले आम और खास दोनों तरह के लोगों को एक नए शेड में दिखाने की कोशिश करती है। वे लोग जो अपनी अधूरी हसरतों के साथ भी पूरे हैं।

9 शर्ट का तीसरा बटन
लेखक: मानव कौल
प्रकाशक: हिंद युग्म
यह किताब जिंदगी के छोटे-छोटे लम्हों को बहुत सुंदरता और बेबाकी से दर्शाती है। शर्ट का तीसरा बटन एक प्रतीक है उन भावनाओं का, जिन्हें हम अक्सर अनदेखा ही कर देते हैं।

10 इंस्टाग्राम वाला लव
लेखक: कैलाश मांजू बिश्नोई
प्रकाशक: मंजुल पब्लिशिंग हाउस
यह आज के डिजिटल युग की ऐसी प्रेम कथा है, जो यह साबित करती है कि एक साधारण चैट भी जीवन का असाधारण रिश्ता बन जाती है। यह इस बात की गवाही है कि रिश्ता सच्चा हो तो वह बहुत आगे तक जाता है।

विस्तारित सूची

कल पढ़िए कथेतर श्रेणी की सूची

11 कसारी मसारी
लेखक: मनोज राजन त्रिपाठी
प्रकाशक: वेस्टलैंड बुक्स

12 संयम
लेखक: मानव कौल
प्रकाशक: हिंद युग्म

13 यूपीएससी वाला लव-2
लेखक: कैलाश मांजू बिश्नोई
प्रकाशक: मंजुल पब्लिशिंग हाउस

14 टूटी हुई बिखरी हुई
लेखक: मानव कौल
प्रकाशक: हिंद युग्म

15 लपूझन्ना
लेखक: अशोक पाण्डे
प्रकाशक: हिंद युग्म

16 यार जादूगर
लेखक: नीलोत्पल मृणाल
प्रकाशक: हिंद युग्म

17 तितली
लेखक: मानव कौल
प्रकाशक: हिंद युग्म

18 विश्वगुरु
लेखक: नीलोत्पल मृणाल
प्रकाशक: हिंद युग्म

19 3 मुलाकातें और कुछ कहानियां
लेखक: याह्या बूटवाला
प्रकाशक: अनबाउंड स्क्रिप्ट

20 वो कौन थी
लेखक: रूपा श्रीकुमार
प्रकाशक: प्रकाश बुक्स इंडिया

मोहाली : अवैध हथियार नेटवर्क का भंडाफोड़, अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी गिरफ्तार

तीन विदेशी पिस्टल व कारतूस बरामद, इटली में बैठे आरोपित पर हथियार सप्लाई करने का आरोप

हत्या, आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस के नौ मामलों में नामजद

जागरण संवाददाता, मोहाली

स्टेट स्पेशल आपरेशन सेल (एसएसओसी), मोहाली ने मोहाली-चंडीगढ़ क्षेत्र में संभावित आपराधिक वारदात की साजिश को नाकाम करते हुए अवैध हथियारों के नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी समेत दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने उनके कब्जे से तीन आधुनिक पिस्टल, मैगजीन और कारतूस बरामद किए हैं। मामले में इटली में बैठे एक आरोपित को भी नामजद किया गया है, जिस पर हथियारों की खेप भेजने का आरोप है।

आरोपितों के कब्जे से मिले हथियार। पुलिस

एसएसओसी के एआइजी दीपक पारिक के अनुसार, पुलिस को नौ मई को गुप्त सूचना मिली थी कि होशियारपुर जिले के गांव कनेवाल को परवीन कुमार उर्फ शामा अवैध रूप से अत्याधुनिक हथियार और गोला-बारूद की खरीद-फरोख्त में सक्रिय है।

वह अपने साथियों के साथ मिलकर मोहाली-चंडीगढ़ क्षेत्र में वारदात करने वाला है। इस सूचना के आधार पर एसएसओसी थाना, मोहाली में नौ मई को एफआइआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। इस दौरान पुलिस टीम ने बनूड़ क्षेत्र में छापेमारी कर परवीन कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद उसके किराये के मकान से एक .32 बोर पिस्टल, एक मैगजीन और पांच कारतूस बरामद किए गए।

परवीन कुमार का आपराधिक रिकार्ड, 2018 में घोषित था भगोड़ा

पुलिस जांच में सामने आया कि परवीन कुमार का आपराधिक रिकार्ड रहा है। वर्ष 2018 में दर्ज लूटपाट के एक मामले में उसे अदालत द्वारा भगोड़ा अपराधी घोषित किया जा चुका है। सख्ती से पूछताछ के दौरान उसने अपने साथी हरीश कुमार उर्फ हैरी भूपाल का नाम उजागर किया। पुलिस ने जांच में जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर उसे सह आरोपित नामजद किया और होशियारपुर में छापेमारी कर नौ मई को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद हरीश कुमार की निशानदेही पर पुलिस ने उसके कब्जे से 9 एमएम कैलिबर की दो ग्लाक पिस्टल बरामद कीं। शुरुआती जांच में पता चला है कि हरीश एक अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी है और वह टीम इटली की ओर से विभिन्न अंतरराष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुका है। पूछताछ में हरीश ने बताया कि हथियारों की यह खेप उसे राजेश कुमार उर्फ बंटा ने भेजी थी, जो मूलरूप से होशियारपुर के गांव थाना का रहने वाला है और अभी इटली में रह रहा है। पुलिस ने जांच में मिले साक्ष्यों के आधार पर राजेश को भी इस मामले में नामजद कर लिया है।

फर्जी जीएसटी बिल मामले में गिरफ्तार पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा सात दिन के रिमांड पर

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम

करीब 100 करोड़ रुपये की मनी लांड्रिंग और फर्जी जीएसटी बिलिंग मामले में ईडी ने पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा को गिरफ्तार करने के बाद शनिवार देर रात गुरुग्राम पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश व जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र सूरा की अदालत में पेश किया। ईडी ने कहा कि पूछताछ के लिए आरोपित को रिमांड पर लेना आवश्यक है। इस पर अदालत ने सात दिन का रिमांड दे दिया। रिमांड अवधि समाप्त होने के बाद आरोपित को 16 मई को अदालत में पेश किया जाएगा। गुरुग्राम के जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पास ही पीएमएलए की विशेष न्यायाधीश का प्रभार है।

मामला फर्जी कंपनियों के जरिये मोबाइल खरीद-बिक्री के नाम पर करोड़ों रुपये के फर्जी जीएसटी बिल तैयार करने और मनी लांड्रिंग से जुड़ा है। जांच एजेंसी का दावा है कि अरोड़ा से जुड़ी कंपनियों ने दिल्ली की कथित फर्जी फर्मों के माध्यम से 100 करोड़ रुपये से अधिक के संदिग्ध लेन-देन किया। इसी सिलसिले में दिल्ली, चंडीगढ़ और गुरुग्राम समेत कई ठिकानों पर छापेमारी की गई।

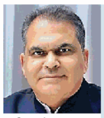

संजीव अरोड़ा

रिमांड अवधि समाप्त होने के बाद आरोपित को 16 को अदालत में किया जाएगा पेश

संजीव ने भाजपा में जाने के बजाय जेल जाना पसंद किया : केजरीवाल

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली: आप संयोजक अरविंद केजरीवाल तथा पार्टी के पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया समेत अन्य नेताओं ने कहा कि संजीव अरोड़ा ने भाजपा में जाने के बजाय जेल जाना पसंद किया। केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि किसी भी इंसान का चरित्र मुसीबत के समय पता चलता है। संजीव ने भाजपा में जाने के बजाय जेल जाना पसंद किया।

पंजाब में भाजपा कार्यालयों के बाहर आप का प्रदर्शन

राज्य ब्यूरो, जागरण, चंडीगढ़ : संजीव अरोड़ा की ईडी की ओर से गिरफ्तार के बाद आप ने रविवार को भाजपा की अगुआई वाली केंद्र सरकार के खिलाफ राज्यभर में विरोध प्रदर्शन किए। आप नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राज्यभर में भाजपा के जिला कार्यालयों व वरिष्ठ नेताओं के घरों का घेराव किया। इस दौरान आप नेताओं व कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि ईडी, सीबीआइ और इनकम टैक्स जैसी केंद्रीय एजेंसियों का भाजपा विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने और गैर-भाजपा सरकारों को अस्थिर करने के लिए उपयोग कर रही है। कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि जब भी भाजपा को हार का सामना करना पड़ता है, तो वह एजेंसियों को खुला छोड़ देती है। पटियाला में प्रदर्शन के दौरान कैबिनेट मंत्री डा. बलबीर सिंह ने कहा कि जब आप ने केंद्र के आगे झुकने से मना कर दिया, तो उन्होंने पहले पंजाब के रास सदस्यों पर दबाव डाला और बाद में कैबिनेट मंत्रियों को निशाना बनाया।

सुवेंदु अधिकारी के निजी सचिव के हत्यारों तक यूपीआइ भुगतान से पहुंचने की कोशिश

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के निजी सचिव चंद्रनाथ रथ की हत्या मामले में विशेष जांच दल को एक महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगा है। अपराधियों ने इस घटना में इस्तेमाल की गई कार से बाली ब्रिज पार करते समय टोल प्लाजा पर यूपीआइ के जरिए भुगतान किया था। अब पुलिस उसी डिजिटल ट्रेल के आधार पर आरोपितों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। यूपीआइ भुगतान के जरिए मिले डाटा से भी अतिरिक्त जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने बाली टोल प्लाजा के सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर उसकी जांच शुरू कर दी है। मालूम हो कि उत्तर 24 परगना जिले के माध्यमग्राम में गुरुवार रात बाइक और कार सवार बदमाशों ने चंद्रनाथ की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

▸ शूटरों को कार में चंद्रनाथ की सीट की पहले से थी जानकारी

चंद्रनाथ रथ। फाइल

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि वारदात में इस्तेमाल की गई कार झारखंड से बंगाल लाई गई थी। पुलिस ने कार को पहले ही जब्त कर लिया है। पुलिस ने मामले में तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। घटना के तीन दिन बाद भी हमलावर पुलिस की पकड़ से बाहर हैं।

इधर जांच में अब सबसे बड़ी चुनौती अपराधियों के भागने वाले रूट का सीसीटीवी फुटेज जुटाना बन गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोहारिया-माठपाड़ा इलाके से होकर जिस रास्ते से अपराधियों के फरार होने का अनुमान है, वहां लगे कई सीसीटीवी कैमरे लंबे समय से खराब पड़े हैं। जांच अधिकारियों का मानना है कि अपराधी अंधेरा होने का इंतजार कर रहे थे, ताकि तेज रफ्तार बाइक से भागते समय उनका चेहरा या बाइक का नंबर प्लेट कैमरे में साफ तौर पर कैद न हो सके।

बिहार में दो सूटकेस से मिला सिर कटा शव

जासं, कैमूर : बिहार में कैमूर जिला स्थित दुर्गावती नदी पुल के नीचे रविवार को दो अलग-अलग सूटकेस से सिर कटा शव बरामद किया गया। दोनों शवों के सिर गायब थे। आशंका जताई जा रही है कि हत्या के बाद शवों के अंग काटकर सूटकेस में पैक कर पुल के नीचे फेंक दिया गया। फिलहाल पुलिस शवों की पहचान में जुटी है। सूचना पर कैमूर एसपी हरिमोहन शुक्ला फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच की।

सुबह स्थानीय लोगों ने पुल के पास संदिग्ध हालत में पड़े दो सूटकेस देखे। उससे तेज दुर्गंध आने पर लोगों को अनहोनी की आशंका हुई, जिसके बाद रामगढ़ थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों सूटकेस खोला तो अंदर शव मिला। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एफएसएल जांच रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा।

बिहार ग्रामीण इलाकों को पक्की सड़कों से जोड़ने में पूरे देश में अव्वल

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना

▸ पीएमजीएसवाई के 25 वर्ष पूर्ण होने पर ग्रामीण कार्य विभाग राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में रविवार को मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में आयोजित भव्य राष्ट्रीय समारोह में बिहार के ग्रामीण कार्य विभाग ने ग्रामीण संपर्कता के क्षेत्र में अपनी ऐतिहासिक उपलब्धियों की ओर पूरे देश का ध्यान आकृष्ट किया है। ग्रामीण सड़कों के माध्यम से सुदूर गांवों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में ग्रामीण कार्य विभाग की प्रतिबद्धता को राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुआ है।

बड़े राज्यों की श्रेणी में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत सर्वाधिक ग्रामीण बसावटों को पक्की सड़कों से जोड़ने के मामले में बिहार ने पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

बिहार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत अब तक 31,287 ग्रामीण बसावटों को बारहमासी पक्की सड़कों से जोड़कर देशभर में सर्वोच्च स्थान हासिल किया है। इस राष्ट्रीय रैंकिंग में मध्य प्रदेश 17,493 बसावटों के साथ दूसरे स्थान पर तथा ओडिशा 16,990 बसावटों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। साथ-साथ बिहार ने केवल ग्रामीण सड़कों के निर्माण में, बल्कि उनके गुणवत्तापूर्ण रखरखाव में भी राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन दर्ज किया है।

बिहार में पकड़े गए प्रेमी युगल की सड़क पर कराई शादी, राहगीर बने बराती

जासं, गोपालगंज : बिहार में गोपालगंज जिले के भोरे थाना क्षेत्र में प्रेमी युगल को ग्रामीणों ने पकड़कर पहले बंधक बना लिया और बाद में बीच सड़क पर ही दोनों की शादी करा दी। इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। बताया जाता है कि एक युवक चोरी-छिपे युवती से नहर किनारे मिल रहा था। ग्रामीणों की नजर दोनों पर पड़ गई। ग्रामीणों ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। मौके पर काफी देर तक हंगामा होता रहा। सूचना मिलने पर दोनों पक्षों के स्वजन भी मौके पर पहुंचे। काफी देर तक समझाने और सामाजिक मर्यादा का हवाला देने के बावजूद प्रेमी युगल साथ रहने की जिद पर अड़े रहे। ग्रामीणों के अनुसार, दोनों ने साफ कहा कि वह एक-दूसरे के बिना नहीं रह सकते।

मां की प्रेरणा से प्रधान ने बदल दी गांव की तस्वीर

जागरण विशेष
यशस्वी प्रधान

गोंडा के संगवा में कंप्यूटर लैब, डिजिटल पुस्तकालय, ओपन जिम, आरओ प्लांट सहित कई सुविधाएं

वरुण यादव • जागरण

गोंडा: जिस स्कूल में मां प्रधानाध्यापक थी, वह बदहाली का शिकार था, ऐसे में आइटीआइ से तकनीकी शिक्षा लेने वाला बेटा जब प्रधान बना तो मां ने सबसे पहले स्कूल की व्यवस्था सुधारने का सुझाव दिया। मां से मिली प्रेरणा से उत्तर प्रदेश में गोंडा जिले के संगवा ग्राम पंचायत के प्रधान अवनीश प्रताप सिंह ने स्कूल ही नहीं, पूरे गांव की तस्वीर बदल दी। परिषदीय स्कूल के बच्चों के लिए कंप्यूटर लैब, डिजिटल पुस्तकालय और गांव वालों के लिए ओपन जिम, आरओ प्लांट, जनसेवा केंद्र के साथ अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराईं। ग्राम पंचायत को दो बार मुख्यमंत्री पंचायत पुरस्कार मिल चुका है। पंचायत प्रतिमाह 10 हजार रुपये कमा भी कर रही है।

प्राथमिक विद्यालय के डायनिंग शेड में भोजन करते विद्यार्थी • जागरण

इन सुविधाओं का भी मिल रहा लाभ

- मातृ एवं शिशु सेवा केंद्र
- आरोग्य मंदिर
- सोकपिट
- माडल आंगनबाड़ी भवन
- एमडीएम शेड
- सार्वजनिक शौचालय
- ग्रामीणों के बैठने के लिए बेंच
- सीसी रोड
- इंटरलाकिंग टाइल्स

"छपिया ब्लाक की ग्राम पंचायत संगवा माडल के रूप में विकसित हुई है। ग्राम पंचायत को दो बार मुख्यमंत्री पंचायत पुरस्कार मिल चुका है।"
– **लालजी दुबे,** जिला पंचायत राज अधिकारी

गोंडा जिला मुख्यालय से 55 किलोमीटर दूर छपिया ब्लाक की ग्राम पंचायत संगवा की आबादी करीब 3500 है। यहां करीब 2100 मतदाता प्रधान का चुनाव करते हैं। वर्ष 2021 के चुनाव में अवनीश प्रताप सिंह पहली बार प्रधान चुने गए। अवनीश के मुताबिक गांव के विकास की प्रेरणा मां गिरीश कुमारी सिंह से मिली। वह गांव के ही स्कूल में प्रधानाध्यापक पद से वर्ष 2008 में सेवानिवृत्त हुई हैं। मां का मानना था कि गांव के विकास के साथ ही सबसे पहले स्कूल को संवारा जाए। गांव के संदीप कुमार सिंह का कहना है कि पांच वर्ष में कितना बदलाव हुआ, ये शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। आम व्यक्ति के जीवन के लिए जरूरी प्रत्येक शहरी सुविधा आज हमारे गांव में भी उपलब्ध है। रामशंकर यादव कहते हैं कि आय, जाति, निवास प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए अब तहसील के चक्कर नहीं लगाने पड़ते हैं। गांव के जनसेवा केंद्र पर सभी सुविधाएं मिल जाती हैं। सुनीता देवी का कहना है कि बैंक से पैसा निकालना हो या बच्चों की जूनियर हाईस्कूल तक अच्छी शिक्षा, अब कहीं बाहर जाने की जरूरत नहीं है। ये सुविधाएं अब हमारे गांव में ही उपलब्ध हैं।

मांगलिक कार्यक्रम में 100 रुपये में जनरेटर की सुविधा: ग्राम पंचायत को वित्तीय वर्ष 2023-24 व 2024-25 में मुख्यमंत्री पंचायत पुरस्कार योजना के तहत 45 लाख रुपये की धनराशि मिली। इससे गांव में प्रकाश व्यवस्था के लिए चार जनरेटर खरीदे गए। गांव का कोई भी व्यक्ति 100 रुपये देकर जनरेटर किराये पर ले जा सकता है। शुद्ध पानी के लिए आरओ प्लांट लगाया गया। ग्राम पंचायत 10 रुपये में 20 लीटर पानी घर-घर आपूर्ति करेगी। गांव में अभी पाइपलाइन परियोजना निर्माणाधीन है।

स्वरोजगार से जुड़ीं 200 महिलाएं: राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गांव में 20 स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया है। समूह से करीब 200 महिलाएं जुड़ी हैं। रिवाल्विंग फंड व सीआइएफ से करीब डेढ़ लाख रुपये प्रत्येक समूह को उपलब्ध कराए गए। समूह से मिली आर्थिक मदद से कोई बकरी पालन कर रहा है तो कोई परचून की दुकान का संचालन। इससे समाज में आर्थिक समृद्धि आई है।

तकनीकी कौशल को सरोकार से जोड़ा

अवनीश प्रताप सिंह, प्रधान, संगवा

अवनीश प्रताप सिंह ने बस्ती जिले से फिटर ट्रेड से आइटीआइ की। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने महानगरों की ओर रुख करने के बजाय अपने हुनर का उपयोग अपनी मिट्टी के लिए करने का संकल्प लिया। उन्होंने देखा कि ग्रामीण विकास के लिए बड़ी डिग्री से कहीं ज्यादा व्यावहारिक ज्ञान और समर्पण की आवश्यकता है। अपनी पढ़ाई के दौरान सीखी गई बारीकियों का उपयोग उन्होंने गांव के इंफ्रास्ट्रक्चर, बिजली व्यवस्था और जल प्रबंधन को आधुनिक बनाने में किया। उन्होंने अपने तकनीकी कौशल को सामाजिक सरोकार से जोड़ दिया, जिससे वे पूरी तरह ग्रामीण विकास की ओर उन्मुख हो गए।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

रेलवे ट्रैक पर कुर्सी डालकर बैठा युवक, सात मिनट तक रुकी रही ट्रेन

जागरण संवाददाता, बांका

बिहार के बांका जिले में मंदार हिल रेलवे स्टेशन के पास रविवार की सुबह एक युवक रेलवे ट्रैक के बीचों-बीच कुर्सी लगाकर बैठ गया। स्टेशन प्रबंधक राजेश कुमार ने बताया कि ट्रेन अपने निर्धारित समय से करीब 23 मिनट पहले पहुंच गई थी। युवक के ट्रैक पर बैठने से ट्रेन लगभग सात मिनट तक रुकी रही। कार्रवाई के दौरान युवक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। बताया गया कि रेलवे क्रासिंग संख्या 33-सी पर तैनात प्वाइंट्समैन ने ट्रेन आने से पहले फाटक बंद किया था। इसी दौरान वंशीपुर निवासी युवक ट्रैक पर पहुंच गया और पटरी के बीच कुर्सी डालकर बैठ गया। स्थिति को देखते हुए ट्रेन को स्टेशन पर ही रोक दिया गया। रेलवे कर्मियों और स्थानीय लोगों ने युवक को हटाने का प्रयास किया, लेकिन वह हटने के बजाय हंगामा करने लगा।

रेलवे क्रासिंग के बीच कुर्सी लगाकर बैठा युवक। जागरण

मोकामा में फाटक बंद कर सो गया गेटमैन, निलंबित

जासं, मोकामा : पटना में दानापुर रेलमंडल के मोकामा रेलवे स्टेशन पर फाटक को बंद कर सो जाने वाले गेटमैन को निलंबित कर दिया गया है। घटना रविवार सुबह हुई। गेटमैन शिव कुमार फाटक कक्ष में ही ड्यूटी के दौरान सो गया। इस लापरवाही के कारण झाझा-पटना मेमू ट्रेन और पटना से हावड़ा जा रही जन शताब्दी एक्सप्रेस का परिचालन कुछ समय के लिए ठप हो गया। फाटक बंद रहने से सड़क मार्ग का आवागमन भी प्रभावित हुआ।

शीर्ष-10 में से चार कंपनियों की पूंजी एक लाख करोड़ घटी

नई दिल्ली: बीते सप्ताह बीएसई में सूचीबद्ध शीर्ष-10 में से चार कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में संयुक्त रूप से एक लाख करोड़ रुपये की कमी आई है। इस दौरान एसबीआइ के पूंजीकरण में सबसे ज्यादा 44,722.34 करोड़ रुपये घटा है। इसके अलावा, भारती एयरटेल, टीसीएस और लार्सन एंड टूब्रो का पूंजीकरण भी घटा है। दूसरी ओर, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एलआइसी और आइसीआइसीआइ बैंक का पूंजीकरण संयुक्त रूप से 46.685 करोड़ रुपये बढ़ा है। (प्रेट्र)

भू-राजनीतिक तनाव के कारण पश्चिम एशिया को निर्यात पर असर पड़ा है। हमारे कुल एल्युमिनियम निर्यात में इस क्षेत्र की 40-50 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

– **बृजेंद्र प्रताप सिंह, सीएमडी, नालको**

महंगा हो सकता है रोजमर्रा के इस्तेमाल का सामान

बढ़ती लागत से मुनाफे पर पड़ रहे दबाव को कम करने के लिए दाम बढ़ाने की तैयारी कर रहीं एफएमसीजी कंपनियां

- **वैश्विक सप्लाई चेन हुई प्रभावित, कच्चा माल, लाजिस्टिक्स और पैकेजिंग लागत बढ़ी**
- **लागत में कमी के लिए छूट और प्रचार खर्चों में भी कटौती कर रही हैं कंपनियां**

नई दिल्ली, प्रेट्र: कच्चे तेल से जुड़ी महंगाई, पैकेजिंग सामग्री और ईंधन लागत में बढ़ोतरी के बीच साबुन, डिटर्जेंट, बिस्किट, पैकेट बंद खाद्य पदार्थ और पेय उत्पादों की कीमतें बढ़ सकती हैं। रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियां बढ़ती लागत से मुनाफे पर पड़ रहे दबाव को कम करने के लिए चरणबद्ध तरीके से दाम बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं।

एफएमसीजी कंपनियों ने हालिया तिमाही नतीजों के दौरान इस बात का संकेत दिया था कि वे पहले ही तीन से पांच प्रतिशत तक कीमतें बढ़ा चुकी हैं और लागत का दबाव जारी रहने पर आगे भी मूल्य वृद्धि की जा सकती है। कंपनियों का कहना है कि पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव से वैश्विक सप्लाई चेन प्रभावित हुई है, जिससे कच्चे माल, लाजिस्टिक्स और पैकेजिंग लागत बढ़ी है। रुपये में कमजोरी ने भी दबाव बढ़ाया है। इसका असर खाद्य उत्पादों, व्यक्तिगत देखभाल, पेय पदार्थ और घरेलू उपयोग के सामान सहित कई क्षेत्रों पर दिखाई दे रहा है। कंपनियां मुनाफा बनाए रखने के लिए कीमतें बढ़ाने के साथ पैकेट बंद उत्पादों में मात्रा कम करने की रणनीति भी अपना रही हैं। हालांकि पांच, 10 और 15 रुपये वाले छोटे पैक बाजार में बनाए रखने की कोशिश की जा रही है ताकि बिक्री पर असर कम पड़े। कंपनियां लागत कम करने के लिए छूट और प्रचार खर्चों में कटौती, भंडार प्रबंधन को मजबूत करने और सप्लाई चेन को अधिक कुशल बनाने जैसे कदम उठा रही हैं। इसके बावजूद उपभोक्ताओं पर बढ़ती लागत का कुछ बोझ पड़ने की संभावना है।

उत्पाद का मूल्य बढ़ाने और पैकेट का वजन घटाने पर कर रहे विचार : ब्रिटानिया

ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज ने भी संकेत दिया है कि ईंधन और पैकेजिंग लागत में करीब 20 प्रतिशत वृद्धि के कारण जल्द ही कीमतें बढ़ाई जा सकती हैं। ब्रिटानिया के एमडी और सीईओ रक्षित हरगेव ने कहा कि कंपनी सीधे दाम बढ़ाने और पैक के वजन में कमी, दोनों विकल्पों पर विचार कर रही है। ब्रिटानिया के पास गुड डे, मेरी गोल्ड, मिल्क बिकीज और टाइगर जैसे ब्रांड हैं।

हमारे ऊपर महंगाई का आठ से 10 प्रतिशत का बोझ पड़ा : हिंदुस्तान यूनिलीवर

हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड ने भी संकेत दिए हैं कि यदि जिंसों की कीमतों में दबाव बना रहा तो कंपनी आगे और कीमतें बढ़ा सकती है। एचयूएल के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) निरंजन गुप्ता ने कहा, 'अभी तक हमारे ऊपर महंगाई का आठ से 10 प्रतिशत का बोझ पड़ा है। हमने पोर्टफोलियो दर पोर्टफोलियो आधार पर कीमतों में दो से पांच प्रतिशत तक की वृद्धि की है।

हमने महंगाई के असर को थोड़ा कम करने के लिए बिजनेस के अलग-अलग हिस्सों में पहले ही चार प्रतिशत कीमत बढ़ा दी है। इसके अलावा, कम कीमत वाले पैकेट का वजन घटाने पर भी विचार किया जा रहा है।

–**मोहित मल्होत्रा**, सीईओ, डाबर इंडिया ग्लोबल

फेविकोल निर्माता पिडिलाइट ने भी दिए दाम बढ़ाने के संकेत

नई दिल्ली, प्रेट्र : एड्हेसिव और कंस्ट्रक्शन केमिकल्स बनाने वाली कंपनी पिडिलाइट इंडस्ट्रीज कच्चे माल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी को देखते हुए एक और बार कीमतें बढ़ाने पर विचार कर रही है। कंपनी के पास फेविकोल, डा. फिक्सिट, फेविक्विक और एम-सील जैसे लोकप्रिय ब्रांड हैं। कंपनी ने अप्रैल में कीमतों में बढ़ोतरी का एलान किया था और उसके बाद मई में दूसरी बार कीमतें बढ़ाई गई थीं। कंपनी के प्रबंध निदेशक सुधांशु वत्स ने बताया कि कंपनी को जिस तरह के कच्चे माल की जरूरत होती है, वह काफी हद तक कच्चे तेल से जुड़े हैं। उन्होंने आगाह किया है कि लंबे समय तक चलने वाला भू-राजनीतिक संघर्ष और लगातार बढ़ती महंगाई आखिरकार उपभोक्ता मांग पर असर डालेगी।

एफपीआइ ने मई माह में अब तक शेयरों से 14,231 करोड़ निकाले

नई दिल्ली, प्रेट्र: विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) की भारतीय शेयरों की बिकवाली जारी है और मई में अब तक 14,231 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक व्यापक आर्थिक अनिश्चितताओं के चलते एफपीआइ भारतीय शेयरों से निकासी कर रहे हैं।

नेशनल सिक्योरिटीज डिपाजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, इस ताजा बिकवाली के साथ कैलेंडर वर्ष 2026 में एफपीआइ की कुल निकासी दो लाख करोड़ रुपये को पार कर गई है, जो 2025 में निकाले गए 1.66 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। फरवरी को छोड़कर एफपीआइ इस वर्ष सभी महीनों में शुद्ध विक्रेता रहे हैं।

इस वर्ष जनवरी में एफपीआइ ने 35,962 करोड़ रुपये निकाले। इसके बाद फरवरी में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया, जो 17 महीनों में सबसे अधिक मासिक प्रवाह था।

ताजा बिकवाली के साथ कैलेंडर वर्ष 2026 में विदेशी निवेशकों की कुल निकासी दो लाख करोड़ रुपये के पार पहुंची

हालांकि, मार्च में यह प्रवृत्ति पलट गई, जब विदेशी निवेशकों ने रिकार्ड 1.17 लाख करोड़ रुपये निकाले। अप्रैल में 60,847 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी के साथ यह बिक्री जारी रही और मई में अब तक 14,231 करोड़ रुपये की निकासी हुई है।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि समग्र बिक्री के बावजूद, एफपीआइ ने पावर, निर्माण और पूंजीगत वस्तुओं जैसे क्षेत्रों में चयनात्मक रूप से निवेश किया है। एफपीआइ अब मिड-कैप और कुछ चुनिंदा स्मालकैप स्टाक्स को ज्यादा पसंद कर रहे हैं जिनमें वृद्धि की अच्छी संभावना है।

पश्चिम एशिया संकट से घटेगी आर्थिकी

- **एशियाई विकास बैंक ने कहा- 0.6 प्रतिशत घटकर 6.3 प्रतिशत रह जाएगी भारत की वृद्धि दर**
- **बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री बोले- महंगाई 2.4 प्रतिशत बढ़कर 6.9 प्रतिशत हो जाएगी**

नई दिल्ली, प्रेट्र: एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के मुख्य अर्थशास्त्री अल्बर्ट पार्क ने कहा है कि पश्चिम एशिया संकट के चलते चालू वित्त वर्ष में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर में 0.6 प्रतिशत की कमी आएगी और यह 6.3 प्रतिशत रह जाएगी। उन्होंने कहा कि इस साल महंगाई 2.4 प्रतिशत बढ़कर 6.9 प्रतिशत हो जाएगी। एडीबी ने अप्रैल में अनुमान लगाया था कि मजबूत घरेलू मांग की वजह से चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत के स्तर पर मजबूत बनी रहेगी। अगले वित्त वर्ष में यह बढ़कर 7.3 प्रतिशत हो जाएगी। महंगाई के मामले में, एडीबी ने मौजूदा वित्त वर्ष में इसके 4.5 प्रतिशत पर रहने का अनुमान लगाया था।

एक साक्षात्कार में पार्क ने यह भी आशंका जताई कि पश्चिम एशिया संकट के लंबा खिंचने की स्थिति में कच्चे तेल के दाम फिलहाल ऊंचे स्तर पर बने रहेंगे। उन्होंने कहा, 'कच्चे तेल की कीमतें ऊंची रहने की आशंका के बीच हमारा अनुमान है कि नए परिदृश्य में यह 2026 में औसतन 96 डालर प्रति बैरल के स्तर पर रहेगा। 027 में यह 80 डालर प्रति बैरल के स्तर पर रहेगा।' एडीबी ने 29 अप्रैल को अपनी विशेष रिपोर्ट में 2026 के लिए एशिया प्रशांत के लिए वृद्धि दर के अनुमान को 5.1 प्रतिशत से घटाकर 4.7 प्रतिशत कर दिया है।

भारत में फसल खराब होने का दूसरे देशों पर पड़ेगा असर

खाद्य उत्पादन पर अल नीनो के असर पर पार्क ने कहा, 'बेशक, यह बहुत अनिश्चित है। जाहिर है जब भी भारत में फसल खराब होती है, तो हमें ज्यादा कीमतों का सामना करना पड़ता है। चावल के वैश्विक व्यापार में भारत का एक बड़ा हिस्सा है। इसलिए भारत में जो कुछ भी होता है, उसका अक्सर दूसरे देशों पर भी बड़ा असर पड़ता है।' उन्होंने आगे कहा कि बढ़ती उर्वरक कीमतों के अलावा यह भी चिंता का एक कारण है। उन्होंने कहा कि उर्वरक की कीमत बढ़ने से किसान कम खाद का इस्तेमाल करेंगे, जिससे पैदावार भी कम होगी और साल के आखिर में इसकी उपलब्धता भी कम होगी।

एफटीए के बेहतर उपयोग को लेकर योजना बना रहा केंद्र

नई दिल्ली, प्रेट्र: विकसित देशों के साथ कई मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर के बाद सरकार इनका अधिकतम लाभ उठाने के लिए 'एफटीए इस्तेमाल योजना' पर काम कर रही है। 2021 से अब तक भारत ने मारीशस, आस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ओमान, न्यूजीलैंड, यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए), यूरोपीय संघ (ईयू), ब्रिटेन और अमेरिका के साथ एफटीए को अंतिम रूप दिया है। ये एफटीए 38 देशों के साथ किए गए हैं।

एक अधिकारी ने बताया, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने उद्योग संगठनों, कारोबारियों और निर्यात संवर्धन परिषदों के साथ कई बैठकें कर एफटीए के बेहतर उपयोग पर चर्चा की है। उन्होंने उद्योग जगत से इन समझौतों का लाभ उठाकर निर्यात और घरेलू मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ाने का आह्वान किया है।

दान पर टैक्स छूट के लिए 31 तक अपलोड करें विवरण

- **किसी संस्थान को दो हजार रुपये तक ही नकद राशि दी जा सकती है दान स्वरूप**
- **इससे अधिक राशि बैंक ट्रांसफर या डिजिटल माध्यम से ही देनी होगी**

जागरण संवाददाता, कानपुर : अगर आपने बीते वित्त वर्ष 2025-26 में किसी चैरिटेबल संस्थान को दान दिया है और आयकर की पुरानी व्यवस्था के तहत छूट का लाभ लेना चाहते हैं तो 31 मई 2026 तक दान दी गई रकम का पूरा विवरण विभागीय पोर्टल पर अपलोड कर दें। इसका कारण यह है कि आयकर की नई व्यवस्था के तहत अब दान की रसीद मात्र से आयकर में छूट नहीं मिलेगी।

आयकर कानून की धारा-80जी (5) के तहत, दान प्राप्तकर्ता संस्थान को फार्म-10बीडी में दानदाता का नाम, पता, पैन व दान की राशि का विवरण पोर्टल पर दर्ज करना होगा। इसके बाद पोर्टल से जो फार्म-10बीई जारी किया जाएगा। उसी के आधार पर दानदाता को कटौती की छूट दी जाएगी। कर मामलों के जानकार अधिवक्ता संतोष कुमार गुप्ता ने बताया कि नकद दान की सीमा व नियम भी निर्धारित हैं। इसके तहत किसी भी संस्थान को 2,000 रुपये तक ही नकद दान दिया जा सकता है। इससे ज्यादा की राशि बैंक ट्रांसफर या अन्य डिजिटल माध्यमों से देने पर ही टैक्स छूट मान्य होगी। सामान्यतः दान की 50 प्रतिशत राशि ही कटौती के रूप में मान्य होती है, जो सकल (सभी स्रोतों से प्राप्त) आय के 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। केवल सरकार द्वारा अधिसूचित संस्थानों को दिए दान पर ही 100 प्रतिशत छूट मिलती है। उन्होंने बताया कि चैरिटेबल संस्थानों को फार्म-10बीडी दाखिल करते समय डिजिटल हस्ताक्षर या इलेक्ट्रानिक मोड से सत्यापन करना होगा। यह नियम वित्त वर्ष 2025-26 (कर निर्धारण वर्ष 2026-27) के लिए पूरी तरह प्रभावी है।

टीसीएस रिटर्न 15 मई तक कर दें दाखिल

आयकर विभाग के नियमों के अंतर्गत वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2026) का टीसीएस (टैक्स कलेक्टेड एट सोर्स) रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 15 मई निर्धारित की गई है। इसमें देरी पर 200 रुपये प्रतिदिन जुर्माना देना पड़ेगा। हालांकि, यह विलंब शुल्क वसूले जाने वाले टीसीएस की कुल राशि से अधिक नहीं हो सकता। रिटर्न दाखिल होने के बाद संबंधित व्यक्ति या फर्म को आयकर विभाग के पोर्टल से टीसीएस प्रमाणपत्र भी आनलाइन जारी होगा। कर विशेषज्ञों के अनुसार, आयकर कानून के दायरे में आने वाले करदाता जिनकी लेखा पुस्तकों (बही-खाते) का धारा 44 एबी के तहत आडिट कराया जाता है, उन पर ही धारा 206 सी के तहत निर्धारित वस्तुओं की बिक्री पर क्रेता से टीसीएस वसूलने की जिम्मेदारी होती है। इस वसूले गए कर का विवरण फार्म 27ईक्यू के माध्यम से विभाग को दिया जाना आवश्यक है।

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

अंतरराष्ट्रीय

ईरान ने अमेरिका को भेजा जवाब, पर खाड़ी में तनाव बरकरार

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

- **यूएई-कुवैत का हमले विफल करने का दावा, ड्रोन हमले में जहाज पर लगी आग, होर्मुज से दो जहाज भी निकले**
- **ट्रंप ने यूरेनियम भंडार पर निगरानी की चेतावनी दी, आइआरजीसी बोला- हमला हुआ तो जवाब बेहद कड़ा होगा**

पश्चिम एशिया में दो माह से अधिक समय से जारी युद्ध को समाप्त करने की दिशा में कूटनीतिक हलचल तेज हो गई है। ईरान ने अमेरिका के 14 सूत्रीय शांति प्रस्ताव पर अपना जवाब पाकिस्तान के माध्यम से भेज दिया है। एक दिन पूर्व ही उम्मीद जताई गई थी कि अमेरिका व ईरान के बीच इस हफ्ते पाक में शांति वार्ता हो सकती है। हालांकि खाड़ी क्षेत्र में तनाव लगातार बना हुआ है।

ईरानी समाचार एजेंसी आइआरएनए के मुताबिक, तेहरान के जवाबी प्रस्ताव में प्राथमिकता क्षेत्र में सैन्य कार्रवाइयां रोकने व तनाव कम करने को दी गई है। आइआरआइबी के अनुसार, ईरान के जवाब में लेबनान समेत सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करने की शर्त रखी गई है। सूत्रों के अनुसार, दोनों पक्ष फिलहाल अस्थायी समझौते पर काम कर रहे हैं, ताकि होर्मुज स्ट्रेट में यातायात सामान्य रखा जा सके। इसके बाद परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम जैसे मुद्दों पर वार्ता आगे बढ़ेगी। हालांकि, ईरान के जवाबी प्रस्ताव का खुलासा नहीं किया गया है। इस बीच, कतर, सऊदी अरब, तुर्किए, चीन सहित कई देश राजनयिक प्रयासों के तहत ईरानी अफसरों और विदेश मंत्री अब्बास अराघची के संपर्क में बताए जा रहे हैं।

एपी के अनुसार, यूएई ने रविवार को दावा किया कि उसने ईरान से जुड़े दो ड्रोन हमलों को विफल किया। कुवैत ने भी कहा, उसकी हवाई सीमा में कई ड्रोन घुसे, जिन्हें इंटरसेप्ट कर लिया गया। हालांकि, ईरान ने इन आरोपों से इन्कार किया है। कतर के तट से करीब 43 किमी दूर खड़े एक जहाज में ड्रोन हमले के बाद आग लग गई, हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ। कतर का दावा है कि ये जहाज अबू धाबी से आ रहा था। एएनआइ के अनुसार, तनाव के बीच राहत की खबर यह रही कि पनामा और कतर के झंडे वाले दो मालवाहक जहाज ईरान द्वारा तय समुद्री मार्ग से सुरक्षित होर्मुज पार कर गए। इनमें कतर एनर्जी का एलएनजी जहाज 'अल खारैतियात' पाकिस्तान के पोर्ट कासिम के लिए रवाना हुआ, जबकि 'एमडीएल तूफान' ब्राजील की ओर बढ़ा। खाड़ी युद्ध शुरू होने के बाद से कतर के एलएनजी लदे पहले जहाज ने होर्मुज पार किया है।

आइएएनएस के अनुसार, आइआरजीसी ने चेतावनी दी कि ईरानी तेल टैंकरों या व्यापारिक जहाजों पर हमला हुआ तो अमेरिकी सैन्य अड्डों व युद्धपोतों को निशाना बनाया जाएगा। आइआरजीसी की एयरोस्पेस डिवीजन ने भी एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि उसके मिसाइल व ड्रोन क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य अड्डों व युद्धपोतों पर नजर बनाए हुए हैं। कहा 'हम केवल कार्रवाई के आदेश का इंतजार कर रहे हैं।'' न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, ईरान के भूमिगत यूरेनियम भंडार पर हमारी नजर है। ''यदि कोई उस जगह के करीब पहुंचा तो हम उसे उड़ा देंगे।''

हम दुश्मन के सामने कभी सिर नहीं झुकाएंगे। यदि संवाद या बातचीत की पहल होती है तो इसका अर्थ समर्पण या पीछे हटना नहीं है।

– **मसूद पेजेशकियान, ईरान के राष्ट्रपति**

खार्ग द्वीप से तेल लीकेज की खबर गलत : ईरान

रायटर के अनुसार, ईरान ने खार्ग द्वीप में तेल रिसाव की खबरों का खंडन किया है। ईरान की आयल टर्मिनल्स कंपनी ने तेल लीक की खबरों को बेबुनियाद बताया है। दरअसल, उपग्रह से जारी तस्वीरों में खाड़ी में देश के मुख्य तेल निर्यात हब के पश्चिम में एक चिकनी परत दिखी थी, जिस आधार पर रिसाव का दावा किया गया था। कंपनी अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्रीय सामुद्रिक प्रदूषण निकाय, मरीन इमरजेंसी म्युचुअल एड सेंटर (एमईएमएसी) ने भी रिपोर्ट दी है कि किसी तरह के तेल रिसाव के संकेत नहीं मिले हैं। ईरानी अधिकारियों ने भी क्षेत्र का निरीक्षण किया और प्रयोगशाला में परीक्षण के आधार पर इन खबरों का खंडन किया है।

लेविट बनीं मां, ईरान ने दी बधाई, मिनाब हमले की भी दिलाई याद

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट को बेटी के जन्म पर ईरान ने बधाई दी है। साथ ही फरवरी में ईरान के मिनाब शहर में हुए स्कूल हमले का मुद्दा उठाकर अमेरिका की आलोचना भी की। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 28 वर्षीय लेविट ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपनी नवजात बेटी विवियाना की तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि एक मई को उनके परिवार में बेटी के आने से घर खुशियों से भर गया है। बच्ची पूरी तरह स्वस्थ है और परिवार उसके साथ हर पल का आनंद ले रहा है। जवाब में अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस पर आर्मेनिया स्थित ईरानी दूतावास ने एक्स पर लिखा, बच्चों की मासूमियत हर जगह एक जैसी होती है। मिनाब के जिस स्कूल पर फरवरी में हमला हुआ था, वहां मारे गए 168 बच्चे भी उतने ही मासूम थे। लेविट जब अपनी बच्ची को दुलारें तो उन बच्चों की माताओं को भी याद करें।

इजरायल ने ईरान पर हमले के लिए इराक में बनाया सैन्य अड्डा!

तेल अवीव, एएनआइ : इजरायल ने ईरान पर हमले के लिए इराक के रेगिस्तानी इलाके में गुप्त सैन्य अड्डा स्थापित किया है, यहां से उसे ईरान पर हमले में काफी मदद मिलती है। यह रहस्योद्घाटन अमेरिकी अखबार वाल स्ट्रीट जर्नल ने एक्सक्लूसिव रिपोर्ट में किया है। पता चला है कि इजरायल ने इस अड्डे से इराक के ईरान समर्थक उन सशस्त्र संगठनों पर भी हवाई हमले किए जिन्होंने तलाश करते हुए ठिकाने के नजदीक आने की कोशिश की। रिपोर्ट के अनुसार इराक के निर्जन रेगिस्तानी इलाके में बनाए गए इस अड्डे में इजरायल के स्पेशल फोर्स के जवान तैनात हैं और वहां पर हवाई हमले को अंजाम देने के लिए सारे इंतजाम हैं। यह अड्डा मार्च में ईरान पर इजरायल और अमेरिका के हमले से ठीक पहले स्थापित किया गया। इजरायल ने ईरान से लंबी लड़ाई की तैयारी के तहत उसके नजदीक यह अड्डा तैयार किया है।

पाक में पुलिस चौकी पर हमला, 15 सुरक्षाकर्मी मारे गए

- **खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में घात लगाकर किया गया हमला**
- **विस्फोटकों से भरी गाड़ी पर सुरक्षाकर्मियों ने की गोलीबारी**

पाकिस्तान के खबर पख्तूनख्वा प्रांत में पुलिस चौकी पर आत्मघाती हमले के बाद रविवार को जुटी भीड़ के बीच मलबा हटाता एक्सकेवेटर। रायटर

पेशावर, प्रेट्र: पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक पुलिस चौकी पर हुए आत्मघाती हमले में 15 सुरक्षाकर्मी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। यह घटना बन्नू में शनिवार देर रात हुई, जहां विस्फोटक से भरी एक गाड़ी पुलिस चौकी की ओर आ रही थी, तभी सुरक्षाकर्मियों ने उस पर गोलीबारी की, जिसके बाद उसमें विस्फोट हो गया। विस्फोट के प्रभाव से आसपास के कई घरों की छतें गिर गईं। पुलिस चौकी की इमारत भी ध्वस्त हो गई और कई सुरक्षाकर्मी मलबे के नीचे दब गए।

विस्फोट के बाद समूह ने पुलिस चौकी पर हमला कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप भारी गोलीबारी हुई। बन्नू पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि हमले में 15 सुरक्षाकर्मी मारे गए और कई घायल हो गए। इस घटना में मारे गए हमलावरों की संख्या और उनमें से किसी की गिरफ्तारी के बारे में अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है।

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री मोहम्मद सोहेल आफरीदी ने हमले की निंदा करते हुए दुख व्यक्त किया। उनके कार्यालय ने बताया कि मुख्यमंत्री ने अफसरों को घायलों के लिए सर्वोत्तम चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। आफरीदी ने चौकी पर हुए हमले को "अत्यंत दुखद व कायरतापूर्ण कृत्य" बताया और कहा, ऐसे हमले पुलिस और जनता के मनोबल को कमजोर नहीं कर सकते।

पाक मंत्री ने खुद को मुनीर का 'मामूली कार्यकर्ता' बताया, बयान पर विवाद शुरू

लाहौर, प्रेट्र : पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्री अली परवेज मलिक के एक बयान ने देश में नया विवाद खड़ा कर दिया है। एक प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान उन्होंने खुद को पीएम शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की टीम का "मामूली कार्यकर्ता" बताया। पेट्रोलियम कीमतों में कमी का आश्वासन देते हुए दिए गए इस बयान पर इंटरनेट मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया हुई है। आलोचकों का तर्क है कि एक मंत्री द्वारा खुद को सैन्य प्रमुख का कार्यकर्ता बताना पाकिस्तान की राजनीति में सेना के बढ़ते प्रभाव और 'हाइब्रिड सिस्टम' की कड़वी सच्चाई दर्शाता है।

इंटरनेट मीडिया यूजर्स और पत्रकारों ने इसे लोकतंत्र का अपमान बताया है। कहा, मंत्री जनता के प्रतिनिधि होने के बजाय 'वफादार नौकरों' की तरह व्यवहार कर रहे हैं। विपक्ष और जनता ने पीएमएल-एन पर सेना को खुश करने के लिए राजनीति के स्तर को गिराने का आरोप लगाया है।

अमेरिकी कंपनी के मालिक ने 540 कर्मियों को रातोंरात बनाया करोड़पति

नई दिल्ली, जागरण न्यूज नेटवर्क

- **1.7 अरब डालर में बेची कंपनी, 24 करोड़ कर्मियों में बांटने की घोषणा**
- **जिस दिन इसकी घोषणा की गई कर्मचारियों को नहीं हो रहा था विश्वास**

अमेरिका निवासी एक शख्स ने अपनी कंपनी में काम करने वाले 540 कर्मियों को रातोंरात करोड़पति बना दिया। दरअसल, शख्स ने अपनी कंपनी को 1.7 अरब डालर में बेच दिया और 540 कर्मियों को उसमें से 24 करोड़ डालर बांट दिए। प्रत्येक कर्मी को औसतन 443,000 अमेरिकी डालर (करीब 41830496 रुपये) मिलेंगे।

वाल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार, फाइबरबांड कार्प के पूर्व सीईओ ग्राहम वाकर ने अपनी कंपनी को गत वर्ष 1.7 बिलियन डालर में बेच दिया था। समझौते पर हस्ताक्षर से पहले उन्होंने शर्त रखी कि बिक्री से प्राप्त राशि का 15 प्रतिशत उनके कर्मियों को जाएगा। जब इसकी घोषणा की गई तो कई कर्मचारी भावुक और स्तब्ध रह गए।

पूरी राशि पाने के लिए कंपनी से जुड़े रहना जरूरी : जून से शुरू होने वाले भुगतान में एक रिटेंशन एग्रीमेंट है, जिसका अर्थ है कि कर्मियों को पूरी राशि प्राप्त करने के लिए कंपनी के साथ पांच वर्षों तक काम जारी रखना होगा। हालांकि, 65 वर्ष से अधिक आयु के कर्मियों को इस शर्त से छूट दी गई है।

परिवार ने सबसे बुरे दौर में भी कर्मियों को वेतन देना जारी रखा था: फाइबरबांड की शुरुआत 1982 में वाकर के पिता क्लाउड ने टेलीफोन व बिजली के उपकरणों के लिए संरचनाएं बनाने के लिए की थी। 1998 में फैक्ट्री जलकर राख हो गई। इसके तुरंत बाद डाट-काम क्रैश ने मांग को बुरी तरह प्रभावित किया, जिससे कर्मियों की संख्या 900 से 320 रह गई। कर्मचारियों ने वाशिंगटन जर्नल को बताया कि वाकर परिवार ने सबसे बुरे दौर में भी कर्मचारियों को वेतन देना जारी रखा।

भारत ने त्रिनिदाद और टोबैगो के साथ आठ एमओयू पर हस्ताक्षर किए

पोर्ट आफ स्पेन, प्रेट्र: विदेश मंत्री एस जयशंकर की दो दिनी कैरेबियन यात्रा के दौरान भारत और त्रिनिदाद एवं टोबैगो ने पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा, अवसंरचना और आयुर्वेद सहित विभिन्न क्षेत्रों में आठ समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा, जयशंकर ने 8-9 मई को कैरेबियन देश की यात्रा की, जहां उन्होंने पीएम कमला प्रसाद बिसेसर व अन्य नेताओं संग द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। साथ ही गत वर्ष पीएम मोदी की त्रिनिदाद व टोबैगो यात्रा के दौरान की घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा की।

बिसेसर की उपस्थिति में, जयशंकर ने चयनित स्कूली बच्चों को 2,000 लैपटाप का पहला बैच सौंपा। कृषि-प्रसंस्करण सुविधा का उद्घाटन भी किया, जिसके लिए भारत ने गत वर्ष 10 लाख अमेरिकी डालर की मशीनरी मुहैया कराई थी। बिसेसर व जयशंकर ने पेनाल में त्रिनिदाद और टोबैगो के राष्ट्रीय कृत्रिम अंग केंद्र का उद्घाटन किया।

हंटावायरस से प्रभावित क्रूज से यात्रियों को निकालकर भेजा जा रहा उनके देश

टेनेरिफ, रायटर: हंटावायरस से प्रभावित क्रूज (जहाज) से रविवार को उतरे यात्रियों व चालक दल के सदस्यों के को उनके देश वापस भेजा जा रहा है। यह प्रक्रिया वैश्विक स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अफसरों की देखरेख में चल रही है और सोमवार तक जारी रहने की उम्मीद है। अफसरों ने बताया कि किसी भी यात्री में वायरस के लक्षण नहीं थे। उन्हें सैन्य बसों में टेनेरिफ हवाई अड्डे ले जाया गया, जहां से उनके देश द्वारा भेजे गए विमानों से द्वीप से भेजा जाएगा। यात्रियों को 42 दिन क्वारंटाइन रहने को कहा गया। क्रूज के चालक दल के 30 सदस्य व एक यात्री का शव जहाज पर ही रहेगा। स्पेन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने जहाज की उचित जांच पूरी होने की रिपोर्ट में कहा, "अर्जेंटीना व चिली से, जो इस वायरस के घर है, हर साल 500 से अधिक क्रूज जहाज आते हैं, पर यूरोप में इस बीमारी का प्रकोप कभी नहीं हुआ है। यह भी कहा, जहाज पर कोई चूहा नहीं मिला।

हां 75% नहीं 25% — क्या आपरेशन सिंदूर से मिले सबक ने रक्षा क्षेत्र में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को तेज किया है?

हां 80% नहीं 20% — क्या भारत रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है ?

आपरेशन सिंदूर@1 कितना सशक्त हुआ देश

आपरेशन सिंदूर को एक वर्ष पूरे हो गए हैं। यह आपरेशन 88 घंटे का था, लेकिन आधुनिक युद्ध में भारतीय वायुसेना द्वारा दुश्मन के हवाई क्षेत्र में श्रेष्ठता साबित करने की शानदार नजीर बना। पाकिस्तान के 11 एयरबेस को निशाना बनाने के साथ उसके 13 विमानों को ध्वस्त कर दिया। इस युद्ध में ड्रोन ने भी अहम भूमिका निभाई। भारत में बने हथियारों और रक्षा उपकरणों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व को दिखाया कि भारत स्वदेशी हथियारों के दम पर निर्णायक युद्ध लड़ने की क्षमता हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। युद्ध के मैदान में कमियों का भी पता चलता है और आपरेशन सिंदूर भी इसका अपवाद नहीं रहा। संघर्ष में चीन पर्दे के पीछे से पाकिस्तान की रणनीतिक मदद मुहैया कर रहा था। भारत इससे सबक लेते हुए चीन और पाकिस्तान की दोहरी चुनौती के मद्देनजर सेनाओं के आधुनिकीकरण और आपरेशनल तैयारियों को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। पिछले एक वर्ष में सैन्य क्षमता के मामले में देश कितना सशक्त हुआ है इसकी पड़ताल अहम मुद्दा है..

प्रतिक्रिया नहीं पराक्रम दिखाएगा भारत

3 लाख करोड़ से अधिक के 114 राफेल विमानों की खरीद की प्रक्रिया अंतिम दौर में

1.85 लाख करोड़ रखे गए हैं नए हथियारों और रक्षा उपकरणों की खरीद के लिए 2026-27 के बजट में

24% तक बढ़ाया गया है नए हथियारों और रक्षा उपकरणों की खरीद के लिए बजट

2.5% जीडीपी तक रक्षा खर्च पहुंचाने के लक्ष्य पर काम कर रही है केंद्र सरकार अगले पांच वर्ष में

भारत का रक्षा उत्पादन

(लाख करोड़ रुपये में)

2023-24	2024-25
1.27	1.54

65% रक्षा उपकरण भारत में बनाए जा रहे हैं, पहले 70 प्रतिशत तक आयात पर थी निर्भरता

₹9,145 करोड़ का निवेश आकर्षित किया है यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कारिडोर और तमिलनाडु डिफेंस इंडस्ट्रियल कारिडोर ने मिलाकर

16,000 एमएसएमई अपने उत्पादों के जरिये मजबूत कर रही हैं स्वदेशी रक्षा क्षमताएं

788 इंडस्ट्रियल लाइसेंस जारी किए गए हैं 462 कंपनियों को

रक्षा निर्यात

(करोड़ रुपये में)

वर्ष	निर्यात
2014	686
2023-24	21,083
2024-25	23,622

स्वदेशी का दम

आपरेशन सिंदूर के बाद भारत की सैन्य रणनीति और पाकिस्तान-चीन के संयुक्त खतरे से निपटने की तैयारियों में एक बड़ा बदलाव आया है। 7-10 मई 2025 के बीच चले इस आपरेशन ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब रणनीतिक धैर्य की नीति को त्याग कर निवारक प्रतिशोध की राह पर है। इसके लिए भारत अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने के लिए लगातार कदम उठा रहा है।

स्वदेशी मारक क्षमता और ब्रह्मोस-एक्स

आपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भारत ने ब्रह्मोस-एक्स मिसाइल के विकास को गति दी है, जिसकी गति मैक 4.5 तक पहुंचने की उम्मीद है। इसके अलावा, स्वदेशी तेजस मार्क-1ए और राफेल लड़ाकू विमानों का बेड़ा चीन के बढ़ते हवाई खतरे को संतुलित करने के लिए एलएसी के करीब तैनात किया गया है।

उन्नत वायु रक्षा प्रणाली

आपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल की गई चीनी मिसाइलों (जैसे सीएम-401) को विफल करने के बाद, भारत अब अपने एस-400 ट्रायम्फ नेटवर्क को मजबूत कर रहा है। मई 2026 तक रूस से शेष एस-400 यूनिट की डिलीवरी और इंडक्शन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसके साथ ही, स्वदेशी आकाश और एमआरएसएम प्रणालियों को उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं पर तैनात किया गया है ताकि चीन-पाक मिसाइल गठजोड़ को निष्प्रभावी किया जा सके।

डिफेंस मैन्यूफैक्चरिंग हब

मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत यूपी में उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कारिडोर विकसित किया जा रहा है। यूपी डिफेंस कारिडोर को 6 मुख्य शहरों (नोड्स) में विभाजित किया गया है, जहां अलग-अलग प्रकार के रक्षा उपकरण बनाए जा रहे हैं:

लखनऊ : यहां ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण किया जा रहा है। ब्रह्मोस मिसाइल का पहला बैच सेना को सौंपा जा चुका है। लखनऊ यूनिट में सालाना 150 ब्रह्मोस बनाने की क्षमता है।

कानपुर : यह डिफेंस कारिडोर का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। यहां अदाणी डिफेंस ने एशिया का सबसे बड़ा गोला-बारूद और मिसाइल काम्प्लेक्स स्थापित किया है। बुलेटप्रूफ जैकेट, पैराशूट और छोटे हथियारों का भी निर्माण हो रहा है।

झांसी : यहां एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल और विस्फोटक सामग्री बनाने की इकाइयां लगाई जा रही हैं।

अलीगढ़ : यह नोड छोटे हथियारों, रडार सिस्टम और ड्रोन मैन्यूफैक्चरिंग के लिए प्रसिद्ध हो रहा है।

चित्रकूट और आगरा: यहां डिफेंस टेस्टिंग सेंटर और इलेक्ट्रानिक्स आधारित रक्षा उपकरणों के निर्माण पर फोकस है।

भविष्य की पैदल सेना

भारतीय सेना ने 2026 में भैरव फोर्स जैसे विशेष कमांडो दस्तों का गठन किया है। ये सैनिक भविष्य के युद्धों के लिए तैयार हैं, जो ड्रोन और उन्नत मिसाइल प्रणालियों से लैस हैं। इनका मुख्य कार्य सीमापार आतंकी ढांचों और चीनी सैन्य जमावड़े के खिलाफ सटीक ड्रोन स्ट्राइक करना है।

तकनीकी और एआइ का एकीकरण

भारत ने अपने सी4आइएसआर- कमांड, कंट्रोल, कम्युनिकेशंस, कंप्यूटर, इंटेलिजेंस, सर्विलांस और रिकोनिसेंस सिस्टम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को जोड़ा है। यह तकनीक दुश्मन के रडार को जाम करने, लक्ष्य की पहचान करने और मिसाइल इंटरसेप्शन में मानवीय त्रुटि को कम करने में मदद कर रही है।

टू-फ्रंट वार के लिए थिएटर कमांड का गठन

भारत ने अपनी सैन्य संरचना में आमूलचूल परिवर्तन करते हुए इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड्स की स्थापना को तेज कर दिया है। इसका मुख्य उद्देश्य थल सेना, वायु सेना और नौसेना के बीच समन्वय स्थापित करना है ताकि चीन और पाकिस्तान की सीमाओं पर एक साथ प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

रिसर्च : महेंद्र सिंह

घरेलू रक्षा उद्योग बढ़ाएं उत्पादन क्षमता

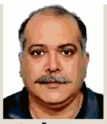

सुशांत शरीन
विशेषज्ञ, सामरिक मामले

आपरेशन सिंदूर में चले चार दिनों के संघर्ष के लिए हमारी सैन्य तैयारियां पर्याप्त साबित हुईं लेकिन महीनों तक चलने वाले युद्ध के लिए जरूरी है कि मिसाइलों, इंटरसेप्टर और ड्रोन का भंडार तैयार किया जाए। हमारी घरेलू उत्पादन क्षमता यहां निर्णायक भूमिका निभाएगी। रक्षा उद्योग को उत्पादन क्षमता बढ़ानी होगी।

आपरेशन सिंदूर के समय भारत की सैन्य तैयारियों का स्तर पाकिस्तान और पूरी दुनिया ने देखा। इससे पहले भारत में भी विशेषज्ञ और दूसरे देश भी इस बात को लेकर आश्वस्त नहीं थे कि हमारे पास जो एयर डिफेंस सिस्टम और दूसरी स्वदेशी रक्षा प्रणालियां हैं, वे युद्ध के मैदान में कितनी कारगर साबित होंगी। आपरेशन सिंदूर में भारत ने साबित किया कि रूस से आयातित एस 400 एयर डिफेंस सिस्टम के साथ हमारे स्वदेशी इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस सिस्टम ने शानदार प्रदर्शन किया और पाकिस्तान ने हमारी सीमा की ओर जो कुछ भी फेंका हमने उसे काफी किफायती तरीके से नष्ट कर दिया। यहां किफायती तरीका इसलिए अहम है क्योंकि हमने हाल में अमेरिका-ईरान युद्ध में देखा कि 10,000 डालर के ड्रोन को मार गिराने के लिए लाखों डालर की मिसाइलें इस्तेमाल की गईं।

मिसाइल हो, इंटरसेप्टर हों या एयर डिफेंस, चार दिन के संघर्ष के लिए तो यह पर्याप्त साबित हुआ लेकिन हमें देखना होगा कि अगर युद्ध एक दो माह तक खिंच जाता है तो उसके लिए मिसाइल, ड्रोन और दूसरे हथियारों के भंडार की क्या स्थिति है। हाल में देखा गया कि बड़ी संख्या में अमेरिकी मिसाइलें ईरान की मिसाइलों और ड्रोन को रोकने में खत्म हो गए और अमेरिका में इस बात पर बहस चल रही है कि रणनीतिक भंडार को भरने में कितना समय लग सकता है। आधुनिक युद्ध के दौर में यह जरूरी है कि आपके पास घरेलू स्तर पर यह क्षमता हो कि लंबे समय तक खिंचने वाले युद्ध के लिए आवश्यक मात्रा में हथियार, मिसाइलें ड्रोन और दूसरे सैन्य साजो सामान का हम तेजी से उत्पादन कर सकें। इसके अलावा दूसरी अहम बात तकनीक का तेजी से बदलना है। आज कल तकनीक हर छह महीने में बदल रही है। हो सकता है कि हम कोई रक्षा प्रणाली विकास के बाद जब तक उत्पादन के चरण में ले जाएं, तब तक वह तकनीक पुरानी हो जाए। इसका यह मतलब नहीं है कि यह तकनीक बेकार हो गई। हमें तकनीक को तेजी से अपग्रेड करने में सक्षम बनना पड़ेगा, तभी हम युद्ध के परिदृश्य में कारगर होने के लायक हथियार और रक्षा उपकरण बना पाएंगे। हमारे लिए यह एक बड़ी चुनौती बन सकता है क्योंकि हमारे सामने ऐसा दुश्मन है जिसका समर्थन एक तरफ चीन कर रहा है, जो तकनीकी तौर पर काफी आगे हो गया। तुर्किये का समर्थन भी पाकिस्तान को मिल रहा है। हम तकनीक और कुछ रक्षा उपकरणों के लिए पश्चिमी देशों पर निर्भर हैं और तुर्किये नाटो का सदस्य है और उसकी पहुंच भी पश्चिमी देशों की तकनीक तक है। ऐसे में हमें इस बात को लेकन सतर्क रहना होगा कि पाकिस्तान को तुर्किये से ऐसी जानकारियां मिल सकती हैं, जिसके जरिये वह हमारे रक्षा उपकरणों का तोड़ निकाल सकता है। एक और बात है युद्ध में सरप्राइज की। आपरेशन सिंदूर में भी यह बात दिखी कि पाकिस्तान ने पहले हमें चौंकाया फिर उसके बाद हमने इस बात को समझ कर उस पर हमले किए। हमें भविष्य के लिए पहले से सरप्राइज के लिए तैयार रहना होगा। अगर पाकिस्तान 200 मिसाइलों से दिल्ली को निशाना बनाता है तो यह संभव है कि हम 95 प्रतिशत मिसाइलें रोक लें लेकिन 5 मिसाइलें भी गिरीं तो नुकसान होगा। हमें इस बात को लेकर तैयार रहना होगा क्योंकि 100 प्रतिशत मिसाइलें अमेरिका और इजरायल भी नहीं रोक पा रहे हैं। हमें अपनी जनता को भी इसके लिए तैयार करना पड़ेगा और उनको बताना कि इसमें जो भी नुकसान होगा सरकार उसकी भरपाई करेगी।

आपकी आवाज

एक साल पहले कश्मीर मे पर्यटन के लिए गए देश के मासूम नागरिकों को पाकिस्तानी आतताईयों द्वारा मौत की नींद सुलाने और इसके बाद आपरेशन सिन्दूर के तहत पाकिस्तान मे घुसकर आतंकियों का सफाया करना दिखाता है कि हमारी रक्षा प्रणाली काफी सुदृढ़ हैं। इस युद्ध में भारत की हवाई रक्षा प्रणाली ने भी खुद को साबित किया कि वह दुश्मन देश की मिसाइल और ड्रोन केंद्रित रणनीति का मुकाबला पूरी तरह डट कर कर सकती है। इसके बावजूद वायुसेना को भविष्य में अधिक शक्तिशाली दुश्मनों के खिलाफ किसी भी संघर्ष की स्थिति मे अपने प्लेटफार्म, हथियारों, और रक्षा प्रणालियों को लगातार उन्नत बनाना होगा। **-मुन्ना स्वर्णकार**

आपरेशन सिंदूर के बाद रक्षा खरीद की प्रक्रिया में तेजी आई है। सरकार ने रक्षा बजट में भी इजाफा किया है लेकिन भारत के सामने जिस तरह की रक्षा चुनौतियां हैं उसके लिहाज से रक्षा खर्च को पर्याप्त नहीं कहा जा सकता है। इसके अलावा दूसरी बड़ी दिक्कत यह है कि अपने देश में रक्षा खरीद प्रक्रिया को पूरा करने में वर्षों या कई बार दशकों तक समय लगता है। इससे सेना की रक्षा क्षमताओं पर असर पड़ता है। विदेशी आपूर्ति के अलावा घरेलू रक्षा आपूर्ति में भी भी काफी देरी होती है। हमें इस प्रक्रिया को तेज करना होगा, जिससे सेना को उनकी जरूरत के रक्षा उपकरण समय से मिल सकें। **-मनोज वर्मा**

देश को रक्षा जरूरतों के मामले में आत्मनिर्भर बनाने की जरूरत है क्योंकि लंबे युद्ध दूसरे देशों की आपूर्ति के भरोसे नहीं जीते जा सकते हैं। इस दिशा में प्रयास हो रहे हैं लेकिन हमें शोध एवं विकास में ज्यादा संसाधन लगाने होंगे।
-छाया मिश्रा

शीर्ष पांच शक्तियों में शामिल हुआ भारत

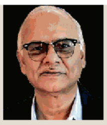

डा. हरिबाबू श्रीवास्तव
पूर्व महानिदेशक, डीआरडीओ

भारत अब जल, थल, नभ के साथ-साथ अंतरिक्ष और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में भी नए शोध कर रहा है। सरकार इस दिशा में काफी सजग है, जिसका प्रमाण मिशन सुदर्शन की घोषणा है। यह मिशन हमारे सामरिक ठिकानों की चौबीसों घंटे स्वचालित निगरानी करेगा। भारतीय सेना में अब ड्रोन और काउंटर-ड्रोन तकनीक के लिए विशेष यूनिट बनाई जा रही हैं।

मई 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ चलाया गया आपरेशन सिंदूर आधुनिक भारत के इतिहास की एक स्वर्णिम घटना है। इसका महत्व 1965, 1971 और कारगिल युद्धों की जीत से भी कहीं अधिक माना जा रहा है। इसका मुख्य कारण यह है कि इस युद्ध में भारत की विजय केवल सेना के शौर्य से नहीं, बल्कि भारत की अपनी तकनीक, स्वदेशी रिसर्च और सरकारी व निजी संस्थानों के आपसी तालमेल से हासिल हुई है। जब पाकिस्तान चीन, अमेरिका और तुर्की जैसे देशों से मिले आधुनिक हथियारों का इस्तेमाल कर रहा था, तब भारत के स्वदेशी 'रक्षा कवच' ने युद्ध की कमान पूरी तरह अपने हाथ में रखी। भारत की इस तकनीकी मजबूती का ही परिणाम है कि साल 2025-26 में हमारे रक्षा उत्पादन और विदेशों को हथियारों के निर्यात में रिकार्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई। रक्षा विज्ञानियों के सामने हमेशा यह चुनौती होती है कि वे दुश्मन से दो कदम आगे रहें। एक बार युद्ध में इस्तेमाल होने के बाद हथियारों की तकनीक दुश्मन को पता चल जाती है, इसलिए भारत अब जल, थल, नभ के साथ-साथ अंतरिक्ष और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में भी नए शोध कर रहा है। सरकार इस दिशा में काफी सजग है, जिसका प्रमाण 'मिशन सुदर्शन' की घोषणा है। यह मिशन हमारे सामरिक ठिकानों की चौबीसों घंटे स्वचालित निगरानी करेगा।

भारतीय सेना में अब ड्रोन और काउंटर-ड्रोन तकनीक के लिए विशेष यूनिट बनाई जा रही हैं। रिसर्च की गति बढ़ाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) का बड़े स्तर पर उपयोग हो रहा है। हमारे विज्ञानियों ने सटीक हमले करने, साइबर सुरक्षा और स्वार्म ड्रोन को नष्ट करने की तकनीक में बड़ी सफलता हासिल की है। वर्तमान में भारत कई घातक हथियार तैयार कर रहा है। जैसे कुशा। यह एस-400 से भी उन्नत लंबी दूरी की मिसाइल रक्षा प्रणाली है। प्रलय और पिनाक लंबी दूरी तक सटीक मार करने वाले मिसाइलें और राकेट सिस्टम है। विज्ञानी ध्वनि की गति से कई गुना तेज गति से चलने वाले इंजन का सफल परीक्षण कर चुके हैं। यह हाइपरसोनिक मिसाइलों के विकास और परीक्षण की दिशा में बड़ा कदम है। इसके अलावा भारत ब्रह्मोस एनजी जैसी नई मिसाइल और तारा जैसी उन्नत हथियार प्रणाली को सेना में शामिल करने की तैयारी कर रहा है।

सरकार ने रक्षा क्षेत्र में निवेश और खरीद की प्रक्रियाओं को सरल बना दिया है। आइडीईएक्स और टीडीएफ जैसी योजनाओं की वजह से अब छोटे और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) भी रक्षा उपकरण बना रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि इन योजनाओं में जितना निवेश किया गया, उससे कई गुना ज्यादा तो हमें विदेशों से आर्डर मिल चुके हैं। यह न केवल देश की सुरक्षा को मजबूत कर रहा है, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा कर रहा है। आज भारत विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में एक एकजुट इकाई के रूप में कार्य कर रहा है। दुनिया की शीर्ष पांच रक्षा शक्तियों में भारत का नाम शामिल हो चुका है और वह जल्द ही शीर्ष तीन में जगह बना लेगा। आपरेशन सिंदूर के दौरान हमें यह भी पता चला है कि हमारी सेनाओं के पास किस तरह के रक्षा उपकरणों या हथियारों की कमी है। सरकार सेनाओं को अत्याधुनिक रक्षा उपकरण घरेलू या बाहरी स्रोतों से उपलब्ध कराने के लिए जरूरी कदम उठा रही है। इसके लिए रक्षा बजट में हथियारों और उपकरणों की खरीद के लिए रकम को 18 प्रतिशत बढ़ाया गया है।

राष्ट्रीय फलक

राजस्थान के म्यूल अकाउंट में जमा हुई 101 साइबर ठगी की रकम

जागरण संवाददाता, जयपुर : राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में देश के विभिन्न राज्यों में साइबर ठगी के 101 प्रकरणों से जुड़ा बैंक खाता सामने आया है। यह म्यूल अकाउंट (एक ऐसा बैंक खाता है जिसका उपयोग साइबर ठगी, मनी लान्ड्रिंग में होता है) सोलफेव ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड नाम से चित्तौड़गढ़ के स्टेट बैंक आफ इंडिया (एसबीआइ)से संचालित हो रहा था। पुलिस ने खाताधारक गोपाल जाट एवं नारायण को रविवार को गिरफ्तार किया है।

साइबर पुलिस थाना अधिकारी मधु कंवर ने बताया कि इस म्यूल अकाउंट के खिलाफ मध्य प्रदेश, हरियाणा व राजस्थान के विभिन्न शहरों में 101 मुकदमे दर्ज हैं। विभिन्न शहरों की पुलिस ने इस बारे में जांच की तो खाता चित्तौड़गढ़ का निकला। दोनों आरोपितों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं एवं आइटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अगस्त 2025 में देश के अलग-अलग राज्यों में हुई साइबर ठगी की रकम इस खाते में जमा की गई थी।

आतंकी गुप्त संदेश भेजने को फिर करने लगे ब्लैकबेरी मैसेंजर एप का प्रयोग

- लश्कर आतंकी से पूछताछ के आधार पर सामने आए चौंकाने वाले तथ्य
- गुप्त संवाद के लिए नए थ्रीमा और डस्ट एप का भी उपयोग कर रहे आतंकी

श्रीनगर, प्रेट्र : आतंकी अब खुफिया संदेश भेजने के लिए फिर से ब्लैकबेरी मैसेंजर एप का प्रयोग करने लगे हैं। इनके अलावा सुरक्षा एजेंसियों के रडार से बचने और खुफिया संदेश भेजने के लिए नए थ्रीमा और डस्ट एप का भी उपयोग कर रहे हैं। लश्कर के कुख्यात आतंकी से पूछताछ में यह चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

मार्च माह में श्रीनगर पुलिस ने लश्कर के आतंकी माड्यूल का राजफाश किया था, यह जम्मू-कश्मीर के बाहर आतंकी संगठन का नेटवर्क फैलाने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस ने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत निवासी अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा के साथ एक और पाकिस्तानी आतंकी मोहम्मद उस्मान जट्ट तथा उनके कुछ सहयोगियों को गिरफ्तार किया था। मामले की गंभीरता व अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन को देखते हुए अब इस मामले की जांच एनआइए कर रही है। अधिकारियों के अनुसार हुरैरा ने पूछताछ में बताया कि आतंकियों और उनके ओवर ग्राउंड वर्करों से संपर्क के लिए वह ब्लैकबेरी मैसेंजर, एंटरप्राइस, एलीमेंट, थ्रीमा, डस्ट, वाट्एप, टेलीग्राम, सिग्नल जैसे एप का इस्तेमाल करते हैं। इन एप से संदेश पकड़ में नहीं आते और इनमें संदेश आटो-डिलीट हो जाते हैं। इससे आतंकियों की गतिविधियों का पता लगाना मुश्किल हो जाता है।

ब्लैकबेरी मैसेंजर एक बार फिर चर्चा में है। पहली बार यह 2009 में भारतीय एजेंसियों के रडार पर आया था। उस समय सरकार ने इसकी निर्माता कनाडाई कंपनी आरईएम को भारत में सर्वर लगाने के लिए कहा था, ताकि सुरक्षा एजेंसियों को जरूरत पड़ने पर डाटा मिल सके। बाद में कंपनी ने 2011-12 में भारत में सर्वर स्थापित किए थे। हालांकि 2019 में बीबीएम ने अपनी मुफ्त सेवा बंदकर केवल कारपोरेट उपयोग के लिए ब्लैकबेरी मैसेंजर सेवा शुरू की। अब एजेंसियां उन ब्लैकबेरी मैसेंजर अकाउंट्स की जानकारी जुटा रही हैं जिनका इस्तेमाल आतंकियों द्वारा किया गया है।

पटियाला में मिट्टी डाल बंद किया एक्सप्रेस-वे, एनएचएआइ ने खुलवाया

जागरण संवाददाता, पटियाला : केंद्र सरकार की ओर से भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत बनाए गए दिल्ली-कटड़ा एक्सप्रेस-वे को पंजाब में पटियाला जिले के गांव गुलजारपुरा ठरुआ से घग्गा तक शरारती तत्वों ने शनिवार रात टिप्परों से मिट्टी डालकर बंद कर दिया। इससे एक्सप्रेस-वे से गुजरने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके बाद एनएचएआइ के अधिकारियों ने मशीन की मदद से रविवार को एक्सप्रेस-वे को खुलवाया।

मौके पर पहुंचे एनएचएआइ के एसडीओ सलमान हकीम और चंद्र कुमार ने बताया कि जांच के बाद एक्सप्रेस-वे पूरी तरह सुरक्षित है और इसे जनता के लिए खोल दिया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग इसे अवैध रूप से बंद करके यात्रियों के लिए परेशानी खड़ी कर रहे हैं। एनएचएआइ ने पंजाब के प्रशासनिक अधिकारियों को ऐसी घटना को लेकर कई बार पत्र लिखे हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। मामले में एसडीएम काला राम कंसल से परामर्श के बाद इसे खोलने के लिए तुरंत कर्मचारियों को भेजा गया था।

पूर्वी लद्दाख में छात्राओं को तीरंदाजी के लिए तैयार कर रही सेना

लुकुंग गांव में सेना के प्रशिक्षण शिविर में तीरंदाजी के गुर सीखतीं छात्राएं। सेना

राज्य ब्यूरो, जागरण • जम्मू

लद्दाख की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रही सेना की फायर एंड फ्यूरी कोर दूरदराज इलाकों में विद्यार्थियों को तीरंदाजी के गुर सिखा रही है। ऐसे शिविरों में खासतौर पर छात्राओं को आगामी तीरंदाजी प्रतियोगिताओं में प्रतिभा दिखाने के लिए तैयार किया जा रहा है। पहले लद्दाख में तीरंदाजी को पुरुष प्रधान खेल माना जाता था लेकिन अब सेना और लद्दाख प्रशासन की ओर से इसे युवा महिलाओं में लोकप्रिय बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मालूम हो कि तीरंदाजी लद्दाख का पारंपरिक खेल है। तीरंदाजी में स्थानीय खेल संगठनों और परिवारों के सहयोग से छात्राओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। इससे न केवल इस खेल को नई दिशा मिल रही है, बल्कि समाज में लैंगिक समानता का संदेश भी मजबूत हो रहा है। सेना ने पूर्वी लद्दाख में लुकुंग गांव में छह दिवसीय प्रशिक्षण शिविर लगाकर छात्राओं को तीरंदाजी की बुनियादी तकनीकों व कौशलों का प्रशिक्षण दिया। सेना ऐसे प्रशिक्षण शिविर लेह के साथ कारगिल के दूरदराज इलाकों में भी आयोजित कर चुकी हैं।

कोल लेवी घोटाले में वसूली करने वाले ड्राइवर की जमानत याचिका खारिज

नईदुनिया प्रतिनिधि, बिलासपुर : छत्तीसगढ़ कोल लेवी घोटाले के आरोपित कारोबारी सूर्यकांत तिवारी के ड्राइवर की जमानत याचिका हाई कोर्ट ने खारिज कर दी है। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने कहा कि नारायण साहू सिर्फ ड्राइवर नहीं, बल्कि पूरे वसूली नेटवर्क का सक्रिय सदस्य था। सूर्यकांत ने उसके नाम पर संपत्ति भी खरीदी है। बता दें कि कोल लेवी घोटाले केस में ईओडब्ल्यू आरोपित ड्राइवर की दो साल से तलाश कर रही थी। उसे करीब दो महीने पहले ही गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तारी के बाद नारायण साहू ने ईडब्ल्यू की स्पेशल कोर्ट में जमानत के लिए अर्जी लगाई थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दी थी। इसके बाद उसने हाई कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की। याचिकाकर्ता का तर्क था कि वह केवल आरोपित कारोबारी का ड्राइवर था, घोटाले से उसका कोई लेना-देना नहीं। वहीं, राज्य सरकार के अधिवक्ता ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि जांच में पता चला है कि आरोपित कोल लेवी घोटाले के करीब 13 करोड़ रुपये की अवैध वसूली में शामिल था।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार, 11 मई, 2026

दैनिक जागरण

व्यक्ति के स्वभाव का प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है

केरलम में देरी

केरलम में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे यानी यूडीएफ को स्पष्ट बहुमत मिलने के एक सप्ताह बाद भी मुख्यमंत्री का नाम तय करने को लेकर कोई फैसला न हो पाना पार्टी नेतृत्व की दुविधा और कमजोरी को ही बयान करता है। यदि राज्य में मुख्यमंत्री चयन में और अधिक देरी होती है तो कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच असमंजस बढ़ने के साथ उनके उत्साह में तो कमी आएगी ही, नेताओं और विशेष रूप से विधायकों के बीच गुटबाजी को भी हवा मिलेगी। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि मुख्यमंत्री पद के दावेदारों वीडी सतीशन और रमेश चेन्निथला के समर्थकों के बीच एक तरह का शक्ति प्रदर्शन शुरू हो गया है। ऐसा शक्ति प्रदर्शन कई बार कलह में तब्दील हो जाता है और उसका दुष्प्रभाव पूरी पार्टी पर पड़ता है। यह ध्यान रहे कि हाल के विधानसभा चुनावों में केवल केरलम में ही कांग्रेस अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन कर पाई है। बंगाल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में उसे निराशा ही हाथ लगी है। यह मानने के अच्छे भले कारण हैं कि केरलम में मुख्यमंत्री के चयन में इसलिए देरी हो रही है, क्योंकि कांग्रेस नेतृत्व और विशेष रूप से राहुल गांधी पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल को मुख्यमंत्री बनाना चाह रहे हैं।

कोई भी दल हो, मुख्यमंत्री चयन में आलाकमान को अपनी पसंद थोपने के स्थान पर विधायकों की राय को प्राथमिकता देने के साथ समर्थकों के मूड-मिजाज को भांपना चाहिए। जो दल ऐसा करने में असमर्थ रहते हैं, वे राजनीतिक नुकसान ही उठाते हैं। हो सकता है कि केरलम के कुछ विधायक केसी वेणुगोपाल को भी मुख्यमंत्री पद पर आसीन होता देखना चाह रहे हों, लेकिन तथ्य यह है कि वे तो विधानसभा चुनाव ही नहीं लड़े थे। उन्हें मुख्यमंत्री बनाने का यह कोई उचित अथवा लोकतांत्रिक आधार नहीं हो सकता कि वे राहुल गांधी के विश्वासपात्र हैं। यदि मुख्यमंत्री चयन में विधायकों और समर्थकों की राय की अनदेखी करने की कोशिश की जाएगी तो फिर सहयोगी दल भी अपनी राय थोपने की चेष्टा करेंगे। केरलम में मुख्यमंत्री चयन में देरी इसलिए अधिक ध्यान खींच रही है, क्योंकि चुनाव वाले अन्य राज्यों और यहां तक कि त्रिशंकु विधानसभा वाले तमिलनाडु में भी मुख्यमंत्री तय हो गया। केरलम में मुख्यमंत्री पद के चयन में जितनी अधिक देरी होगी, इस पद के दावेदारों के बीच खींचतान उतनी ही बढ़ेगी। यह खींचतान इस निर्देश से थमने वाली नहीं है कि मुख्यमंत्री पद के दावेदारों के समर्थक किसी तरह की टीका-टिप्पणी अथवा अभद्र व्यवहार न करें। केरलम में मुख्यमंत्री के चयन में जो देरी हो रही है, उससे यह भी नए सिरे से रेखांकित हो रहा है कि कांग्रेस नेतृत्व समय पर फैसले नहीं ले पाता।

आत्मनिर्भर बनाने की पहल

बिहार में पैक्सों को केवल कृषि ऋण वितरण केंद्र के बजाय आत्मनिर्भर और बहुउद्देशीय संस्थाओं के रूप में विकसित करने की पहल स्वागतयोग्य है। नए सहकारिता मंत्री की ओर से एक्शन प्लान तैयार करने का निर्देश इस बात का संकेत है कि सरकार अब ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सहकारिता माडल के माध्यम से मजबूत करना चाहती है। यदि यह योजना प्रभावी ढंग से लागू होती है, तो पैक्स किसानों के लिए विपणन, भंडारण, प्रसंस्करण और स्थानीय उत्पादों के प्रचार का बड़ा माध्यम बन सकती है। राज्य के अधिकांश किसान आज भी अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं पा रहे हैं। ऐसे में पैक्सों को स्थानीय बाजारों, ई-कामर्स और सरकारी खरीद व्यवस्था से जोड़ना उपयोगी कदम होगा। मक्का, मखाना, शहद, फल-सब्जी और दुग्ध उत्पाद जैसे स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग कर पैक्सों के माध्यम से बाजार उपलब्ध कराया जा सकता है। इससे गांवों में रोजगार भी बढ़ेगा और किसानों की आय में सुधार होगा। हालांकि इस योजना के सामने कई चुनौतियां भी हैं। अधिकांश पैक्सों के पास प्रशिक्षित मानव संसाधन, आधुनिक तकनीक और पर्याप्त वित्तीय क्षमता का अभाव है। कई जगहों पर राजनीतिक हस्तक्षेप और पारदर्शिता की कमी भी समस्या रही है। डिजिटल व्यवस्था और पेशेवर प्रबंधन के बिना पैक्सों को उद्यमी संस्था बनाना आसान नहीं होगा। सरकार को चाहिए कि पैक्स कर्मियों का नियमित प्रशिक्षण हो, लेखा प्रणाली पूरी तरह डिजिटल बने और प्रदर्शन के आधार पर प्रोत्साहन दिया जाए।

> सहकारिता व्यवस्था तभी सफल होगी, जब पैक्स गांव की आर्थिक शक्ति के केंद्र बन सकें

अटूट आस्था का शाश्वत प्रतीक सोमनाथ

योगी आदित्यनाथ

'नया भारत' आज सनातन आस्था के सांस्कृतिक गौरव का उत्सव मना रहा है और गजनवी जैसे आततायियों के विध्वंस पर उल्लास, सृजन और वैभव का नव-अंकुर प्रस्फुटित हो रहा है

भारत केवल एक भूभाग नहीं, अपितु हजारों वर्षों की सभ्यता, सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक परंपरा का जीवंत राष्ट्र है। भारतीय दर्शन कहता है कि आत्मा अजर-अमर है, वह केवल रूप बदलता है। इसी प्रकार भारत की सनातन संस्कृति और उसकी आस्था भी अनश्वर है। इतिहास साक्षी है कि इस चेतना को मिटाने के अनेक प्रयास हुए, किंतु न इसे झुकाया जा सका, न समाप्त किया जा सका। सौराष्ट्र में समुद्र तट पर अवस्थित श्री सोमनाथ मंदिर उसी अमर राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का तेजस्वी प्रतीक है। विगत एक हजार वर्षों का कालखंड इसका प्रमाण है कि विदेशी आक्रांताओं की घृणा, कट्टरता और विध्वंस की नीति के आगे हमारी आस्था, साहस और सृजनशीलता हर क्षण अडिग रही। आज जब भारतवर्ष 20वीं शताब्दी में पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है, तब यह केवल एक ऐतिहासिक घटना का स्मरण मात्र नहीं, अपितु भारत के आत्मा, उसकी आस्था और उसके स्वाभिमान को पुनः अनुभव करने का पावन अवसर भी है।

द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रथम श्री सोमनाथ ने शताब्दियों के असंख्य आक्रमण और विध्वंस देखे, किंतु हर बार वह और अधिक गौरव एवं तेज के साथ पुनः स्थापित हुआ। महमूद गजनवी से लेकर औरंगजेब तक अनेक आक्रांताओं ने इसे मिटाने का प्रयास किया, पर वे स्वयं इतिहास में विलीन हो गए और सोमनाथ मंदिर अडिग खड़ा है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भी जब देश विभाजन की पीड़ा, विस्थापन और अनिश्चितताओं से गुजर रहा था, तब हर भारतवासी यह अनुभव कर रहा था कि केवल राजनीतिक स्वतंत्रता पर्याप्त नहीं है, भारत को सांस्कृतिक स्वाधीनता का भी पुनर्स्थापन करना होगा। ऐसे समय में लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया। यह केवल एक मंदिर का पुनरुद्धार नहीं, स्वतंत्र भारत के सांस्कृतिक स्वाभिमान की पुनर्प्रतिष्ठा का संकल्प था। सरदार पटेल जानते थे कि यदि राष्ट्र को आत्मबल के साथ आगे बढ़ना है, तो उसे अपनी सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक गौरव से जुड़ना ही होगा। सोमनाथ का पुनर्निर्माण एक उद्घोष था कि स्वतंत्र भारत जड़ों से कटकर नहीं, बल्कि अपनी परंपराओं के साथ आगे बढ़ेगा। हालांकि सरदार पटेल अपने उस स्वप्न को साकार होते नहीं देखे सके, पर प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेंद्र प्रसाद तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की अनिच्छा के बावजूद सोमनाथ मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल हुए थे। डा. राजेंद्र प्रसाद का यह निर्णय इसकी उद्घोषणा था कि भारत के सांस्कृतिक आत्मा को किसी वैचारिक आग्रह से दबाया नहीं जा सकता।

अवधेश राजपूत

आज, अमृतकाल के कालखंड में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत 'स्व' से साक्षात्कार कर रहा है। यह सांस्कृतिक पुनर्जागरण का ही कालखंड है। जो कार्य स्वतंत्र भारत में सरदार पटेल और डा. राजेंद्र प्रसाद जी ने प्रारंभ किया था, वही चेतना आज मोदी जी के नेतृत्व में नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ती दिखाई देती है। अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण भी पांच शताब्दियों के संघर्ष, धैर्य और सांस्कृतिक स्वाभिमान की ऐतिहासिक परिणति है। कभी जिन आक्रांताओं ने श्रीरामजन्मभूमि को अपमानित कर भारत की आस्था पर प्रहार किया था, आज उनका नाम इतिहास के अंधकार में खो चुका है, किंतु प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर पूरे वैभव के साथ खड़ा है।

इसी क्रम में श्रीकाशी विश्वनाथ धाम का पुनर्विकास काशी की जीवंतता और भारत की सनातन चेतना के पुनरुत्थान का प्रतीक है। आज वैश्विक स्तर पर भी भारत की इस सांस्कृतिक चेतना को नई स्वीकृति प्राप्त हो रही है। योग, आयुर्वेद, भारतीय दर्शन, अध्यात्म और सनातन जीवनदृष्टि के प्रति विश्व का आकर्षण निरंतर बढ़ रहा है। यह केवल सांस्कृतिक प्रभाव नहीं है, यह भारत की उस शाश्वत दृष्टि की स्वीकृति है, जो मानवता को संतुलन, सहअस्तित्व और समरसता का मार्ग दिखाती है। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में 'नया भारत' आज 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के रूप में सनातन आस्था के सांस्कृतिक गौरव का उत्सव मना रहा है और गजनी जैसे आततायियों के विध्वंस पर उल्लास, सृजन और वैभव का नव-अंकुर प्रस्फुटित हो रहा है।

सोमनाथ का पुनर्निर्माण इसी व्यापक सांस्कृतिक विमर्श का महत्वपूर्ण आधार है। यह हमें स्मरण कराता है कि कोई भी राष्ट्र केवल आर्थिक शक्ति से महान नहीं बनता। उसकी वास्तविक शक्ति उसकी सांस्कृतिक चेतना, उसके ऐतिहासिक आत्मविश्वास और उसकी सभ्यतागत निरंतरता में निहित होती है। जिन राष्ट्रों ने अपनी जड़ों को भुला दिया, वे इतिहास में धीरे-धीरे कमजोर पड़ गए, किंतु भारत ने हर युग में अपने आत्मा को सुरक्षित रखा। आज जब हम पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, तब यह अवसर नई पीढ़ी को भारत के वास्तविक स्वरूप से परिचित कराने का भी है। यह पीढ़ी भारत की सांस्कृतिक विरासत की उत्तराधिकारी भी है। उसे यह समझना होगा कि भारत का उत्थान केवल आर्थिक प्रगति से संभव नहीं है। भारत तब पूर्ण रूप से विकसित और शक्तिशाली बनेगा, जब वह अपने आत्मा से जुड़कर आगे बढ़ेगा। श्री सोमनाथ मंदिर हमें यह भी स्मरण कराता है कि पुनर्निर्माण केवल भौतिक नहीं होता, वह मानसिक और राष्ट्रीय भी होता है। जब कोई समाज अपने टूटे हुए प्रतीकों को पुनः स्थापित करता है, तब वह केवल भवन नहीं बनाता, बल्कि अपने आत्मविश्वास को पुनर्जीवित करता है। पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर की 75वीं वर्षगांठ हमें यही प्रेरणा देती है कि राष्ट्र का स्वाभिमान उसकी सांस्कृतिक चेतना से जुड़ा होता है। यदि संस्कृति सुरक्षित है, तो राष्ट्र का भविष्य भी सुरक्षित है।

आइए, इस अवसर पर हम सब यह संकल्प लें कि भारत की महान सांस्कृतिक परंपरा, आध्यात्मिक विरासत और राष्ट्रीय मूल्यों को और अधिक सशक्त बनाएंगे। भावी पीढ़ियों को अपनी सभ्यता का गौरव समझाएंगे और अमृतकाल में भारत को उसके वास्तविक वैश्विक स्वरूप तक पहुंचाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे। जय सोमनाथ!

(लेखक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)
response@jagran.com

भारतीय राजनीति का बदलता चेहरा

डा. ऋतु सारस्वत

बंगाल में कलिता माझी, रेखा पात्रा, रत्ना देवनाथ की जीत ही वास्तविक नारी सशक्तीकरण है और ऐसा ही होना चाहिए

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के परिणामों ने इस बार केवल सत्ता का गणित नहीं बदला, बल्कि लोकतंत्र के अर्थ को भी एक नई सामाजिक व्याख्या दी है। आसग्राम से कलिता माझी, हिंगलगंज से रेखा पात्रा और पनिहाटी से रत्ना देवनाथ जैसी महिलाओं की जीत केवल चुनावी सफलता नहीं है। यहां एक घरेलू सहायिका है, एक श्रमिक और वंचित वर्ग से आई महिला है तो एक ऐसी मां भी है जिसने अपनी निजी पीड़ा और सामाजिक अपमान को अपनी शक्ति और दृढ़निश्चय में बदल दिया। इन महिलाओं की उपस्थिति भारतीय राजनीति के उस बदले हुए चेहरे को सामने लाती है, जहां पहली बार हाशिए पर खड़ी दिखाई देने वाली स्त्रियां सत्ता और प्रतिनिधित्व के केंद्र में दिखाई देने लगी हैं। इन महिलाओं की जीत को यदि हम मात्र चुनावी परिणाम के रूप में देखेंगे तो यह हमारी सामाजिक दृष्टि की असफलता होगी। चुनावी आंकड़ों और राजनीतिक विमर्शों से परे इन महिलाओं की जीत नारी सशक्तीकरण का हस्ताक्षर है। यही वह नारी सशक्तीकरण है, जिसका आह्वान स्वतंत्रता के बाद से लगातार किया जाता रहा है और जिसकी चर्चा बौद्धिक वर्ग वर्षों से करता आया है।

कलिता माझी, रेखा पात्रा और रत्ना देवनाथ जैसी महिलाओं की जीत के साथ स्वाभाविक अपेक्षा यह थी कि भारत में नारीवादी विचारधारा के समर्थक और उसके मुखर प्रवर्तक खुलकर इनके साथ खड़े दिखाई देंगे। यह अपेक्षा इसलिए भी थी, क्योंकि वर्षों से स्त्री-प्रतिनिधित्व, राजनीतिक भागीदारी और नेतृत्वकारी उपस्थिति को लेकर निरंतर आवाज उठाई जाती रही है। किंतु आश्चर्य यह है कि तमाम डिजिटल मीडिया मंचों से लेकर वैचारिक और बौद्धिक विमर्शों तक एक विचित्र-सी चुप्पी दिखाई देती है। वे स्वर, जो सामान्यतः स्त्री-अधिकारों और महिला नेतृत्व के प्रश्न पर अत्यंत मुखर दिखाई देते हैं, आज कहीं खो से गए हैं। नारीवादी चिंतक नैंसी फ्रेजर अपने चर्चित निबंध 'फ्राम रीडिस्ट्रिब्यूशन टू रिकग्निशन?' में इस बात पर गंभीर प्रश्न उठाती हैं कि यदि नारीवाद केवल कुछ सफल और

महिलाओं का बढ़े राजनीतिक प्रतिनिधित्व।फाइल

विशेषाधिकार प्राप्त महिलाओं की उपलब्धियों तक सीमित रह जाए तो वह समाज की वास्तविक असमानताओं को नहीं बदल सकता। शायद यही कारण है कि जब साधारण और संघर्षपूर्ण जीवन से निकली महिलाएं राजनीति और सार्वजनिक नेतृत्व तक पहुंचती हैं तो समाज उन्हें उतनी सहजता से स्वीकार नहीं कर पाता, जितनी सहजता से प्रभावशाली और संपन्न पृष्ठभूमि से आने वाली महिलाओं को स्वीकार करता है। बेल हुक्स ने अपनी पुस्तक 'फेमिनिस्ट थ्योरी : फ्राम मार्जिन टू सेंटर' में लिखा है कि मुख्यधारा का नारीवादी विमर्श लंबे समय तक मुख्यतः विशेषाधिकार प्राप्त महिलाओं के अनुभवों के इर्द-गिर्द केंद्रित रहा। शायद यही कारण है कि श्रम, अभाव और संघर्ष से निकली महिलाओं को वह सहज स्वीकार्यता, प्रशंसा और मान्यता नहीं मिल पाती, जो प्रभावशाली और संपन्न पृष्ठभूमि से आने वाली महिलाओं को अपेक्षाकृत आसानी से प्राप्त हो जाती है।

भारत की कोई भी राजनीतिक विचारधारा अथवा दल जब दलित, वंचित और संघर्षशील महिलाओं को मुख्यधारा की राजनीति तक पहुंचाने का अवसर देता है, तब सबसे पहले उन महिलाओं के साहस और संघर्ष को सम्मान मिलना चाहिए। उन्हें केवल किसी राजनीतिक दल के चश्मे से देखकर मौन हो जाना शायद उस व्यापक सामाजिक उद्देश्य को सीमित कर देना है, जिसकी बात दशकों से की जाती रही है। नारीवाद का उद्देश्य केवल स्त्रियों को प्रतिनिधित्व दिलाना नहीं, बल्कि लैंगिक शोषण और दमन की संरचनाओं को समाप्त करना है। स्त्री संघर्ष को केवल वैचारिक विमर्शों तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता, उसे उन महिलाओं के जीवनानुभवों, वर्गीय संघर्षों और सामाजिक यथार्थ के साथ भी जोड़कर समझना होगा, जो हाशिए से निकलकर नेतृत्व तक पहुंचती हैं। तब उसका प्रभाव केवल निजी उपलब्धि तक सीमित नहीं रहता। यह स्थिति समाज की लोकतांत्रिक कल्पना, स्त्री आकांक्षाओं और प्रतिनिधित्व की पारंपरिक सीमाओं को भी बदलती है।

विडंबना यह है कि स्त्री-प्रतिनिधित्व और महिला नेतृत्व की चर्चा करने वाले समाजों में भी, जब साधारण, श्रमिक या सामाजिक रूप से उपेक्षित पृष्ठभूमि की महिलाएं राजनीति में पहुंचती हैं तो उनकी उपस्थिति को लेकर एक सूक्ष्म असहजता दिखने लगती है। समस्या केवल स्त्री के राजनीति में आने की नहीं होती, बल्कि इस बात की भी होती है कि वह किस वर्ग और किस सामाजिक पृष्ठभूमि से आई है। समय आ गया है कि स्वयं को नारीवाद का समर्थक कहने वाला प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर झांककर यह प्रश्न पूछे कि क्या वह कहीं चयनात्मक नारीवाद का शिकार तो नहीं। यदि स्त्री संघर्ष और महिला नेतृत्व को भी पसंद-नापसंद तथा वैचारिक सुविधा के आधार पर स्वीकार किया जाएगा तो वह नारीवाद नहीं, चयनात्मक नारीवाद बनकर रह जाएगा।

(लेखिका समाजशास्त्र की प्रोफेसर हैं)
response@jagran.com

ऊर्जा

संभावनाएं

सृष्टि में सब कुछ अस्थायी है, किंतु जीवनदायी तत्वों की उपस्थिति हमेशा बनी रहती है, भले ही वे कभी परिलक्षित नहीं होते। इसीलिए धरती पर जीवन-प्रक्रिया सदा गतिमान रहती है। संभावना ऐसा ही तत्व है, जो आशाएं क्षीण होने पर भी तन-मन में जीवनी शक्ति का संचार करता है और संसाधनों के नष्ट होने पर भी सफलता के नए द्वार खोलता है। संभावनाओं का संसार व्यापक होने से ये जीवन को विस्तार देती हैं। अतः इनके रहते जीवन कभी नहीं मरता। यद्यपि विधाता ने सबको समान अवसर उपलब्ध कराए हैं, किंतु फलप्राप्ति खुद के आत्मविश्वास पर निर्भर करती है। धैर्य, साहस एवं पराक्रम विपरीत परिस्थितियों में भी नई संभावनाओं को जन्म देते हैं। जैसे प्रलयकाल के समय सब कुछ नष्ट हो जाने पर संभावनाएं पुनर्जीवन का इतिहास रचती हैं, उसी प्रकार उम्मीद न रहने पर भी संभावनाएं स्वयं उम्मीद बन जाती हैं। संभावनाएं साकार करने का सबसे बड़ा साधन शिक्षा है, किंतु अत्यधिक दबाव के कारण आज यही शिक्षा जीवन लेने का कारण बन रही है। असफल होने पर ही नहीं, कुछ कम अंक आने या रोजगार में देरी होने पर बच्चों में बढ़ रही अवसाद की प्रवृत्ति उनके जीवन को निगल रही है। शत-प्रतिशत अंक न ज्ञान में प्रवीणता के प्रमाण हैं, न नौकरी पाने की गारंटी। कम अंक होने पर भी श्रेष्ठतम ज्ञान नवीन संभावनाओं को जन्म देता है, क्योंकि ज्ञान से कुछ भी अलभ्य नहीं।

युवाओं के लिए पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम कहते हैं, 'आकाश की तरफ देखो, तुम अकेले नहीं हो। सारा ब्रह्मांड तुम्हारे लिए है। इसके अनंत विस्तार में तुम्हें अनंत संभावनाएं नजर आएंगी, जो जीवन को उच्च शिखर पर ले जाएंगी।' अतः असफल होने पर भी इस विषम जीवन-यात्रा में संभावनाओं की डोर कभी टूटनी नहीं चाहिए।

डा. सत्यप्रकाश मिश्र

फर्जी ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ नया कानून

सुनीता मिश्रा

हरियाणा सरकार ने विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर हो रही धोखाधड़ी पर लगाम कसने के लिए नया संशोधित कानून लागू किया है। 'हरियाणा रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन आफ ट्रैवल एजेंट्स (अमेंडमेंट) एक्ट, 2026' के तहत अब ट्रैवल एजेंट विदेश में नौकरी, वर्क परमिट, इमिग्रेशन या स्थायी नागरिकता दिलाने का दावा नहीं कर सकेंगे। उनका कार्य केवल यात्रा प्रबंधन और टूर सेवाओं तक ही सीमित रहेगा। यदि कोई एजेंट विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देता है या बिना अधिकृत अनुमति के भर्ती संबंधी गतिविधियां करता है, तो उसके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। नए कानून के तहत सात से 10 साल तक की जेल और पांच लाख रुपये तक के भारी जुर्माने का प्रविधान किया गया है। इससे उन फर्जी एजेंसियों पर रोक लगाने में मदद मिलेगी, जो कस्बों और गांवों में लुभावने विज्ञापन देकर युवाओं को फंसाती हैं।

> विदेश जाने की बढ़ती चाहत ने फर्जी एजेंटों का एक संगठित अवैध कारोबार खड़ा कर दिया है

विदेश जाने की बढ़ती चाहत ने फर्जी एजेंटों का एक संगठित अवैध कारोबार खड़ा कर दिया है। पंजाब और हरियाणा के अनेक गांवों में विदेश बसने को सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़कर देखा जाता है। इसी मानसिकता का फायदा एजेंट उठाते हैं। कई परिवार जमीन बेचकर या कर्ज लेकर बच्चों को विदेश भेजने के लिए लाखों रुपये एजेंटों को दे देते हैं। जब धोखाधड़ी सामने आती है, तब तक परिवार आर्थिक और मानसिक रूप से टूट चुका होता है। गत वर्षों में डंकी रूट के जरिये अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया और खाड़ी देशों में भेजे जाने के कई मामले सामने आए हैं। अवैध रास्तों से विदेश पहुंचने के दौरान अनेक युवक महीनों तक दूसरे देशों में फंसे रहे, जबकि कई युवकों की जान तक चली गई। मानव तस्करी का यह नेटवर्क केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि गंभीर सामाजिक खतरा बन चुका है। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में विश्व के विभिन्न प्रवासन मार्गों पर लगभग 7,900 लोगों की मृत्यु हुई या वे लापता हो गए।

युवाओं के सपनों को सुरक्षित और वैध अवसरों से जोड़ना ही इस कानून की वास्तविक सफलता होगी। इसके लिए राज्य सरकार को सभी ट्रैवल एजेंसियों का डिजिटल रजिस्ट्रेशन, नियमित आडिट एवं सार्वजनिक सत्यापन व्यवस्था विकसित करनी होगी, ताकि लोग आसानी से पता कर सकें कि कौन-सी एजेंसी अधिकृत है। साइबर निगरानी भी जरूरी है, क्योंकि इंटरनेट मीडिया के माध्यम से फर्जी एजेंट लगातार प्रचार करते हैं। स्कूलों, कालेजों और पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को बताया जाना चाहिए कि विदेश में रोजगार पाने के लिए केवल अधिकृत सरकारी चैनलों और मान्यता प्राप्त एजेंसियों पर ही भरोसा करें। विदेश मंत्रालय और प्रवासी भारतीय मामलों से जुड़े पोर्टलों की जानकारी गांवों तक पहुंचाई जानी चाहिए।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

बंगाल के सामने असली चुनौती

'बंगाल को पटरी पर लाने की चुनौती' शीर्षक से प्रकाशित आलेख में संजय गुप्त ने पश्चिम बंगाल की वर्तमान राजनीतिक और प्रशासनिक परिस्थितियों पर गंभीर प्रश्न उठाए हैं। उन्होंने संकेत दिया है कि बंगाल केवल चुनावी नारों और वैचारिक संघर्षों से आगे बढ़कर ही अपनी वास्तविक क्षमता प्राप्त कर सकता है। यह विचार महत्वपूर्ण है, क्योंकि कभी देश के औद्योगिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक नेतृत्व का केंद्र रहा बंगाल आज रोजगार पलायन, राजनीतिक हिंसा और आर्थिक ठहराव जैसी समस्याओं से जूझता दिखाई देता है। वास्तविक समस्या केवल सत्ता परिवर्तन की नहीं, बल्कि कार्यसंस्कृति और प्रशासनिक विश्वास की है। कोलकाता, हावड़ा और दुर्गापुर जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में पहले जैसी आर्थिक सक्रियता दिखाई नहीं देती। बड़ी संख्या में युवा आज रोजगार के लिए बेंगलुरु, पुणे और हैदराबाद की ओर पलायन कर रहे हैं। यह स्थिति केवल आर्थिक कमजोरी नहीं, बल्कि राज्य के भीतर घटते सामाजिक आत्मविश्वास को भी दर्शाती है। राजनीतिक दल एक-दूसरे पर हिंसा, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण के आरोप लगाते रहते हैं, लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य, लघु उद्योग और ग्रामीण निवेश जैसे बुनियादी मुद्दे अक्सर पीछे छूट जाते हैं। उत्तर बंगाल के चाय बागानों से लेकर सुंदरवन क्षेत्र तक स्थानीय अर्थव्यवस्था आज भी स्थायी विकास की प्रतीक्षा कर रही है। बंगाल को वास्तव में पटरी पर लाना है तो राजनीतिक संघर्ष से अधिक आर्थिक पुनर्निर्माण पर ध्यान देना होगा। केवल वैचारिक बहसें किसी राज्य को आगे नहीं बढ़ातीं। निवेश, रोजगार, कानून व्यवस्था और सामाजिक संतुलन ही किसी प्रदेश की स्थिर प्रगति का आधार बनते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि बंगाल अपनी बौद्धिक विरासत को आधुनिक आर्थिक दृष्टि से जोड़कर विकास की नई दिशा तलाशे।

awanishg30@gmail.com

संवाद का मंच बने लोकतंत्र

प्रो. मनोज कुमार झा का आलेख ''सरकार और देश में अंतर करना जरूरी'' पढ़ा। इसमें लोकतंत्र, असहमति और आलोचना के महत्व को रेखांकित किया गया है, जो किसी भी स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था का मूल तत्व है। लोकतंत्र में असहमति आवश्यक है, परंतु असहमति और निरंतर नकारात्मकता में भी स्पष्ट अंतर होता है। यदि हर राष्ट्रीय निर्णय, हर सुरक्षा नीति और हर प्रशासनिक कदम को केवल ''सत्ता बनाम जनता'' के चश्मे से देखा जाएगा, तो इससे लोकतांत्रिक विमर्श संतुलित नहीं, बल्कि पक्षपाती बनता है। एक विश्लेषक का दायित्व केवल प्रश्न उठाना नहीं, बल्कि परिस्थितियों, चुनौतियों और विकल्पों का संतुलित मूल्यांकन प्रस्तुत करना भी होता है। सरकार की आलोचना होनी चाहिए, परंतु ऐसी आलोचना जो समाधान, उत्तरदायित्व और राष्ट्रीय हित की भावना से प्रेरित हो, न कि केवल राजनीतिक ध्रुवीकरण से। लोकतंत्र तब मजबूत होता है जब सत्ता और विपक्ष दोनों राष्ट्रहित को दलगत सीमाओं से ऊपर रखें। यदि हर नीति को वैचारिक युद्धभूमि बना दिया जाएगा, तो लोकतंत्र संवाद का मंच न रहकर केवल टकराव का अखाड़ा बन जाएगा।

बिमलेश कुमार सिंह चौहान, लखनऊ

अपहरण की बढ़ती घटनाएं

भारत में अपहरण की घटनाएं पिछले एक दशक में बढ़ी हैं। एनसीआरबी के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। 70 वर्षों में लगभग 20 लाख अपहरण के मामले दर्ज हुए, जिनमें से 11 लाख मामले केवल पिछले एक दशक में सामने आए हैं। यानी अपराधों में इसकी हिस्सेदारी लगभग तीन गुना बढ़ गई है। अपराध की यह तेजी निश्चित रूप से चिंतनीय और विचारणीय है। आंकड़ों के अनुसार, कुल अपराधों में अपहरण की हिस्सेदारी 1953-62 के दौरान 1.01 प्रतिशत थी, जो 2013-24 के दौरान बढ़कर 3.04 प्रतिशत हो गई। आखिर सख्त कानून व्यवस्था कहां गुम हो गई है?

योगेश जोशी, बड़वाह

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें:
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: response@jagran.com

संस्थापक- स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक- स्व. नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन- महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक- संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001 से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा-201309 से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

80 प्रतिशत से अधिक शिक्षकों ने यह माना था कि रटने की प्रवृत्ति शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित करती है और विद्यार्थियों की समझ को सीमित कर देती है, देश में किए गए एक सर्वेक्षण की रिपोर्ट के अनुसार।

आजकल

डा. विकास सिंह
मैनेजमेंट गुरु तथा वित्तीय एवं समग्र विकास के विशेषज्ञ

आर्थिक प्रगति में तय हो सभी की भागीदारी

पिछले एक दशक में देश के सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास हुआ है। देश के लगभग सभी भौगोलिक इलाकों में इसे देखा और महसूस भी किया जा रहा है। परंतु इससे जुड़ा एक विरोधाभास यह भी सामने आ रहा है कि देश के करोड़ों परिवारों पर इस प्रगति का बहुत कम ही प्रभाव दिख रहा है। कमजोर मजदूरी, मझोले उद्योगों (एमएसएमई) पर दबाव और भारी-भरकम पूंजी निवेश ने उत्पादन और आय के बीच की खाई को और गहरा कर दिया है। इसका दुष्प्रभाव इन परिवारों पर दिख रहा है, जिसका समाधान करना होगा, तभी आर्थिक प्रगति का लाभ सभी को मिलेगा

देश के अनेक क्षेत्रों में बड़ी जनसंख्या अभी आर्थिक प्रगति की तेज गति से अछूती है जिसे इसका लाभ उपलब्ध कराने के लिए नीतिगत बदलाव करना होगा। फाइल

यह सही है कि हमारा देश तेजी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन देश के करोड़ों परिवार पीछे छूट रहे हैं। वित्त वर्ष 2026 में वास्तविक जीडीपी लगभग 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी, लेकिन निजी खपत सात प्रतिशत के आसपास ही रही। जहां सेवा क्षेत्र 9.9 प्रतिशत और इलेक्ट्रानिक्स उत्पादन 30 प्रतिशत से अधिक की रफ्तार से बढ़ रहे हैं, वहीं कृषि क्षेत्र- जहां देश का सबसे बड़ा वोट बैंक बसता है वह करीब 3.1 प्रतिशत पर सिमटा हुआ है। स्पष्ट है कि उत्पादन वहां बढ़ रहा है जहां नौकरियां कम हैं, और मजदूर वहां हैं जहां विकास की रफ्तार सुस्त है। यह विसंगति सीधे लोगों की जेब पर चोट कर रही है, जहां कमाई महंगाई के मुकाबले ठहर सी गई है। इतिहास गवाह है कि जो विकास आमदनी में नहीं बदलता, उसे जनता सत्ता से बाहर कर देती है।

दरअसल वोटर 'स्प्रेडशीट' देखकर नहीं, अपनी 'जेब' की ताकत देखकर फैसला करता है। इसे हम 'ट्रांसमिशन गैप' कह सकते हैं यानी हेडलाइन विकास दर और आम आदमी के 'कैश फ्लो' के बीच का फासला। भारत का विस्तार अब पूंजी-प्रधान हो गया है। बड़े प्लांट, लाजिस्टिक्स कारिडोर और डिजिटल प्लेटफार्म उत्पादन तो तेजी से बढ़ाते हैं, लेकिन उस रफ्तार से नौकरियां पैदा नहीं करते। कंपनियां उत्पादकता बढ़ाने पर जोर दे रही हैं, कांट्रैक्ट लेबर के जरिये जोखिम कम किया जा रहा है, लेकिन इसका नतीजा यह है कि वेतन का हिस्सा अर्थव्यवस्था में पिछड़ रहा है। ऊपर का हिस्सा तो चमक रहा है, लेकिन मध्य और निचला हिस्सा आज भी अपनी बारी का इंतजार कर रहा है।

वहीं दूसरी ओर जीएसटी कलेक्शन शानदार है, लेकिन बाजारों में कारोबार सुस्त है और उधारी बढ़ रही है। बाजार में कर्ज की मांग इसलिए नहीं है कि कंपनियां विस्तार कर रही हैं, बल्कि इसलिए है ताकि वे रोजमर्रा की नकद जरूरतों को पूरा कर सकें।

मझोले उद्योगों पर दबाव : पूंजीगत व्यय उत्पादन तो बढ़ाता है, लेकिन नौकरियां उतनी तेजी से पैदा नहीं होतीं। जब कंपनियां आटोमेशन अपनाती हैं, तो उत्पादन बढ़ने के बावजूद रोजगार के अवसर सीमित रह जाते हैं। रोजगार देने का असल जिम्मा मझोले उद्योगों का था, लेकिन वे स्वयं भारी दबाव में हैं। कम मुनाफा, मोलभाव की सीमित शक्ति और महंगी पूंजी उनके हाथ बांधे हुए है।

जीएसटी ने एक बाजार तो बनाया, लेकिन 'वर्किंग कैपिटल' का पूरा जोखिम छोटे उद्योगों पर डाल दिया। आज टैक्स बिल पर देना पड़ता है, न कि पैसा वसूल होने पर। सप्लाई चेन में जहां बड़े खरीदार 60 से 120 दिन में भुगतान करते हैं, वहां छोटा वेंडर इस 'टैक्स गैप' को भरने के लिए मजबूर होता है। वह कर्ज लेकर सरकार का टैक्स भरता है, वह भी उस पैसे पर जो उसे अभी मिला ही नहीं। जब बिल पर टैक्स पहले वसूला जाए और पैसा बाद में आए, तो एमएसएमई मालिक नई भर्ती करने के बजाय हाथ खींच लेता है।

यहां तक कि समाधान के लिए लाए गए नियम (जैसे 45 दिनों में भुगतान का नियम) भी नई मुसीबत बन रहे हैं। देनदारी से बचने के लिए कई बड़े खरीदार अब छोटे वेंडरों को आर्डर देने के बजाय उनसे किनारा कर रहे हैं। यह महज टैक्स का मामला नहीं है, यह पूरे 'कैश-फ्लो' के ढांचे की समस्या है। दरअसल आज का पूंजीगत निवेश आय के मुकाबले उत्पादन को तेजी से बढ़ा रहा है, क्योंकि यह मशीनों पर अधिक आधारित है। इस सदी के आरंभ में निर्माण और घरेलू आपूर्ति शृंखलाओं ने निवेश को मजदूरी में तेजी से बदला था। इसका गणित सरल है : वह बुनियादी ढांचा जो मजदूरों का पूरक है (जैसे स्थानीय निर्माण) वह 'वेज मल्टीप्लायर' (मजदूरी बढ़ाने वाला) बनता है। लेकिन वह ढांचा जो मजदूरों की जगह मशीनें लाता है (जैसे आटोमेशन हब) वह बिना आय बढ़ाए केवल उत्पादन बढ़ाता है।

रेवड़ी बनाम उत्पादकता : सरकारी इमदाद सरकार का 'वक्त' तो खरीद सकती है, लेकिन उसकी 'विरासत' केवल लोगों की बढ़ती आय से बनती है। सरकारें इस खाई को देख रही हैं और इसका आसान हल 'ट्रांसफर' (मुफ्त योजनाओं) में ढूंढ रही हैं। अगर बाजार आय नहीं दे पा रहा, तो राज्य सिलेंडर, राशन या नकद प्रोत्साहन दे देता है। संकट के समय यह मदद जरूरी है, लेकिन यह कोई स्थाई समाधान नहीं है। जब ये योजनाएं आदत बन जाती हैं, तो इनका राजनीतिक लाभ खत्म हो जाता है। हर वह रुपया जो इन योजनाओं में जाता है, वह उन संपत्तियों (सड़कों, सस्ती बिजली, ट्रेनिंग) पर खर्च नहीं हो पाता जो उत्पादकता और मजदूरी बढ़ा सकती हैं। जब ये योजनाएं विकास का विकल्प बन जाती हैं, तो आर्थिकी 'लो-प्रोडक्टिविटी' के दुष्चक्र में फंस जाती है, जहां राज्य केवल गरीबी का प्रबंधन करता है, समृद्धि का निर्माण नहीं।

महत्वाकांक्षा का ठहराव : भारत का युवा उस व्यवस्था के प्रति तर्कसंगत प्रतिक्रिया दे रहा है जो जोखिम लेने का इनाम नहीं देती। जब मझोले उद्योगों का विस्तार नहीं होता और औपचारिक नौकरियां धीमी गति से बढ़ती हैं, तो उद्यमिता का आकर्षण कम हो जाता है। नतीजा यह है कि युवा अब उद्यमी बनने के बजाय सरकारी नौकरियों या 'रेवड़ियों' की ओर भाग रहे हैं। यह बदलाव का आर्थिक संकेत है। जब व्यवस्था जोखिम की सही कीमत नहीं लगाती, तो महत्वाकांक्षा वहीं जाती है जहां आय निश्चित हो।

अंत में हमें यह समझना होगा कि विकास का पहिया अक्सर 'आखिरी मील' पर आकर रुक जाता है, क्योंकि केंद्र और राज्यों के बीच वित्तीय तालमेल की कमी है। केंद्र पूंजीगत व्यय पर खर्च करता है, जबकि राज्य कल्याणकारी योजनाओं और जमीनी स्तर पर डिलीवरी का बोझ उठाते हैं। साझा टैक्स और सशर्त ट्रांसफर्स ने जवाबदेही को बिखेर दिया है। इससे भुगतान में देरी होती है और स्थानीय कंपनियों का कैश-फ्लो रुक जाता है। जब प्रोत्साहन अलग-अलग दिशाओं में हों, तो पाइप से पानी लीक होना तय है- भले ही नल पूरी तरह खुला हो।

कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि भारत में विकास की कमी नहीं है, बल्कि उसके 'ट्रांसमिशन' की कमी है। पूंजी बन तो रही है, लेकिन वह आम आदमी तक पहुंचाई नहीं जा रही। चुनौती निवेश को आय में बदलने की है। भारतीय अर्थव्यवस्था की 'हाई-स्पीड रेल' को देखकर अब वोटर प्लेटफार्म पर खड़े होकर खुश नहीं है, वह उस ट्रेन के अंदर बैठना चाहता है। जीडीपी महज एक आंकड़ा है, असली हकीकत तो 'टेक-होम पे' ही है।

शहरी और उद्यम ढांचे में हो व्यापक सुधार

शहरीकरण विकास और मजदूरी के बीच का सेतु है। शहर नौकरियों को केंद्रित करते हैं और उत्पादकता बढ़ाते हैं। लेकिन आज भारतीय शहर आय बढ़ाने में नाकाम हो रहे हैं। भूमि नियमों की कठोरता, खराब सार्वजनिक परिवहन और महंगे मकान मजदूरों पर 'टैक्स' की तरह हैं। भारत की प्रति व्यक्ति आय लगभग 2.3 लाख रुपये है, लेकिन शहरों में रहने का खर्च इसे खा जाता है। महानगरों में कर्मचारी अपनी कमाई का 20 से 30 प्रतिशत हिस्सा केवल किराए और दफ्तर आने-जाने में खर्च कर देते हैं। अगर एक कर्मचारी अपनी कमाई का पांचवां हिस्सा केवल काम पर पहुंचने के लिए खर्च करता है, तो विकास उसके लिए पहले ही विफल हो चुका है। शहरी सुधार महज दिखावा नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आर्थिक नीति है।

निवेश की मात्रा बनाम गुणवत्ता : भारत ने निवेश की मात्रा की समस्या सुलझा ली है, लेकिन गुणवत्ता अभी भी एक चुनौती है। सरकारी निवेश को अब ऐसे निजी निवेश का रास्ता साफ करना चाहिए जो रोजगार-प्रधान हो। वह पूंजी जो मजदूरों की पूरक बने, वही आय बढ़ाती है। हमें ऐसे क्षेत्रों (कपड़ा, फूड प्रोसेसिंग, निर्माण और पर्यटन) को बढ़ावा देना होगा जो बड़े पैमाने पर मजदूरों को खपा सकें। सिर्फ उत्पादन पर आधारित प्रोत्साहन पर्याप्त नहीं हैं, रोजगार से जुड़े प्रोत्साहन व्यवहार बदलते हैं। निजी निवेश तभी बढ़ेगा जब नियम स्थिर और विश्वसनीय होंगे। वहीं गतिशीलता के बिना विकास केवल कुंठा पैदा करता है। समावेशी विकास का अर्थ सिर्फ बांटना नहीं, बल्कि शिक्षा, वित्त और बाजार तक सबकी पहुंच सुनिश्चित करना है। ट्रेनिंग सेंटरों को पैसा मजदूरों के नामांकन पर नहीं, बल्कि उनके रोजगार पर मिलना चाहिए। मकान, परिवहन और सुरक्षा यह तय करते हैं कि क्या मजदूर वहां जा सकता है जहां नौकरी है। जब गतिशीलता रुकती है, तो अवसर स्थानीय रह जाते हैं और मजदूरी कम बनी रहती है।

पहचान बनाम आय : पहचान की राजनीति इस कहानी में खत्म नहीं होती, लेकिन वह सिकुड़ जाती है। वह एक वोट बैंक का आधार तो बन सकती है, लेकिन जीत की गारंटी नहीं। जहां आय बढ़ती है, वहां पहचान के मुद्दे धुंधले पड़ जाते हैं, जहां आमदनी रुकती है, वहां पहचान के मुद्दे सिर उठाते हैं। पहचान करीबी मुकाबलों को प्रभावित कर सकती है, लेकिन चुनाव केवल आय ही तय करती है।

व्यावहारिक एजेंडा : सरकारी खरीद में समय पर भुगतान और देरी पर ब्याज सुनिश्चित हो। छोटे उद्योगों के लिए नकद-आधारित जीएसटी विकल्पों पर विचार हो। रोजगार-प्रधान क्षेत्रों को बढ़ावा दें और प्रोत्साहन राशि को नौकरियों की संख्या से जोड़ें। ट्रेनिंग को सीधे प्लेसमेंट से जोड़ें और अप्रेंटिसशिप का विस्तार करें। पब्लिक ट्रांसपोर्ट और भूमि सुधारों के जरिये शहरी रहने की लागत कम करें ताकि 'वास्तविक वेतन' बढ़ सके। कर व्यवस्था और अदालती प्रक्रिया को विश्वसनीय बनाएं, ताकि निजी निवेश निर्बाध रूप से आए।

(डा. विकास सिंह)

खरी-खरी

बास की धौंस

विनोद कुमार विक्की

भारतीय लोकतंत्र में जनता को बास माना गया है, लेकिन कुछ दिनों पूर्व देश के सुप्रीमो ने पार्टी अध्यक्ष को अपना बास संबोधित करके सनसनी फैला दी थी। बंगाल चुनाव परिणाम के बाद राष्ट्रीय मंच पर बास को माला अर्पित करते हुए बास की महिमा का मंडन भी किया गया।

बास कोई व्यक्ति-वाचक संज्ञा नहीं, बल्कि भाव-वाचक संज्ञा है, जिससे मानसिक, शारीरिक और पदगत भाव का बोध होता है। कुर्सी मिलते ही साधारण मनुष्य में बास का अवतार हो जाता है। आवाज अपने आप भारी हो जाती है और चेहरे पर ऐसा भाव आ जाता है मानो पूरी व्यवस्था उसी पर टिकी हो।

सरकारी दफ्तरों में बास वह प्राणी होता है जो फाइल को देखकर नहीं, कर्मचारी को देखकर फैसला करता है। फाइल मोटी हो तो बास पतला हो जाता है और कर्मचारी दुर्बल हो तो बास ईगो से मोटा। कारपोरेट सेक्टर में बास की भूमिका कुछ अलग नहीं, बस वहां डांट अंग्रेजी में होती है और तनाव पैकेज में मिलता है। बास को यह भ्रम नहीं, बल्कि दृढ़ विश्वास होता है कि उसके बिना यह संस्थान एक दिन भी नहीं चल सकता। हालांकि बास के अवकाश पर जाने के बाद भी संस्थान चलता रहता है, बल्कि बेहतर ही चलता है, लेकिन यह तथ्य बास के ज्ञानकोष में 'गोपनीय' श्रेणी में रखा जाता है।

बास की डांट में तर्क नहीं, स्वर होता है। और स्वर में ऐसा कंपन कि कर्मचारी की आत्मा तक फाइल नोटिंग करने लगती है। कारपोरेट बास सास की तरह होता है, बहू (कर्मचारी) चाहे जितना काम कर ले, तारीफ पड़ोस की कंपनी को ही मिलेगी। जबकि सरकारी बास सांस की तरह होता है, दिखाई नहीं देता, लेकिन दबाव हर समय बना रहता है।

बातें बास की हो, तो इस प्रसंग में बिग बास की चर्चा भी उल्लेखनीय है, जहां बास दिखता तो नहीं, लेकिन कैमरों के जरिये धौंस पूरे देश में टीवी पर प्रसारित होती है। कभी काला हिरण, कभी बिश्नोई, कभी उटपटांग बयानबाजी के कारण बिग बास चर्चा में आ ही जाते हैं।

बहरहाल, राजनीति की मुख्यधारा में बास के पदार्पण के साथ अब सभी क्षेत्र बासमय हो चुका है।

पोस्ट

अखिलेश दो बार हारे। तेजस्वी दो बार हारे। शरद पवार पार्टी नहीं बचा पाए। उद्धव ठाकरे की पार्टी टूट गई। केजरीवाल अपनी सीट हार गए। ममता दो बार अपनी सीट हारीं। स्टालिन अपनी सीट हार गए। नवीन पटनायक अपनी सीट हार गए। लेकिन सीखने को कोई तैयार नहीं।
आशुतोष@ashutosh83B

विजय के पास 108 सीटें हैं, जबकि भाजपा को हटा दें तो अन्नाद्रमुक के ए. पलानीस्वामी के पास 46 सीटें हैं। विजय अगर इसके साथ मिलकर सरकार बनाते तो सरकार चलाना अपेक्षाकृत आसान होता।
मुथुकृष्णन@dmuthuk

अभिनेता से नेता बने एमजीआर के माता-पिता मलयाली थे। सुपरस्टार रजनीकांत की मातृभाषा मराठी है। विजय ईसाई हैं, लेकिन हिंदू बहुल तमिलनाडु की जनता ने उन्हें उनके पहले ही चुनाव में मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचा दिया। लोगों के दिलों को जीतने के मामले में तमिलनाडु में न तो धार्मिक पहचान आड़े आती है और न ही भाषाई दीवार।
स्टैनले जानी@johnstanly

जागरण जनमत

कल का परिणाम

तमिलनाडु में जोसेफ विजय के नेतृत्व में 5 साल स्थिर सरकार चलने की उम्मीद है?

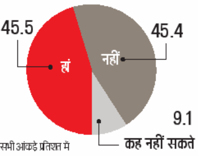

सभी आंकड़े प्रतिशत में

आज का सवाल

क्या द्रमुक और कांग्रेस के रिश्तों में खटास आइएनडीआइए की स्थिति को कमजोर करेगी?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है

जनपथ

ममता की सत्ता गई जो बनती थीं 'मर्द',
बगल बांग्लादेश में कुछ को होता दर्द।
कुछ को होता दर्द कह रहे लड़ो लड़ाई,
देंगे पूरा साथ बांग्लादेशी भाई!
शुभचिंतक हैं कौन? गौर से देखे जनता!
किसके दम पर कूद रही थीं दीदी ममता!!
-ओम प्रकाश तिवारी

अजय शुक्ला
ajay.shukla@lko.jagran.com

उत्तर प्रदेश डायरी

हाई कोर्ट में राहुल गांधी की नई घेराबंदी

राहुल गांधी के विरुद्ध देशभर में मुकदमे चल रहे हैं। वह भी अपने खिलाफ दायर मुकदमों का अकसर सार्वजनिक रूप से जिक्र किया करते हैं, लेकिन अब तक चर्चा में दो ही मुकदमे रहे। एक, गुजरात में मानहानि का जिसमें उनकी सदस्यता गई, सरकारी बंगला गया और फिर सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने पर सदस्यता बहाल हुई। दूसरा, नेशनल हेराल्ड का मामला जिसमें सोनिया गांधी और राहुल से घंटों ईडी ने पूछताछ की। हालांकि, इस मुकदमे में भी उन्हें, फौरी तौर पर ही सही राहत मिल गई। ज्यादातर मुकदमे मानहानि के हैं (जैसे सुलतानपुर, सूरत, मुंबई और गुवाहाटी) और उनमें अधिक सजा की गुंजाइश भी नहीं बनती, लेकिन मुकदमे चल रहे हैं और कुछ भी हो सकता है। यह तो अतीत की बात है, लेकिन लखनऊ से उनके लिए नई परेशानी पैदा हो रही है। यह पहली बार है जब उनके खिलाफ हाई कोर्ट तक एक मामला पहुंचा जो आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने से जुड़ा है। अभी तक उनके विरुद्ध आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का कोई प्रत्यक्ष आरोप या मुकदमा नहीं है।

कर्नाटक मूल के भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में आय से अधिक संपत्ति का मामला दायर किया है। याचिका में सीबीआइ, ईडी, सीबीडीटी और यूपी पुलिस को पक्षकार बनाते हुए कहा गया है कि राहुल गांधी ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित कर रखी है। इसका कोई ज्ञात स्रोत नहीं है। उनकी संपत्तियों की जांच देश की उच्चस्तरीय एजेंसियों से कराना आवश्यक है। मामले में अभी तक दो बार सुनवाई हो चुकी है और कोर्ट ने केंद्र व राज्य सरकार को 12 मई तक उत्तर दाखिल करने का समय दिया है। इसके बाद कोर्ट तय करेगी कि मामला सुनवाई योग्य है या नहीं।

राहुल गांधी फाइल

राजनेताओं के विरुद्ध ऐसे मामले अदालतों तक पहुंचना कोई नई बात नहीं है और न ही इससे यह तय हो जाता है कि फलां राजनेता ने अनैतिक और विधि विरुद्ध काम किया ही है, लेकिन यहां याची की पृष्ठभूमि इस मामले को खास बना देती है। याची एस विग्नेश शिशिर बेंगलुरु के एक कारोबारी हैं। वे खुद को भाजपा का सदस्य, राष्ट्रवादी और देशभक्त बताते हैं। इंटरनेट मीडिया प्रोफाइल में वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ाव का भी दावा करते हैं। एस विग्नेश शिशिर यह ताजा मामला दायर करने के पहले राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता (ब्रिटिश व भारतीय) का मामला भी हाई कोर्ट तक दो बार पहुंचा चुके हैं। यह वही मामला है जो सबसे पहले सुब्रहमण्यम स्वामी ने 2015-19 के बीच उठाया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने यह कहकर इसे तवज्जो नहीं दी कि महज एक कंपनी के दस्तावेजों में 'ब्रिटिश' लिखे होने से नागरिकता सिद्ध नहीं होती।

एस विग्नेश शिशिर का दावा है कि राहुल के पास दो नहीं, छह देशों की नागरिकता है और उनके पास इसके पुख्ता साक्ष्य हैं। पहली बार जब हाई कोर्ट ने उनकी याचिका यह कहकर खारिज कर दी कि वह अन्य फोरम पर अपने साक्ष्य लेकर दावा कर सकते हैं, तो उन्होंने दोबारा रायबरेली और लखनऊ की एमपी-एमएलए कोर्ट होते हुए मामला हाई कोर्ट तक पहुंचा दिया। 17 अप्रैल को कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए मौखिक रूप से एफआइआर दर्ज करने के आदेश दे दिए थे, लेकिन बाद में कानूनी बारीकियों (आरोपी को नोटिस देने की अनिवार्यता) को देखते हुए इस पर अस्थायी रोक लगा दी। इस पर इंटरनेट मीडिया पर टिप्पणियां हुईं (खासतौर पर याचिकाकर्ता की तरफ से) तो न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने खुद को इस केस से अलग कर लिया। अब प्रकरण मुख्य न्यायाधीश के पास है, ताकि वह इस पर नई बेंच का गठन करें। याची के इस अतीत को देखते हुए आय से अधिक संपत्ति और नागरिकता से जुड़े दस्तावेजों की फाइल को कोर्ट ने सील्ड कवर में सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। चर्चा है कि भविष्य में यह दोनों मामले कुछ न कुछ सियासी गुल अवश्य खिलाएंगे। नजर अब केंद्र व राज्य सरकारों के जवाब पर है।

सम्मान पर घमासान : किसका सम्मान अधिक और कौन ज्यादा 'माननीय'? कार्यपालिका और व्यवस्थापिका के शीर्षस्थजनों में यह पुरानी रार है जो यूपी में नए संदर्भों के साथ चर्चा में है। इलाहाबाद हाई कोर्ट में भी पिछले दिनों यह मामला चर्चा में रहा। एक याचिका निस्तारित करते हुए न्यायमूर्तिगण जेजे मुनीर और तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने व्यवस्था दी कि 'केंद्र और राज्य सरकारों के मंत्री, सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जज, लोकसभा व राज्यसभा के अध्यक्ष/ सभापति, राज्य विधानसभाओं के अध्यक्ष तथा सांसद व विधायक 'माननीय' संबोधन के अधिकारी हैं।' हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह सम्मानसूचक संबोधन सिविल सेवकों पर लागू नहीं होता है, चाहे उनका पद कितना भी ऊंचा क्यों न हो। इधर मुख्य सचिव ने भी एक के बाद एक 16वां शासनादेश जारी कर सिविल सेवकों को विधायिका के माननीयों को अपेक्षित प्रोटोकाल देने के निर्देश दिए हैं, लेकिन सिविल सेवक हैं कि सेवकाई के लिए मानने को तैयार ही नहीं!

मंथन

पीयूष कुमार दुबे
असिस्टेंट प्रोफेसर, कालेज आफ वोकेशनल स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रश्नपत्रों के स्वरूप पर विचार

हमारी शिक्षा प्रणाली में मूल्यांकन की पद्धति में कई स्थानों पर स्मरण के स्तर पर ठहराव है, जिस कारण छात्र अपनी तैयारी उसी अनुरूप करते हैं। इस पद्धति में परिवर्तन होना चाहिए

हर युग की अपनी शैक्षिक आवश्यकताएं होती हैं और समय के साथ शिक्षा की पद्धतियां तथा मूल्यांकन के मानदंड भी बदलते हैं। किंतु 21वीं सदी के तीसरे दशक में प्रवेश कर जाने के बाद भी हमारी परीक्षा-प्रणाली का एक बड़ा हिस्सा अब भी स्मृति-आधारित प्रश्नों पर टिका हुआ है। आज भी अनेक विषयों में विद्यार्थियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे तिथियां, नाम, घटनाएं और सूचनाएं यथावत याद रखें और परीक्षा में पुनः प्रस्तुत कर दें। हम विद्यार्थियों की किस क्षमता का परीक्षण करना चाहते हैं? क्या हम यह जानना चाहते हैं कि उन्हें कितनी बातें याद हैं या यह कि वे जो पढ़ते हैं उसे समझते भी हैं? यह प्रवृत्ति विशेष रूप से भाषा और सामाजिक विज्ञान में अधिक स्पष्ट है, जहां स्वभावतः समझ, व्याख्या और दृष्टिकोण की अपेक्षा की जानी चाहिए।

विचार करने की बात यह है कि क्या किसी व्यक्ति का जन्म-वर्ष याद रखना या किसी घटना की तिथि बता देना वास्तव में उस विषय की समझ का प्रमाण है। यह जानकारी उपयोगी अवश्य हो सकती है, किंतु क्या वर्तमान में यह किसी शैक्षिक लक्ष्य की पूर्ति में सहायक हो सकती है? यदि विद्यार्थी पाठ के भीतर निहित विचार को न समझ सके, उसके आशय को न ग्रहण कर सके, तो मात्र तथ्य-स्मरण से वह कितनी दूर तक जा सकेगा, यह विचारणीय है। शिक्षा के क्षेत्र में हुए अध्ययनों ने इस अनुभव को पुष्ट किया है कि स्मरण-आधारित अधिगम प्रायः सतही होता है। विभिन्न शैक्षिक शोध यह संकेत करते हैं कि रटकर सीखी गई सामग्री का एक बड़ा हिस्सा कुछ ही समय में विस्मृत हो जाता है, जबकि अर्थपूर्ण अधिगम दीर्घकालिक स्मृति में अधिक स्थिर रहता है।

परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों के पैटर्न में समयानुकूल बदलाव होना चाहिए। फाइल

गत वर्ष नेशनल यूनिवर्सिटी आफ मलेशिया के शिक्षकों द्वारा किए गए अध्ययन में यह पाया गया कि अर्थपूर्ण या संदर्भ-आधारित अधिगम भाषा कौशल के विकास में स्मरण-आधारित अधिगम की तुलना में अधिक प्रभावी सिद्ध होता है। अध्ययन में पाया गया कि जिन विद्यार्थियों ने शब्दों और अवधारणाओं को केवल याद करने के बजाय उनके प्रयोग, संदर्भ और अर्थ के साथ सीखा, उन्होंने न केवल बेहतर प्रदर्शन किया, अपितु भाषा को समझने और उसे व्यवहार में लाने की क्षमता भी अधिक विकसित की। स्पष्ट है कि सीखने की प्रक्रिया जब संदर्भ और अनुभव से जुड़ती है, तब वह अधिक स्थायी, प्रभावी और सार्थक बन जाती है। यदि इस दृष्टि से हम अपने प्रश्न-पत्रों को देखें, तो एक असंगति स्पष्ट दिखाई देती है। शिक्षा की दिशा जहां गहनता और विचार की ओर बढ़ रही है, वहीं मूल्यांकन की पद्धति अब भी अनेक स्थानों पर स्मरण के स्तर पर ठहरी हुई है। परिणामस्वरूप विद्यार्थी भी अपनी तैयारी उसी अनुरूप करते हैं।

यह भी सही है कि स्मरण का अपना एक स्थान है। गणित और विज्ञान जैसे विषयों में मूलभूत तथ्यों और सूत्रों का स्मरण रहना आवश्यक होता है, क्योंकि वही आगे के अध्ययन की आधारभूमि बनते हैं। परंतु समस्या तब उत्पन्न होती है, जब यह स्मरण अनावश्यक रूप से उन विषयों पर भी आरोपित कर दिया जाता है, जहां उसकी उतनी अपेक्षा नहीं है। भाषा और सामाजिक विज्ञान जैसे क्षेत्रों में, जहां विचार व अभिव्यक्ति का महत्व अधिक है, वहां यदि प्रश्न केवल तथ्य-स्मरण तक सीमित रह जाएं, तो शिक्षा का उद्देश्य संकुचित हो जाता है।

भारत सरकार द्वारा इस समस्या को समझते हुए ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति में यह स्पष्ट किया गया है कि शिक्षा को केवल सूचना-स्मरण तक सीमित नहीं रखा जा सकता। इसी दिशा में केंद्रीय स्तर पर यह प्रयास किया गया है कि बोर्ड परीक्षाओं में लगभग 40 प्रतिशत प्रश्न योग्यता आधारित बनाए जाएं, जिससे विद्यार्थियों की वास्तविक समझ का मूल्यांकन संभव हो सके।

वस्तुतः सूचना अब दुर्लभ नहीं रही; वह सहज उपलब्ध है। ऐसे में शिक्षा का केंद्र सूचना-संग्रह न होकर उसकी समझ और उपयोग होना चाहिए। यदि हम अब भी विद्यार्थियों को उसी कसौटी पर परखते रहेंगे, जो केवल स्मरण पर आधारित है, तो हम उन्हें उस वास्तविक ज्ञान से दूर कर देंगे, जिसकी आज आवश्यकता है। अतः सभी परीक्षाओं में प्रश्न-पत्रों के स्वरूप पर गंभीरता से पुनर्विचार करना आवश्यक है। विशेषकर उन विषयों में, जहां विचार और व्याख्या की संभावनाएं अधिक हैं। वहां ऐसे प्रश्न होने चाहिए, जो विद्यार्थी को पाठ के भीतर उतरने, उसके अर्थ को समझने और दृष्टिकोण को अभिव्यक्त करने का अवसर दें।

अंततः बात इतनी ही है कि शिक्षा को यदि ज्ञान का माध्यम बनाना है, तो उसे स्मरण की सीमा से आगे बढ़ाना होगा। संतोषजनक है कि इस दिशा में अब गंभीर प्रयास भी दिखाई देने लगे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मूल उद्देश्य ही शिक्षा को रटने की प्रवृत्ति से बाहर निकालकर समझ, अनुप्रयोग और चिंतन पर आधारित बनाना है। यह परिवर्तन भले ही क्रमिक और समयसाध्य हो, किंतु इसकी दिशा आश्वस्त करने वाली है।

बल्लेबाज	रन
हेनरिक क्लासिन	494
अभिषेक शर्मा	475
केएल राहुल	468

गेंदबाज	विकेट
भुवनेश्वर कुमार	21
अंशुल कंबोज	19
कैगिसो रबाडा	18

उर्विल के तूफान में उड़े सुपर जायंट्स

चेन्नई ने लखनऊ को पांच विकेट से हराया उर्विल ने 13 गेंद में अर्धशतक जड़ की यशस्वी की बराबरी

अर्धशतक के बाद उर्विल • प्रेट्र

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: चेन्नई के चिन्नास्वामी स्टेडियम में रविवार को चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के उर्विल पटेल (65) ने ऐसी तूफानी पारी खेली, जो आइपीएल के इतिहास में हमेशा याद रखी जाएगी। उर्विल ने केवल 13 गेंदों में पचासा जड़कर न केवल सबसे तेज अर्धशतक लगाने के यशस्वी जायसवाल के रिकार्ड की बराबरी की, बल्कि उनकी इस तूफानी पारी के दम पर चेन्नई ने लखनऊ सुपर जायंट्स को पांच विकेट से हराकर प्लेआफ की उम्मीदों को जिंदा रखा। लखनऊ ने जोश इंग्लिस (85) के अर्धशतक के दम पर पावरप्ले में ही एक विकेट पर 91 रन बना लिए थे, लेकिन इसके बाद टीम ने लगातार विकेट गंवाए और 204 के स्कोर तक ही पहुंच सकी। चेन्नई ने चार गेंद शेष रहते सात विकेट पर 208 रन बनाकर जीत दर्ज की। 2019 के बाद यह पहला मौका है जब चेन्नई ने 180 से अधिक रन का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया।

उर्विल ने बदला मैच: लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई को संजू सैमसन (28) और कप्तान रुतुराज गायकवाड़ (42) ने अच्छी शुरुआत दिलाई। सैमसन के आउट होने के बाद नंबर तीन पर आए उर्विल पटेल ने मैच का पूरा रंग बदल दिया। गुजरात के इस 27 वर्षीय बल्लेबाज ने पहली गेंद पर एक रन लेने के बाद अगली सात गेंदों में 6, 6, 6, 6, 6, 4, 6 जड़ते हुए लखनऊ की गेंदबाजी की बखियां उधेड़ दीं। उर्विल ने महज 23 गेंदों पर 65 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें दो चौके और आठ गगनचुंबी छक्के शामिल रहे। उन्होंने आवेश खान, दिग्वेश राठी और शमी जैसे गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। उन्होंने आवेश के एक ओवर में लगातार तीन छक्के लगाए, जबकि राठी के विरुद्ध 25 रन बटोरे। शमी की गेंद पर उनके सिर के ऊपर से लगाया गया छक्का दर्शकों के लिए खास आकर्षण रहा। उनके तूफान के दम पर चेन्नई ने पावरप्ले में 97 रन बना डाले थे। शहबाज ने उर्विल को आवेश के हाथों कैच कराकर उनकी पारी समाप्त की।

लखनऊ की खराब फील्डिंग: उर्विल के आउट होने के बाद ऐसा लग रहा था कि चेन्नई आसानी से जीत दर्ज कर लेगी लेकिन लखनऊ ने हार नहीं मानी। शाहबाज अहमद ने लगातार विकेट लेकर मुकाबले को रोमांचक बना दिया, जबकि दिग्वेश राठी ने ब्रेविस को आउट कर दबाव बढ़ाया। आवेश खान ने कार्तिक को चलता किया तो मुकाबला आखिरी दो ओवरों तक खिंच गया। अंतिम दो ओवरों में चेन्नई को 21 रन चाहिए थे। आवेश के ओवर में लखनऊ ने दो कैच टपकाए, जिसका खामियाया टीम को भुगतना पड़ा। पहली ही गेंद पर दिग्वेश राठी ने प्रशांत वीर का कैच टपकाया, इसके बाद अगली गेंद पर पूरन ने फिर प्रशांत का कैच टपकाया। पहले प्रशांत ने अहम छक्का जड़ा, फिर शिवम ने एडेन मार्करम के खिलाफ लगातार दो छक्के उड़ाकर चेन्नई को चार गेंद शेष रहते यादगार जीत दिला दी।

पारी पिता को की समर्पित

अर्धशतक पूरा करने के बाद उर्विल ने अपनी जेब से एक पर्ची निकाली, जिस पर भावुक मैसेज लिखा हुआ था। उर्विल ने अर्धशतकीय पारी को अपने पिता को समर्पित किया। उर्विल ने पर्ची में लिखा था कि, दिस इज फार यू पापा (पापा ये आपके लिए)। यह भावुक संदेश उनके पिता मुकेश पटेल के लिए था, जिन्होंने उन्हें क्रिकेटर बनाने में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा पर्ची में गुजराती में भी कुछ शब्द लिखे थे, जिनका अर्थ है साधी, जोगनी, मेलडी, गोगा और सिकोतर माता का आशीर्वाद, जो देवी-देवताओं के नाम हैं।

आइपीएल में सबसे तेज अर्धशतक

गेंद	बल्लेबाज	बनाम	वर्ष
13	यशस्वी जायसवाल राजस्थान	केकेआर	2023
13	उर्विल पटेल (सीएसके)	लखनऊ सुपर जायंट्स	2026
14	केएल राहुल (पंजाब)	दिल्ली कैपिटल्स	2018
14	पैट कमिंस (केकेआर)	मुंबई इंडियंस	2022
14	रोमारियो शेफर्ड (आरसीबी)	चेन्नई सुपरकिंग्स	2025

स्कोर बोर्ड

टास: चेन्नई सुपर किंग्स (गेंदबाजी) परिणाम: चेन्नई पांच विकेट से जीता

लखनऊ सुपर जायंट्स : 203/8 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
इंग्लिस का. संजू बो. ओवरटन	85	33	10/6
मार्श का. ब्रेविस बो. अंशुल	10	10	0/1
पूरन का. सब बो. नूर	1	3	0/0
पंत बो. ओवरटन	15	12	2/0
मार्करैम रन आउट	6	7	0/0
अक्षत का. उर्विल बो. ओवरटन	18	18	1/0
शहबाज अविजित	43	25	3/3
हिम्मत बो. अंशुल	17	12	1/1
शमी रन आउट	0	1	0/0
आवेश अविजित	0	0	0/0

अतिरिक्त : 8 (लेबा : 2, वा: 5, नोबा : 1)
विकेटपतन : 1-77 (मार्श, 5.1), 2-92 (पूरन, 6.2), 3-112 (इंग्लिश, 9.1), 4-115 (पंत, 9.4), 5-130 (मार्करैम, 12.1), 6-147 (अक्षत, 14.2), 7-197 (हिम्मत, 19.4), 8-197 (शमी, 19.5)
गेंदबाजी : अकील 4-0-49-0, मुकेश 4-0-45-0, अंशुल 4-0-47-2, नूर 4-0-24-1, ओवरटन 4-0-36-3

चेन्नई सुपर किंग्स: 208/5 (19.2 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
संजू बो. दिग्वेश	28	14	3/2
गायकवाड़ बो. शहबाज	42	28	3/2
उर्विल का. आवेश बो. शहबाज	65	23	2/8
कार्तिक का. अक्षत बो. आवेश	20	20	1/0
ब्रेविस बो. दिग्वेश	10	12	1/0
शिवम अविजित	15	7	0/2
प्रशांत अविजित	18	12	0/2

अतिरिक्त : 10, विकेटपतन : 1-45 (संजू, 3.4), 2-126 (उर्विल, 9.2), 3-149 (गायकवाड़, 12.5), 4-169 (ब्रेविस, 15.6), 5-169 (उर्विल, 16.1), गेंदबाजी : शमी 4-0-37-0, प्रिंस 4-0-36-0, दिग्वेश 4-0-45-2, आवेश 4-0-45-1, शहबाज 3-0-30-2, मार्करैम 0.2-0-14-0

अंक तालिका		मैच	जीत	हार	रद	नेट रन रेट	अंक
4	आरसीबी	11	7	4	0	+1.103	14
1	हैदराबाद	11	7	4	0	+0.737	14
2	गुजरात	11	7	4	0	+0.228	14
3	पंजाब	10	6	3	1	+0.571	13
5	चेन्नई	11	6	5	0	+0.185	12
6	राजस्थान	11	6	5	0	+0.082	12
7	कोलकाता	10	4	5	1	-0.169	9
8	दिल्ली	11	4	7	0	-1.154	8
9	मुंबई (E)	11	3	8	0	-0.585	6
10	लखनऊ (E)	11	3	8	0	-0.907	6

प्लेआफ का दावा पक्का करने उतरेगी पंजाब

नीरज व्यास • जागरण

अक्षर श्रेयस

दिल्ली कैपिटल्स से आज होगा सामना, लगातार तीन मुकाबले हार चुकी है पंजाब किंग्स टीम

धर्मशाला: आइपीएल 2026 में महत्वपूर्ण मुकाबले में पंजाब किंग्स सोमवार को धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स का सामना करेंगे। प्लेआफ की दौड़ में बने रहने के लिए यह मुकाबला पंजाब के लिए महत्वपूर्ण है। दोनों ही टीमों ने रविवार को स्टेडियम में अभ्यास किया। अगर पंजाब की बात करें तो यह टीम लगातार तीन हार के बाद दबाव में है और अब वह घरेलू मैदान पर वापसी की कोशिश करेगी। धर्मशाला में पंजाब अपने आखिरी तीन मुकाबले खेलेगी। आइपीएल की शुरुआत में शानदार प्रदर्शन करने वाली पंजाब किंग्स कुछ समय पहले तक टूर्नामेंट की इकलौती अजेय टीम थी, पर अब टीम जीत की पटरी से उतर चुकी है। पिछले मैच में टीम का क्षेत्ररक्षण खराब रहा था। कैच छोड़ने की वजह से टीम को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इसके अलावा अर्शदीप सिंह की अगुआई वाला तेज गेंदबाजी आक्रमण भी काफी रन लुटा रहा है।

बल्लेबाजी में प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह की सलामी जोड़ी अच्छी शुरुआत के बाद निरंतरता बनाए रखने में नाकाम रही है। वहीं दिल्ली की टीम भी अपने घरेलू मैदान पर लगातार दो मैच हार कर आ रही है। बल्लेबाज धीमी और टर्न लेने वाली पिचों पर संघर्ष करते नजर आए हैं। वहीं स्पिनर कुलदीप यादव अपनी चिर परिचित छाप छोड़ने में सफल नहीं हो पा रहे हैं। हालांकि पंजाब 10 मैचों में छह जीत के साथ अंक तालिका में अभी भी तीसरे स्थान पर मजबूती से बनी हुई है, वहीं 11 मैचों में सात में हार का सामना कर चुकी दिल्ली के लिए यह करो या मरो का मुकाबला होगा। धर्मशाला में हुए दोनों टीमों के बीच चार मैचों में भी मुकाबला बराबरी का रहा है और दोनों ने दो-दो मैच जीते हैं। 2023 से धर्मशाला में हुए पांच मुकाबलों में चार में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है, जहां पहली पारी का औसत स्कोर 209 है। ऐसे में कोई भी टीम टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 200 से ज्यादा का स्कोर खड़ा करना चाहेगी।

वर्षा डाल सकती है खलल: हिमाचल प्रदेश में 11 से 15 मई तक वर्षा का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक 11 मई को प्रदेश में वर्षा हो सकती है। ऐसे में मैच में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है। एचपीसीए मैदान की पिच शुरुआत में तेज गेंदबाजों की मदद करती है। ऐसे में पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप पर निगाहें टिकी रहेंगी। वहीं यहां की आउटफील्ड तेज है, जिससे अकसर बड़े स्कोर बनते हैं।

खेल डायरी

डब्ल्यूटीसी प्रणाली के विरोध में पीसीबी-बीसीबी

कराची, प्रेट्र: पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने एशियाई और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मंच पर एक-दूसरे का समर्थन करने पर सहमति जताई और साथ ही 2028-31 चक्र के लिए 'भविष्य दौरा कार्यक्रम' (एफटीपी) में अधिक संतुलन लाने की मांग की है। पीसीबी सूत्रों ने बताया कि पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ढाका की दो दिवसीय यात्रा से पर बांग्लादेश के अधिकारियों के साथ चर्चा की थी, जिनमें अंतरिम प्रमुख तमीम इकबाल भी शामिल थे। सूत्र ने कहा, ढाका यात्रा के दौरान उन्होंने बांग्लादेश के खेल मंत्री और कुछ अन्य मंत्रियों से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि नकवी ने बैठकों में विस्तार से चर्चा की कि सबसे पहले 'विश्व टेस्ट चैंपियनशिप' में दो-स्तरीय प्रणाली बनाने के किसी भी कदम को खारिज करने की जरूरत है। तमीम ने कहा कि चैंपियनशिप के अगले चरण में और 2027 के बाद आने वाले नए वित्तीय चक्र में आईसीसी टूर्नामेंट से मिलने वाले राजस्व के वितरण में अधिक संतुलन होना चाहिए।

सुपर रेपिड व ब्लिट्ज में गुकेश छठे स्थान पर

वारसा, प्रेट्र: अमेरिका के हेंस मोके नीमैन ने अंत तक धैर्य बरकरार रखते हुए 'सुपर रेपिड एवं ब्लिट्ज' का खिताब जीत लिया। जबकि विश्व चैंपियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को इस टूर्नामेंट में छठे स्थान से संतोष करना पड़ा। यह टूर्नामेंट ग्रैंड चेस टूर का हिस्सा है। गुकेश ने 36 संभावित अंक में से 17 अंक हासिल करके अपना अभियान समाप्त किया। खिलाड़ियों ने नौ रेपिड और 18 ब्लिट्ज बाजियां खेलीं। हर रेपिड बाजी जीतने पर दो अंक और ब्लिट्ज बाजी जीतने पर एक अंक निर्धारित था। गुकेश ने रेपिड में नौ और ब्लिट्ज में आठ अंक जुटाए। हालात और भी खराब हो सकते थे, लेकिन गुकेश ने आखिरी दौर में पोलैंड के डूडा यान-क्रिस्टोफ को हराकर वापसी की।

निशानेबाज नीरू और विवान ने जीता कांस्य

नई दिल्ली, प्रेट्र: नीरू ढांडा और विवान कपूर ने ट्रैप मिक्स्ड टीम इवेंट में कांस्य पदक जीतकर अपने अभियान का समापन किया। इसके साथ ही भारत ने रविवार को कजाकिस्तान के अल्माटी में इस आइएसएसएफ विश्व कप शाटगन में अपने अभियान को एक सकारात्मक नोट पर समाप्त किया। यह पदक नीरू और विवान के लिए ओलिंपिक इवेंट में विश्व कप का पहला पोडियम फिनिश था और पिछले साल ओलिंपिक कार्यक्रम में मिक्स्ड टीम ट्रैप को शामिल किए जाने के बाद से भारत का दूसरा पदक था। नीरू और विवान ने फाइनल में पहले 30 टारगेट में से 24 पर निशाना साधा। इटली की शीर्ष जोड़ी सिल्वाना स्टांको और मौरो डी फिलिपिस के बराबर स्कोर करने के बावजूद उन्हें बेहतर पदक से चूकना पड़ा, क्योंकि वे क्वालिफिकेशन राउंड में रजत पदक जीतने वाली इतालवी जोड़ी से दूसरे स्थान पर रहे थे। चीनी ताइपे के कुन-पी यांग और वान-यू लियू ने फाइनल में 36 के विश्व रिकार्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता।

आरसीबी ने मुंबई पर दर्ज की दो विकेट से जीत, भुवी ने गेंद के बाद बल्ले से किया कमाल

भुवनेश्वर के आगे नतमस्तक हुई मुंबई

दीपक शुक्ला • नईदुनिया

रायपुर: भुवनेश्वर कुमार (4/23) ने पहले अपनी घातक गेंदबाजी से मुंबई की बल्लेबाजी को तहस-नहस किया और फिर जब मैच लगभग आरसीबी की पकड़ से निकल चुका था, तब उनके बल्ले से निकले छक्के ने टीम को जीत दिला दी। मुंबई ने आरसीबी के सामने 167 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे आरसीबी ने दो विकेट शेष रहते हासिल कर लिया। इसमें क्रुणाल पांड्या ने 73 रन की अहम पारी खेली। आरसीबी की जीत के साथ ही मुंबई इंडियंस की टीम आधिकारिक रूप से प्लेआफ की दौड़ से बाहर हो गई।

अंतिम ओवर का रोमांच: आरसीबी को अंतिम ओवर में 15 रन चाहिए थे। मुंबई के राज बावा ने पहली गेंद वाइड फेंकी, फिर नो बाल फेंकी। फ्री हिट पर रोमारियो शेफर्ड ने एक रन लिया। फिर रसिख डार ने वाइड गेंद पर एक रन लिया और अगली गेंद पर शेफर्ड ने कोई रन नहीं लिया। यानी दो लीगल गेंद पर आरसीबी ने पांच रन बना लिए थे और चार गेंद में 10 रन की जरूरत थी। अगली गेंद पर तिलक ने बैकवर्ड पाइंट पर शेफर्ड का शानदार कैच लपक कर मुंबई को वापस मैच में ला दिया। मुंबई को तीन गेंद में 10 रन की जरूरत थी और क्रीज पर थे भुवनेश्वर कुमार। राज बावा ने शार्ट गेंद फेंकी, जिसे अंपायर ने वाइड करार दिया। अब तीन गेंद पर नौ रन चाहिए थे और भुवी ने शानदार लाफ्टेड शाट लगाकर डीप कवर से ऊपर से छक्का लगाकर मैच को आरसीबी की पकड़ में ला दिया। पांचवीं गेंद पर भुवी ने एक रन लिया और अंतिम गेंद पर आरसीबी को दो रन की जरूरत थी। रसिख डार ने सीधा शाट लगाया और गेंद बावा के हाथ से लगकर लांग आन की तरफ गई। रसिख ने पहला रन तेजी से पूरा किया और दूसरे रन के लिए दौड़े, फील्डर ने गेंद विकेटकीपर रिकल्टन की ओर फेंकी। रसिख ने डाइव लगाकर दूसरा रन पूरा किया और आरसीबी को सांसें रोक देने वाले मुकाबले में जीत दिलाई।

इससे पहले, रविवार को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम की काली मिट्टी की पिच पर दरारों और असमान उछाल वाली पिच पर बल्लेबाजी आसान नहीं थी और भुवनेश्वर ने परिस्थितियों का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए मुंबई के शीर्ष क्रम को तहस-नहस कर दिया। महज 28 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद मुंबई की टीम दबाव में आ गई। पहले ही ओवर की अंतिम गेंद पर उन्होंने फार्म में चल रहे रियान रिकल्टन (2) को कप्तान रजत पाटीदार के हाथों कैच कराया। इसके बाद रोहित शर्मा (22) ने कुछ आकर्षक शाट लगाए और लगातार दो छक्के जड़कर लय पकड़ने की कोशिश की, लेकिन भुवनेश्वर ने अपनी चतुराई से उन्हें भी पवेलियन भेज दिया। धीमी नकल बाल पर रोहित बल्ला दूर ले गए और विकेटकीपर के हाथों कैच हो गए। सूर्य (0) का खराब फार्म जारी रहा। आफ स्टंप के बाहर जाती गेंद पर उन्होंने शाट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले का किनारा लेकर विराट कोहली के हाथों में चली गई। कोहली ने शानदार कैच लपकते हुए जोरदार जश्न मनाया। इसके अलावा भुवी ने अर्धशतकीय पारी खेलने वाले तिलक वर्मा (57) को बोल्ड किया।

क्रुणाल की अहम पारी: विराट कोहली लगातार दूसरे मैच में गोल्डन डक पर आउट हुए। पावरप्ले के भीतर ही देवदत्त पडिक्कल और कप्तान रजत पाटीदार भी पवेलियन लौट गए थे। लेकिन क्रुणाल (73) ने पहले जेकब बेथेल (27) के साथ चौथे विकेट के लिए 55 रन जोड़े और जितेश के साथ 36 रन की साझेदारी कर टीम को लक्ष्य की ओर बढ़ाया। हालांकि इसके बाद आरसीबी की पारी लड़खड़ा गई और उसने 26 रन के भीतर आरसीबी ने चार विकेट गंवा दिए थे। अंत में भुवी ने टीम को जीत दिलाई।

15 रन आरसीबी ने अंतिम ओवर में दूसरी बार बनाए इससे पहले 2021 में दिल्ली के विरुद्ध बनाए थे

रोहित का विकेट लेने पर जश्न मनाते भुवनेश्वर और विराट • नईदुनिया

स्कोर बोर्ड

मुंबई इंडियंस : 166/7 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
रिकल्टन का. पाटीदार बो. भुवनेश्वर	2	4	0/0
रोहित का. जितेश बो. भुवनेश्वर	22	10	2/2
नमन बो. रसिख	47	32	5/2
सूर्यकुमार का. विराट बो. भुवनेश्वर	0	1	0/0
तिलक बो. भुवनेश्वर	57	42	3/2
जैक्स का. बेथेल बो. शेफर्ड	10	10	1/0
राज का. रजत बो. हेजलवुड	16	14	1/0
बाश अविजित	5	5	0/0
दीपक अविजित	1	2	0/0

अतिरिक्त: 6, विकेट: 1-4 (रिकल्टन, 0.6), 2-28 (रोहित, 2.5), 3-28 (सूर्यकुमार, 2.6), 4-110 (नमन, 12.3), 5-123 (जैक्स, 15.2), 6-155 (तिलक, 17.6), 7-161 (राज, 18.6), गेंदबाजी: भुवनेश्वर 4-0-23-4, हेजलवुड 4-0-33-1, रसिख 4-0-42-1, शेफर्ड 3-0-18-1, क्रुणाल 3-0-26-0, सुयश 2-0-21-0

आरसीबी : 167/8 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
बेथेल का. तिलक बो. बाश	27	27	2/0
कोहली का. राज बो. दीपक	0	1	0/0
पडिक्कल का. रिकल्टन बो. दीपक	12	11	1/1
पाटीदार का. रिकल्टन बो. बाश	8	8	1/0
क्रुणाल का. तिलक बो. गजनफर	73	46	4/5
जितेश का. नमन बो. बाश	18	12	1/2
टिम का. रिकल्टन बो. बाश	0	1	0/0
शेफर्ड का. तिलक बो. बावा	4	11	0/0
रसिख अविजित	3	2	0/0
भुवनेश्वर अविजित	7	2	0/1

अतिरिक्त: 15, विकेट: 1-10 (कोहली, 0.4), 2-24 (पडिक्कल, 2.6), 3-39 (पाटीदार, 5.1), 4-94 (बेथेल, 12.1), 5-131 (जितेश, 15.5), 6-131 (टिम, 15.6), 7-149 (क्रुणाल, 17.6), 8-157 (शेफर्ड, 19.3), गेंदबाजी: दीपक 4-0-33-2, बुमराह 4-0-20-0, बाश 4-1-26-4, जैक्स 2-0-13-0, गजनफर 3-0-33-1, राज 3-0-39-1

दीपिका की अगुआई में रिकर्व टीम ने जीता स्वर्ण

तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में भारत को मिले दो पदक, व्यक्तिगत कंपाउंड वर्ग में साहिल जाधव ने जीता था कांस्य

शंघाई, प्रेट्र : दीपिका कुमारी, अंकिता भकत और कुमकुम मोहोद की भारतीय महिला रिकर्व टीम ने रविवार को तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में मेजबान और खिताब के प्रबल दावेदार चीन को शूटआफ में हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया। रोमांचक फाइनल में भारत ने पहला सेट जीता लेकिन चीन ने वापसी करते हुए मुकाबला बराबर कर दिया। निर्धारित चार सेट के बाद स्कोर बराबर रहने के कारण शूटआफ कराया गया। भारतीय तिकड़ी ने निर्णायक क्षणों में संयम बनाए रखते हुए 5-4 (28-26) से जीत दर्ज की। अनुभवी दीपिका ने दबाव के बीच अंतिम शूटआफ तीर पर अहम नौ अंक जुटाकर भारत को 2021 के बाद पहला विश्व कप स्वर्ण पदक दिलाया।

हालांकि सिमरनजीत कौर के लिए यह दिल तोड़ने वाला अनुभव रहा जब उन्हें सेमीफाइनल में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी और बाद में चैंपियन बनीं दक्षिण कोरिया की कांग चेयांग के विरुद्ध सीधे सेट में 6-0 हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद कांस्य पदक के लिए हुए प्लेआफ में उन्हें एक और कोरियाई खिलाड़ी जांग मिनही के विरुद्ध 4-6 से हार मिली। इस तरह भारत ने अपने अभियान का समापन दो पदक (एक स्वर्ण, एक कांस्य) के साथ किया। शनिवार को पुरुषों के व्यक्तिगत कंपाउंड वर्ग में साहिल जाधव ने कांस्य पदक जीता था। इससे पहले महिला रिकर्व टीम ने सेमीफाइनल में रिकार्ड 10 बार के ओलिंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। ग्वाटेमाला सिटी और पेरिस में 2021 में भारत की विश्व कप जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रहीं दीपिका के नाम 2010 से अब तक सात विश्व कप टीम स्वर्ण पदक हो गए हैं। यह भारतीय महिला रिकर्व टीम का तीन साल में पहला विश्व कप पदक भी है। इससे पहले टीम 2023 में पेरिस में चरण चार में पोडियम पर पहुंची थी जिसमें अंकिता पदक जीतने वाली टीम की सदस्य थीं। बिना किसी पूर्णकालिक राष्ट्रीय कोच के यात्रा करते हुए बेहद अनुभवी दीपिका ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया और अपनी टीम की साथियों का हौसला बढ़ाया।

अंकिता भकत, दीपिका कुमारी और कुमकुम मोहोद • एक्स

एमएलएस में मेसी के नाम सबसे तेज 100 गोल

फुटबाल डायरी

टोरंटो, एपी: लियोन मेसी ने एक गोल और दो असिस्ट करके मेजर लीग साकर (एमएलएस) के इतिहास में 100 गोल में योगदान देने वाले सबसे तेज खिलाड़ी बनने का रिकार्ड बनाया। मेसी के इस प्रदर्शन से इंटर मियामी ने टोरंटो एफसी को 4-2 से हराकर अपनी लगातार जीत का सिलसिला छह मैचों तक पहुंचा दिया।

मेसी के इस प्रदर्शन से उनके 64 रेगुलर-सीजन मैचों में कुल 59 गोल और 41 असिस्ट हो गए हैं, जिससे उन्होंने टोरंटो के सेबेस्टियन जियोविंको द्वारा बनाए गए 95 गोल के पिछले रिकार्ड को तोड़ दिया। मेसी के अब मियामी के लिए सभी प्रतियोगिताओं में कुल 101 मैचों में 87 गोल और 57 असिस्ट हो गए हैं। टोरंटो के विरुद्ध मुकाबले में रोड्रिगो डी पाल ने 44वें मिनट में एक फ्री किक पर गोल करके इंटर मियामी को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद मेसी और डी पाल के असिस्ट से 56वें मिनट में लुइस सुआरेज ने दूसरा गोल किया। सर्जियो रेगिलोन ने 73वें मिनट में मेसी के असिस्ट से तीसरा गोल किया। जबकि 75वें मिनट में मेसी टीम के लिए चौथा गोल किया।

मुकाबले के दौरान लियोन मेसी (मध्य में) • एएफपी

क्रिकेट और स्पोर्ट्स की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

दीपक पूनिया 92 किग्रा के फाइनल में पहुंचे

गोंडा, प्रेट्र: रविवार से गोंडा में शुरू हुए राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट में एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता दीपक पूनिया ने बिना अंक गंवाए 92 किग्रा फाइनल में पहुंचकर शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि टूर्नामेंट के पहले ही दिन भारी संख्या में खिलाड़ियों की भागीदारी और लाजिस्टिक चुनौतियों के कारण कार्यक्रम में देरी हुई।

92 किग्रा वर्ग में 56 पहलवानों के बीच दीपक विरोधियों के मुकाबले कहीं ज्यादा मजबूत और अनुभवी नजर आए। दीपक ने सेमीफाइनल में उन्होंने राजा को 11-0 से हराया। अब उनका मुकाबला वंश से होगा। टूर्नामेंट में 2024 के अंडर-23 एशियाई चैंपियन अनिरुद्ध गुलिया को राष्ट्रीय टीम में वापसी का मौका दिया, लेकिन अच्छी शुरुआत के बावजूद उनका सफर प्री-क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया।

विनेश की पोस्ट पर बृजभूषण ने कसा तंज

राज्य ब्यूरो • जागरण

विनेश फोगाट

- जिंदगी फंसी है किसी मझधार में, जमाना ढूंढता है खामी मेरे किरदार में : विनेश फोगाट
- शोहरत की बुलंदी पल भर का तमाशा है, जिस शाख पे बैठे हो, वो टूट भी सकती है : बृजभूषण

बृजभूषण शरण सिंह

चंडीगढ़: भारतीय कुश्ती महासंघ द्वारा उत्तर प्रदेश के गोंडा में 10 से 12 मई तक आयोजित किए जा रहे राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में भले ही हरियाणा की पहलवान एवं कांग्रेस विधायक विनेश फौगाट को इंट्री नहीं मिल पाई, लेकिन हरियाणा से भारी संख्या में पहलवान इस आयोजन का हिस्सा बन रहे हैं। तीन दिन के इस टूर्नामेंट के लिए लगभग 1400 पहलवानों ने रजिस्ट्रेशन कराया है और उनमें से 80 प्रतिशत हरियाणा से हैं। भारतीय कुश्ती संघ ने नियमों के उल्लंघन के चलते विनेश फोगाट पर आगामी प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर रोक लगा दी है। गोंडा में रविवार को शुरू हुई ओपन सीनियर नेशनल रैंकिंग कुश्ती में शामिल नहीं करने पर हरियाणा की पहलवान विनेश फोगाट का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने अपने इंटरनेट मीडिया अकाउंट पर लिखा, जिंदगी फंसी है किसी मझधार में, जमाना ढूंढता है खामी मेरे किरदार में, जिंदगी तेरा सर सदा बुलंद रखा है...झुकाने की ताकत नहीं किसी तलवार में। इसका जवाब पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने एक्स पर ही दिया। उन्होंने लिखा, शोहरत की बुलंदी भी, पल भर का तमाशा है, जिस शाख पे बैठे हो, वो टूट भी सकती है। नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट एक अहम घरेलू इवेंट है, क्योंकि इसी से नेशनल कैंप और भविष्य के इंटरनेशनल मुकाबलों के लिए चयन का रास्ता तय होता है। यह उन जाने-माने खिलाड़ियों के लिए भी मौका है, जो रैंकिंग में नीचे खिसकने के बाद कुश्ती में वापसी करना चाहते हैं। दीपक पूनिया जैसे पहलवान 2019 में विश्व चैंपियनशिप और 2023 में एशियन गेम्स के सिल्वर मेडलिस्ट हैं और यहां अनिरुद्ध गुलिया के साथ मुकाबला कर रहे हैं। अनिरुद्ध 2023 एशियन चैंपियनशिप के ब्रांज मेडलिस्ट हैं। इस आयोजन ने एक बार फिर से साबित कर दिया है कि हरियाणा भारतीय कुश्ती की रीढ़ बना हुआ है। रैंकिंग टूर्नामेंट की शुरुआत ही हरियाणा के नवोदित व प्रतिष्ठापित पहलवानों के फायदे को ध्यान में रखकर की गई थी, ताकि काबिल पहलवानों को अपनी प्रतिभा साबित करने और नेशनल स्तर पर अपनी जगह बनाए रखने का मौका मिलता रहे। गोंडा में होने वाले ओपन नेशनल टूर्नामेंट में 1400 में से 800 से अधिक खिलाड़ी हरियाणा के हैं। भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह का कहना है कि गोंडा में चल रहे नेशनल टूर्नामेंट में हरियाणा के पहलवानों की भारी भागीदारी यह दिखाती है कि महासंघ हरियाणा से पक्षपात नहीं कर रहा है।

गजल

अरविन्द असर
दिल्ली

अनायास लिख दिया

पतझड़ को जानबूझ के मधुमास लिख दिया,
उसने हमारी भूख को उपवास लिख दिया।

पूछा था उसने मुझसे सफलता का मूलमंत्र,
मैंने भी फिर जवाब में अभ्यास लिख दिया।

उसको हमारे भाग्य में लिखना था राज भी,
जिसने हमारे भाग्य में वनवास लिख दिया।

सब लोग लिख रहे थे तो मैंने भी फिर वहां,
साहिल की गीली रेत पे बस प्यास लिख दिया।

सब भोग और विलास पलटकर चले गए,
यौवन के दर पे मैंने जो संन्यास लिख दिया।

जिस शेर से पहचानते हैं लोग अब मुझे,
वो शेर तो बस मैंने अनायास लिख दिया।

मुझसे मिलन के बाद वो कहने लगे 'असर',
तुमने तो एक दिन में उपन्यास लिख दिया।

arvindasar@gmail.com

पुस्तक परिचय

जीवन के विविध पक्ष

तनुजा चौबे के सद्य प्रकाशित कहानी संग्रह 'गुनगुनी धूप' की सहज-सरल कहानियों में जीवन के विविध पक्ष पिरोये गए हैं। भूमिका में डा. सच्चिदानंद जोशी लिखते हैं कि इन कहानियों में चूड़ियों की खनक सुनाई देती है तो रिश्तों की गरिमा है, मुखौटे का दर्द झलकता है तो दया का दंश वार करता है। हर कहानी में एक नया कथानक जीवन के एक पक्ष को उजागर करता है।

प्रकाशक : शिवना प्रकाशन
मूल्य : 300 रुपये

पुस्तकें मिलीं

3 मुलाकातें और कुछ कहानियां
लेखक : याह्या बूटवाला
प्रकाशक : युवान बुक्स
मूल्य : 249 रुपये

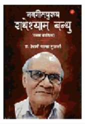

नवगीतपुरुष राधेश्याम बन्धु (आलोचना)
लेखिका : डा. रेशमी पाण्डा मुखर्जी
प्रकाशक : लिटिल बर्ड पब्लिकेशंस
मूल्य : 250 रुपये

जन्मजयंती विशेष...

विवेक भटनागर
नोएडा, उत्तर प्रदेश

अनुभवजन्य यथार्थ के सर्जक शानी

गुलशेर खां शानी (16 मई, 1933 – 10 फरवरी, 1995)

गुलशेर खां शानी ने अपनी कहानियों तथा उपन्यासों में मुस्लिम, आदिवासी, शोषित व उपेक्षित समाज की पीड़ाओं को जैसा देखा, उसे उसी तरह दिखाया। इस दृष्टि से 'काला जल' उनका कालजयी उपन्यास है। किसी भी साहित्यिक संस्था या आंदोलन से दूर रहने वाले शानी के लिए पाठकों का अपार प्रेम ही पूंजी था। लेकिन दुख की बात है कि संभवत: इसी कारण उन्हें साहित्य अकादमी के पुरस्कार के योग्य भी नहीं समझा गया। शानी की जन्मजयंती (16 मई) पर विशेष...

कालजयी कृति 'काला जल'

शानी का उपन्यास काला जल मध्यवर्गीय मुस्लिम परिवारों की अनेक त्रासदियों से भरा एक महाख्यान है। दो मुस्लिम परिवारों की कथा है। इन परिवारों के छोटे-छोटे प्रसंग सामाजिक सच्चाइयों तक ले जाते हैं। इसमें स्वाधीनता आंदोलन की पृष्ठभूमि है। भारत विभाजन की घटना के बिंदु तक पहुंचने पर यह राजनीतिक पृष्ठभूमि उपन्यास की संवेदना को विशिष्ट अर्थवत्ता प्रदान करती है। स्वराज आंदोलन में सक्रिय रहनेवाला मोहसिन विभाजन के बाद हिंदू-मुस्लिम दंगे देखकर पाकिस्तान जाने का निर्णय लेता है, लेकिन बब्बन कहता है, 'पाकिस्तान जाने के बाद अगर तुम्हें लगा कि ठगे गए, तो फिर कहां जाओगे-अरब या ईरान?' इस उपन्यास में भारतीय मुसलमानों के सोच को देखने की गहन अंतर्दृष्टि पहली बार आई थी।

प्रमुख कृतियां

कहानी संग्रह : बबूल की छांव, डाली नहीं फूलती, छोटे घेरे का विद्रोह, एक से मकानों का नगर, युद्ध, शर्त का क्या हुआ, बिरादरी तथा अन्य कहानियां, सड़क पार करते हुए, जहांपनाह जंगल
उपन्यास : कस्तूरी, पत्थरों में बंद आवाज, काला जल, नदी और सीपियां, सांप और सीढ़ी
संस्मरण : शालवनों का द्वीप
निबंध संग्रह: एक शहर में सपने बिकते हैं, नैना कभी न दीठ

वर्ष 1957 में जगदलपुर में नए खुले जिला ग्रंथालय में एक किशोर इस्माइल पत्रिकाओं में शानी की कहानियां पढ़ता और वहां आने वाले गुलशेर भैया से बड़ी तारीफ करता। वह गुलशेर भैया से कहता कि उनका साहित्यकारों का साथ है, तो शानी से मिलवा दें। शानी की जो भी नई पुस्तक आती, गुलशेर भैया उसे लाकर देते। लेकिन जब गुलशेर भैया का जगदलपुर से ग्वालियर ट्रांसफर हो गया, तो वह किशोर उन्हें नम आंखों से विदा करने पहुंचा। वहां किशोर को रोते देख लाला जगदलपुरी ने उससे पूछा-क्यों बेटे, तुम शानी जी के परिवार से हो क्या? किशोर विस्मित रह गया कि गुलशेर भैया ही उसके प्रिय कहानीकार शानी थे।

शानी अपने कृतित्व से अत्यंत लोकप्रिय थे, लेकिन व्यक्तित्व को छिपाकर रखा। उनकी सबसे बड़ी पूंजी पाठकों का प्यार था। न तो वह लेखकों के किसी समूह में रहे, न किसी साहित्यिक आंदोलन के साथ। शानी के निकटस्थ रहे और उनकी छह खंडों में ग्रंथावली का संपादन करने वाले जानकी प्रसाद शर्मा कहते हैं, '1975 में शानी जी की ख्याति से प्रभावित होकर पहली बार जब मैं मिलने गया, तो उन्होंने बैठते ही कहा, तुम आए हो, अच्छी बात है। लेकिन तुम मेरी कहानियों और उपन्यासों पर बात नहीं करोगे। वे न तो अपनी प्रशंसा पसंद करते थे, न ही चाहते थे उन पर लिखा जाए।'

उन्होंने जगदलपुर, बस्तर और वहां के मुसलमानों और आदिवासी समाज के सत्य को जिस प्रकार उद्घाटित किया, वह दुर्लभ है। वे मुस्लिम परिवेश से थे, तो स्वाभाविक है, उसी परिवेश से उनका कथा साहित्य आता है, क्योंकि वह सुनी-सुनाई बातों पर नहीं, स्वयं देखे हुए यथार्थ पर कहानी लिखते थे। विश्वनाथ त्रिपाठी लिखते हैं, 'शानी की कहानियों को देखकर मुझे हैरत होती है कि उन्हें प्रगतिशील साहित्यकार क्यों नहीं घोषित किया गया या यूं कि वह खुद वामपंथी साहित्यकारों के संगठनों से अलग-थलग क्यों रहे?' वामपंथी संगठनों से दूर रहने के कारण ही संभवतः वह साहित्य जगत में अस्पृश्य रहे। 'काला जल' जैसी कालजयी कृति लिखने के बाद भी उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार के योग्य तक नहीं समझा गया।

गुलशेर खां शानी का जन्म जगदलपुर (बस्तर) में हुआ, जो तब मध्य प्रदेश (अब छत्तीसगढ़) में था। जगदलपुर में मोती तालाब के किनारे शानी का पैतृक आवास था। 'काला जल' नाम मोती तालाब से ही आया है। उनके दादा मुसलमान और दादी हिंदू थीं। दादी नियमित पूजा-पाठ करती थीं और उनके आंगन में तुलसी चौरा था। शानी को यही सांस्कृतिक वातावरण मिला था। लेकिन पिता गुलमीर खां का सामंती रंग-ढंग शानी को रास नहीं आया। शानी के पुत्र फिरोज शानी बताते हैं, 'मेरे पिता दादा जी से बचपन से ही सहमे-सहमे रहते थे। बड़े होने पर उनके भीतर विद्रोह ने जन्म लिया। उन्होंने अपना उपनाम 'शानी' रखा, जिसका अरबी भाषा में अर्थ होता है शत्रु।' उनका विद्रोह सामंतवाद व रूढ़िवाद के विरुद्ध था। उन्हें नौ-दस वर्ष की उम्र में दीनी तालीम के लिए मकतब जाना पड़ता था, जो उन्हें रास नहीं आया। मकतब की स्मृतियों को उन्होंने 'हंस' में लिखा- 'मैं सोचता कि यदि राजा होता तो पहले हाफिज जी को उसी बेंत से पिटवाता, जिससे वह रोज मारता है। जो पढ़ाना चाहता है, उसका मतलब खुद उसे नहीं मालूम। क्यों पढ़ें अरबी? क्या अल्लाह को एक ही भाषा आती है? फिर वह महान कैसे हुआ? अल्लाह की किताब न हुई, गले की वर्जिशगाह हो गई। हर लफ्ज हलक से क्यों निकालो?' यह शानी ही लिख सकते थे। उनके आचरण में प्रगतिशीलता और साहस था। उन्हें शिकायत थी कि 'मैं भले ही शानी हूं, लेकिन मुझे यह रोज याद दिलाया जाता है कि मैं गुलशेर खान हूं।'

आठवीं कक्षा से उन्होंने कहानी लिखना शुरू कर दिया था। 10वीं कक्षा के बाद म्यूनिसपिलिटी में नौकरी कर ली। शानी को पहचान तब मिली, जब 'कहानी' पत्रिका में उनकी 'रहीम चाचा' कहानी प्रकाशित हुई। जगदलपुर में प्रदेश सरकार के सूचना विभाग में सह-संपादक के रूप में जुड़ गए। फिरोज शानी बताते हैं, 'उन्हीं दिनों अमेरिका से मानव विज्ञान के शोधकर्ता एडवर्ड जेजे फोर्ड बस्तर आए। अंग्रेजी आने के कारण शानी ने उनके साथ काम किया। आदिवासियों के बीच रहने की ये स्मृतियां 'शालवनों का द्वीप' में हैं।' शानी जगदलपुर से ग्वालियर होते हुए भोपाल आ गए। जानकी प्रसाद शर्मा बताते हैं कि 'जब उनकी कहानियां पाठ्यक्रम में पढ़ाई जा रही थीं, तब शानी ने प्राइवेट बीए की परीक्षा विक्रम विश्वविद्यालय से दी और स्वयं पर पूछे गए प्रश्नों के भी जवाब दिए।' मध्यप्रदेश साहित्य परिषद के सचिव के रूप में उन्होंने 'साक्षात्कार' पत्रिका शुरू की। फिर दिल्ली आकर पहले 'रविवार्ता' के संपादक बने, फिर केंद्रीय साहित्य अकादमी में संपादक होकर आ गए। वे 'समकालीन भारतीय साहित्य' के संस्थापक संपादक बने।' 'काला जल' पर टीवी धारावाहिक बना। साहित्य अकादमी से सेवानिवृत्ति के बाद उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया। लंबे समय तक चिकित्सा के बाद उनका देहावसान हो गया।

जब उन्हें 'नई कहानी' के कथाकार के रूप में देखा जा रहा था, तब तक उन्हें स्वयं पता नहीं था कि नई कहानी जैसा कोई साहित्यिक आंदोलन है। जानकी प्रसाद शर्मा बताते हैं, 'शानी के साथ मुस्लिम की जो पहचान जुड़ी हुई है, इसका संबंध मजहब से नहीं, कथा-रचनाओं में व्यक्त जीवन से है। शानी की कहानियों की संरचना कविता की तरह बंधी होती थी। शोषित पीड़ितों के जीवन को कलात्मक ढंग से रूपायित करते थे। 'बिरादरी' कहानी में घर का काम करने वाली एक महिला की कहानी है, जिस पर चोरी का झूठा इल्जाम लगा दिया जाता है। सब जानते हुए भी उसी के वर्ग के लोग उसके पक्ष में खड़े नहीं होते। आदिवासी जीवन पर अनेक कहानियां हैं। दारिद्र्य के मानवीय पक्ष पर वह कहानी लिखते हैं। वह सच्चे अनुभवों के प्रगतिशील कथाकार थे। उन्होंने अपने अनुभवों की सच्चाई पर भरोसा किया।'

vivekbhatnagar@nda.jagran.com

संगीतायन

विदुषी गौरी बनर्जी सती
दिल्ली

स्त्री कंठ सरीखी मधुर सारंगी

सारंगी वाद्य का स्वर स्त्री कंठ के सन्निकट अनुभव होता है। संगत और एकल वाद्य के रूप में स्थापित सारंगी का जानते हैं क्या हैं इतिहास और उसके विकास के सोपान...

सारंगी भारतीय शास्त्रीय संगीत का एक अत्यंत भावपूर्ण और मधुर वाद्ययंत्र है, जिसकी उत्पत्ति को लेकर एक प्रसिद्ध पौराणिक कथा प्रचलित है। मान्यता के अनुसार, भगवान शिव के बड़े भक्त रावण एक वृक्ष के नीचे बैठकर तपस्या कर रहे थे, परंतु भगवान शिव प्रसन्न नहीं हो रहे थे। उसी समय रावण ने देखा कि उस वृक्ष पर एक मरी हुई चमगादड़ उल्टी लटकी हुई है और जब उस से ठंडी हवा गुजरती है तो एक अत्यंत मधुर ध्वनि उत्पन्न होती है। इस प्राकृतिक संगीत से प्रेरित होकर रावण ने एक वाद्य यंत्र बनाया, जिसे रावणहत्था या रावणास्त्र नाम दिया। जब उन्होंने इस यंत्र को बजाया, तो उसकी मधुर ध्वनि से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें वरदान दिया और यही यंत्र आगे चलकर सारंगी के रूप में विकसित हुआ।

समय के साथ सारंगी हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत का महत्वपूर्ण भाग बन गई। उस्ताद सुल्तान खान, साबरी खान साहब और पंडित राम नारायण जैसे महान कलाकारों ने इसे ऊंचाइयों पर पहुंचाया। जहां सुल्तान खान और साबरी खान ने सारंगी को एकल वादन के साथ-साथ गायन, तबला और नृत्य के साथ संगत में भी उत्कृष्ट रूप से प्रस्तुत किया, वहीं पंडित राम नारायण ने सारंगी को एक प्रभावशाली एकल वाद्य के रूप में स्थापित कर संपूर्ण विश्व में लोकप्रिय बनाया।

सारंगी का उपयोग बालीवुड के पुराने गीतों में, विशेषकर भावनात्मक और दर्दभरे गीतों में किया गया। पंडित राम नाराण, सुल्तान खान, मुराद अली, साबिर खान, दिलशाद खान आदि ने फिल्मों में सारंगी वादन किया। पंडित राम नारायण ने उनको ये शिकायत है...(अदालत), नैन लड़ जइहैं... व दो हंसों का जोड़ा (गंगा जमना), दीवाना हुआ बादल....(कश्मीर की कली) आदि न जाने कितने फिल्मी गानों में सारंगी का कमाल दिखाया है। लेकिन धीरे-धीरे कुशल सरंगी वादकों की कमी के कारण हारमोनियम का प्रचलन बढ़ गया। इसके बावजूद सारंगी की मधुरता आज भी बनी हुई है। फिल्मों में आज भी इसका प्रयोग हो रहा है।

वर्तमान पीढ़ी में सुल्तान खान के पुत्र साबिर खान जैसे कुछ कलाकार इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। सारंगी वादन में आरंभ से महिलाओं की भागीदारी बहुत कम रही है, लेकिन पंडित राम नारायण की पुत्री श्रीमती अरुणा नारायण कल्ले को इस क्षेत्र की पहली प्रमुख महिला वादकों में माना जाता है। विवाह के बाद कई दशक पहले कनाडा में बस गई हैं। महिलाओं की सशक्त उपस्थिति के क्रम में दूसरा, टाप ग्रेड सारंगी वादिका के रूप में मेरा नाम आता है। आज अनेक समर्पित कलाकारों के प्रयासों से सारंगी की समृद्ध परंपरा सुरक्षित है और यह वाद्य भारतीय संगीत की विरासत को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

higouri@gmail.com

भाषा की पाठशाला

कमलेश कमल
नई दिल्ली

आज के शब्द : अनुभव, अनुभूति, अनुकूल और अनुरूप

अनुभव : कुछ होने के बाद जो होता है, वह अनुभव है। 'अनु' उपसर्ग का अर्थ है पीछे और 'भू' धातु से बने 'भव' का अर्थ है होना, घटित होना। इसी अर्थ में कहते हैं कि कुछ होगा तो 'अनुभव' अवश्य होगा। 'अनुभव' जानकारी अथवा बोध का पर्याय है।

अनुभूति : अनुभव कुछ होने के बाद होता है, जबकि 'अनुभूति' तत्क्षण होती है, होने के तुरंत बाद होती है। डर, क्रोध, गर्म, शीतल आदि की अनुभूति उसी क्षण होती है। अनुभूति सदा वैयक्तिक होती है, यह सामूहिक अथवा सामाजिक नहीं होती। अनुभव दीर्घकालिक होता है, परंतु 'अनुभूति' का प्रभाव सामान्यतः क्षणिक अथवा अल्पकालिक होता है।

यह जानना रोचक है कि अनुभव में जो 'भव' है अथवा धातु 'भू' है, उस 'भू' से ही 'प्रभु' शब्द की व्युत्पत्ति है। 'भू' का अर्थ होना है, घटित होना है, तो प्राकट्य और प्रकाश भी है। 'प्र' उपसर्ग का अर्थ विशेष है। 'प्रभु' शब्द के दो अर्थ निकलते हैं- विशेष रूप से होना और प्राकट्य।

अनुकूल : 'कूल' का अर्थ 'नदी-तट' अथवा 'किनारा' है। 'अनु' उपसर्ग का अर्थ पीछे है, तो साथ-साथ भी है। इस तरह 'अनुकूल' का शाब्दिक अर्थ हुआ-किसी तट पर साथ होना। जो हमारे निर्णय, इच्छा, हमारे सोच के साथ है, वह अनुकूल है, जो विपरीत तट अथवा सिरे पर है, वह प्रतिकूल है।

अनुरूप : का अर्थ है- जो रूप-रंग, आकार-प्रकार, गुण-दोष में एक-सा हो। उदाहरण के लिए, यह पद आपके अनुरूप है, का अर्थ हुआ- 'आपकी योग्यता के अनुसार है; आपकी प्रवृत्ति व गुण-दोषों को देखते हुए आपके लिए ठीक है।'

विशेष : आवश्यक नहीं कि जो अनुकूल हो वह अनुरूप भी हो। भोजन स्वास्थ्य के अनुकूल है तो स्वास्थ्य अच्छा होगा, चाहे आपके मन के अनुरूप न हो। संभव है कि कोई फल आपके मन के अनुरूप नहीं है अर्थात आकार-प्रकार से आपको जंच नहीं रहा है, परंतु हो सकता है कि यह मौसम एवं स्वास्थ्य के अनुकूल हो।

kamalkeekalam@gmail.com

आज का भविष्यफल- 11 मई 2026 सोमवार

पं. के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति
ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष नवमी।
आज का राहुकाल : प्रात: 07 बजकर 30 मिनट से 09 बजे तक।
आज का दिशाशूल : पूर्व
विशेष : पंचक, सूर्य कृतिका नक्षत्र में, मंगल अश्वनी नक्षत्र और मेष राशि में।

कल 12 मई 2026 का पंचांग

कल का दिशाशूल : उत्तर
कल की भद्रा : प्रात: 03 बजकर 09 मिनट से दोपहर 02 बजकर 52 मिनट तक।
विशेष : पंचक। विक्रम संवत 2083 शके 1948 उत्तरायण, उत्तरगोल, वसंत ऋतु, ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष की दशमी तत्पश्चात एकादशी, पूर्वभाद्रपद नक्षत्र तत्पश्चात उत्तरभाद्रपद नक्षत्र, वैधृति योग तत्पश्चात विषकुंभ योग, कुंभ में चंद्रमा तत्पश्चात मीन में।

मेष : आर्थिक योजना फलीभूत होगी। मांगलिक या सांस्कृतिक उत्सव में हिस्सेदारी रहेगी।
वृष : राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। जीवन सुखमय होगा।
मिथुन : सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। गुरु का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी।
कर्क : आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा।
सिंह : जीवनसाथी का सहयोग और सान्निध्य मिलेगा। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी।
कन्या : गृह उपयोगी वस्तुओं तथा सम्मान में वृद्धि होगी, लेकिन मन खिन्न रहेगा।
तुला : बुद्धि कौशल से किया गया कार्य संपन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।
वृश्चिक : गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। सत्ता का सहयोग रहेगा। सम्मान में वृद्धि होगी।
धनु : पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक प्रगति होगी। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा।
मकर : सत्ता का सहयोग रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
कुंभ : जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। सम्मान में वृद्धि होगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।
मीन : सत्ता का सहयोग रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वर्ग पहेली- 3331

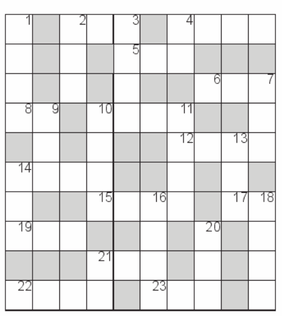

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं:
2. लाचार, शक्तिहीन (3)।
4. चार वेदों में से एक (4)।
5. कुंठाग्रस्त (3)। 6. आसान, सामान्य (3)। 8. विस्तार, तनाव (2)। 10. विष, जहर (4)।
12. पानी में चलने वाला जहाज, नाव (4)। 14. करतूत, करनी (4)।
15. भेंट, उपहार (4)।
17. कहानी, आख्यान (2)।
19. भोज, निमंत्रण (3)। 21. इनकी जटा से निकली गंगा (3)।
22. कोलंबस ने की थी इस देश की खोज (4)।
23. रुकना, ठहरना (3)।

ऊपर से नीचे:
1. ठौर-ठिकाना (4)।
2. अचंभा, आश्चर्य (3)।
3. राजा दुष्यंत की पत्नी (4)।
4. दुनिया में आश्चर्यों की संख्या (2)। 7. दुनिया, संसार, जग (3)।
9. दृष्टि, निगाह (3)।
10. पवन देवता के पुत्र (4)।
11. किसी को लजवा या शर्मा देना (4)।
13. भिखारी, मांगने वाला, भिक्षुक (3)।
14. नियम, विधान, कायदा (3)।
16. राजा का रथ (4)।
18. थाने का प्रधान अधिकारी (4)।
20. पानी आदि को नीची सतह की ओर छोड़ना, टालमटोल (3)।
21. शक, संदेह (2)।

कल का हल

ब	ल	ब	ला	ना			क	न	क
ह				ला	ठी	चा	र्ज		रो
न	र			य		टु			ड़
	च	क	म	क		का			प
	यि					र	मा	प	ति
प्र	ता	ड़	ना					त्र	
ति			गा		अ	ना	मि	का	
यो			र्जु		प			र	ग
गि		गु	न	गु	ना				ण
ता	ब	ड़			ना	ज	क	र	ना

सुडोकू- 3331

	4			8		1		5
6				1	7		4	
3		1	2				8	
1			6			4		2
	6	4		2	3		1	
5				7				9
	8		7				2	
		7		6				4
9		5	4		2	6	7	

कल का हल

8	9	2	4	3	7	5	6	1
4	1	6	5	9	8	3	7	2
7	3	5	2	6	1	9	8	4
3	5	7	1	4	9	6	2	8
2	4	1	3	8	6	7	9	5
9	6	8	7	5	2	1	4	3
1	8	4	9	7	3	2	5	6
6	2	9	8	1	5	4	3	7
5	7	3	6	2	4	8	1	9

राष्ट्रीय फलक

स्क्रैमजेट तकनीक ऐसे बनाती है मिसाइल को घातक

प्रथम पृष्ठ से आगे

सामान्य मिसाइलों और लड़ाकू विमानों के मुकाबले हाइपरसोनिक मिसाइलें कहीं ज्यादा तेज और घातक होती हैं। एएनआइ के अनुसार, इनमें इस्तेमाल होने वाला एयर-ब्रीदिंग स्क्रैमजेट कंबस्टर इंजन हवा से आक्सीजन लेकर काम करता है, इसलिए इसे अलग से आक्सीजन ढोने की जरूरत नहीं पड़ती। इससे मिसाइल हल्की, तेज और लंबी दूरी तक मार करने में सक्षम बनती है।

लेकिन इतनी अधिक गति पर सबसे बड़ी चुनौती इंजन और मिसाइल के अत्यधिक गर्म हो जाने की होती है। डीआरडीओ ने जिस "एक्टिव कूलिंग" तकनीक का सफल परीक्षण किया है, वह इसी समस्या का समाधान माना जा रहा है। यह तकनीक इंजन को बेहद ऊंचे तापमान में भी सुरक्षित रखती है और मिसाइल को लंबे समय तक तेज रफ्तार से उड़ने में मदद करती है।

उत्तराखंड में संचालित 452 मदरसों के सभी क्रियाकलापों की होगी विस्तृत जांच

- **शासन ने सभी डीएम को दिए निर्देश, जांच आख्या जल्द भेजने को कहा**
- **मदरसों में अन्य राज्यों से बच्चों को लाने की शिकायतों की चल रही जांच**

राज्य ब्यूरो, जागरण • देहरादून

उत्तराखंड में संचालित 452 मदरसों के सभी क्रियाकलापों की अब विस्तृत जांच होगी। शासन ने इस सिलसिले में सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी कर आख्या जल्द भेजने को कहा है। जांच में मदरसों के दैनिक क्रियाकलाप, छात्रों की उपस्थिति, वित्तीय स्रोत की स्थिति समेत अन्य बिंदुओं की पड़ताल की जाएगी। यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी मदरसे में अनियमितता की बात सामने आई तो उसके विरुद्ध कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। राज्य में वर्तमान में 452 मदरसे हैं। इनमें से पहली से आठवीं तक के 400 और नौवीं से 12वीं तक के 52 मदरसे हैं।

मैदानी क्षेत्रों में संचालित मदरसों में पढ़ाई के लिए अन्य राज्यों से बच्चों को लाने की शिकायतों ने सरकार के कान खड़े कर दिए थे। इस कड़ी में शासन ने माहभर पहले ऊधम सिंह नगर, हरिद्वार, नैनीताल व देहरादून जिलों के डीएम को विशेष रूप से यह जांच कराने के आदेश दिए थे कि ये बच्चे अपनी सहमति से आ रहे हैं या फिर इसके पीछे कोई अन्य वजह है।

इस बीच यह बात भी सामने आई कि कई मदरसों में पीएम पोषण योजना समेत अन्य कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में अनियमितता बरती जा रही है। अब मदरसों की विस्तृत जांच के निर्देश दिए गए हैं। विशेष सचिव अल्पसंख्यक कल्याण डा. पराग मधुकर धकाते ने इसकी पुष्टि की। इसके साथ ही मैदानी क्षेत्रों के मदरसों में बाहरी बच्चों के आने के प्रकरण की जांच रिपोर्ट शीघ्र भेजने के संबंध में अनुस्मारक (रिमाइंडर) भेजा जा रहा है।

एक जुलाई को खत्म होगा मदरसा बोर्ड : मुस्लिम समेत सभी अल्पसंख्यक समुदायों द्वारा स्थापित शिक्षण संस्थानों को एक छतरी के नीचे लाने के लिए सरकार ने पिछले वर्ष अक्टूबर में उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा अधिनियम लागू किया था। इसके तहत ये शिक्षण संस्थान एक जुलाई, 2026 से अधिनियम के अंतर्गत गठित अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के दायरे में आएंगे।

साथ ही एक जुलाई से उत्तराखंड मदरसा बोर्ड का अस्तित्व भी खत्म हो जाएगा। आठवीं तक संचालित मदरसों को जिला स्तर और नौवीं से 12वीं तक के मदरसों को 30 जून तक उत्तराखंड शिक्षा बोर्ड से संबद्धता लेनी है। इसके लिए अधिनियम में अध्यादेश के जरिये संशोधन किया गया है।

भूस्खलन से चार घंटे बंद रहा चीन सीमा को जोड़ने वाला ज्योतिर्मठ हाईवे

संवाद सहयोगी, जागरण, चमोली : उत्तराखंड के चमोली जिले में भारत-चीन सीमा को जोड़ने वाले ज्योतिर्मठ-नीती-मलारी हाईवे पर ढाक के पास रविवार दोपहर पहाड़ी का एक हिस्सा टूटकर आ गिरा। गनीमत यह रही कि इस दौरान हाईवे पर वाहनों की आवाजाही नहीं हो रही थी। भूस्खलन के बाद क्षेत्र में चारों ओर धूल का गुबार दिखाई दिया। इसके चलते हाईवे लगभग चार घंटे तक अवरुद्ध रहा। इन दिनों ज्योतिर्मठ-नीती-मलारी हाईवे के चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है। ढाक के पास भी चौड़ीकरण के लिए पहाड़ी को काटा जा रहा था। दोपहर 12:30 बजे के आसपास पहाड़ी का एक हिस्सा भरभरा कर ढह गया। इससे कारण क्षेत्र में अंधेरा छा गया और अफरा-तफरी मच गई। पहाड़ी टूटने से हाईवे पर भारी मात्रा में मलबे के साथ बोल्डर भी आ गए, जिससे नीती घाटी के दो दर्जन से अधिक गांवों का जिला मुख्यालय समेत अन्य क्षेत्रों से संपर्क कट गया।

कई अभ्यर्थियों एवं बिचौलियों की भूमिका जांच के दायरे में

प्रथम पृष्ठ से आगे

एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक विशाल बंसल ने बताया कि कई अभ्यर्थियों एवं बिचौलियों की भूमिका जांच के दायरे में है। उन्होंने बताया कि ओपीजेएस विश्वविद्यालय में पिछली तारीख में फर्जी अंक तालिका तैयार करने की जांच की जा रही थी। अनिल इस फर्जीवाड़े में भी शामिल था। जांच के दौरान आरोपितों से पूछताछ में पता चला कि कटारा ने अनिल और उसके गिरोह को 60 लाख रुपये में कृषि विज्ञान विषय का पेपर बेचा था। कटारा ने अनिल से यह भी करार किया था कि वह किसी अन्य दूसरी भर्ती परीक्षा का पेपर भांजे विजय को देगा। बंसल ने बताया कि सूचना मिली थी कि ओपीजेएस विश्वविद्यालय से एमएससी एग्रीकल्चर की फर्जी अंक तालिका पुरानी तारीखों में तैयार की गई, जिनसे अभ्यर्थियों को भर्ती परीक्षाओं में अवैध लाभ दिलाया गया। जांच में सामने आया कि अनिला चौधरी ने एमएससी एग्रीकल्चर की फर्जी अंक तालिका हासिल की थी। अनिला जयपुर जिले के फागी में स्थित सरकारी उच्च माध्यमिक स्कूल में व्याख्याता के रूप में कार्यरत थी। एसओजी ने इस साल मार्च में मामला दर्ज किया तो वह फरार हो गई। बाद में महानिरीक्षक अजयपाल लांबा के नेतृत्व में जांच को आगे बढ़ाया गया तो सीकर के दिवराला उच्च माध्यमिक स्कूल में कृषि व्याख्याता अशोक यादव का मामला सामने आया। अशोक ने भी ओपीजेएस से फर्जी अंक तालिका बनवाई थी। एसओजी ने अशोक से पूछताछ की तो सामने आया कि उसने पेपर लीक माफिया गिरोह के सदस्य विनोद से सात लाख रुपये में हल किया हुआ पेपर खरीदा था। विनोद ने पेपर अनिल से खरीदा था। एसओजी ने अनिल, विनोद, अशोक सहित अन्य आरोपितों से पूछताछ की तो कटारा का नाम मुख्य सूत्रधार के रूप में सामने आया।

एचएमएस बीगल को पहली बार समुद्र में उतारा गया

1820 में आज ही ब्रिटिश रायल नेवी का जहाज एचएमएस बीगल पहली बार समुद्र में उतारा गया था। यह एक सैन्य जहाज था, लेकिन अपनी दूसरी यात्रा के लिए इतिहास में अमर हो गया। चार्ल्स डार्विन ने इसी से दुनिया की यात्रा की और बाद में इसी के आधार पर विकासवाद के सिद्धांत की नींव रखी।

तीन सफल परमाणु परीक्षण कर भारत बना परमाणु संपन्न राष्ट्र

1998 में आज ही भारत ने राजस्थान के पोखरण परीक्षण रेंज में तीन सफल भूमिगत परमाणु परीक्षण किए। आपरेशन शक्ति के नाम से प्रसिद्ध इन परीक्षणों ने भारत को एक परमाणु संपन्न राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। इसने एशिया के रणनीतिक संतुलन को हमेशा के लिए बदल दिया।

20वीं सदी के अहम आध्यात्मिक विचारकों में गिने जाते हैं जिद्दू कृष्णमूर्ति

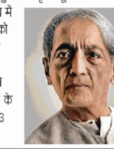

जिद्दू कृष्णमूर्ति का जन्म 1895 में आज ही मद्रास में हुआ था। कृष्णमूर्ति को बचपन में ही थियोसोफिकल सोसायटी द्वारा विश्व गुरु के रूप में चुना गया था। हालांकि उन्होंने 1929 में इस विचार को त्याग दिया। उनका मानना था कि सत्य एक पथहीन भूमि है, जहां कोई धर्म और गुरु आपको नहीं पहुंचा सकता। उन्होंने मन की शांति, ध्यान और स्वयं के अवलोकन पर जोर दिया। उन्होंने ऋषि वैली जैसे कई स्कूलों की स्थापना की, जहां रटने के बजाय बच्चों के मानसिक विकास और संवेदनशीलता पर ध्यान दिया जाता है। 13 फरवरी, 1986 को कृष्णमूर्ति का निधन हो गया।

काजीरंगा में दिखा गंभीर रूप से संकटग्रस्त घड़ियाल

अच्छी संभावना ▶ इस क्षेत्र में ऐसी प्रजाति के घड़ियाल का दिखना इनकी संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर

मीठे पानी के पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित रखने में भूमिका निभाते हैं घड़ियाल

गुवाहाटी, आइएएनएस : असम की नदियों से लुप्तप्राय गंभीर रूप से संकटग्रस्त घड़ियाल को काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में फिर से देखा गया है। यह इस क्षेत्र में वन्यजीव संरक्षण के लिए एक बड़ा ही उत्साहवर्धक माना जा रहा है। अधिकारियों ने रविवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि यह घटनाक्रम राज्य के नाजुक नदी पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्स्थापित और संरक्षित करने के लिए चल रहे प्रयासों की सफलता को उजागर करती है।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और बाघ आरक्षित क्षेत्र (केएनपीटीआर) की निदेशक सोनाली घोष ने बताया कि 26 अप्रैल को एक घड़ियाल- गैवियलिस गैंगेटिकस को पार्क के बुरापाहर रेंज के माइटे एंटी-पोचिंग कैंप क्षेत्र के पास एक रेत पर धूप सेंकते हुए देखा गया। विशेषज्ञों का कहना है कि नदी के संगम और रेत की तटरेखाएं घड़ियालों के लिए भोजन, धूप सेंकने और प्रजनन के लिए पसंदीदा स्थान हैं। अंतिम बार इसे आठ मई को बुरापाहर रेंज में देखा गया।

असम मुख्यमंत्री कार्यालय ने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट किया. 'एक बार ऐसा माना जाता था कि घड़ियाल असम की नदियों से लुप्त हो गए हैं, गंभीर रूप से संकटग्रस्त घड़ियाल अब काजीरंगा में देखा गया है, जो वन्यजीव संरक्षण के लिए वास्तव में एक अद्वितीय क्षण है।'

केएनपीटीआर की निदेशक ने कहा कि यह पर्यटकों और वन अधिकारियों के लिए यह एक दुर्लभ दृश्य था। यह असम की असाधारण जैव विविधता और हमारे

संकटग्रस्त घड़ियाल के संरक्षण की दिशा में नई आस। प्रतीकात्मक

जंगलों, जलवायु और नदियों में निरंतर संरक्षण प्रयासों की मौन सफलता की जोरदार याद दिलाने वाला था।

घड़ियाल एक विशेषीकृत, मछली खाने वाला सरीसृप है, जिसे इसकी बहुत लंबी, पतली नाक से पहचाना जा सकता है। यह ऐतिहासिक रूप से 98 प्रतिशत आबादी में गिरावट के कारण गंभीर रूप से संकटग्रस्त के रूप में सूचीबद्ध है। प्रमुख शेष जंगली घड़ियाल की आबादी और पुनः परिचय स्थलों का स्थान राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य (मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश), कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य (उत्तर प्रदेश) और गंडक नदी (बिहार) के पास है। एक शिकारी और कीस्टोन प्रजाति के रूप में यह नदी के स्वास्थ्य का संकेतक है, जो मछलियों की संख्या को नियंत्रित करने और मीठे पानी के पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित रखने में भूमिका निभाता है।

असम में उनकी ऐतिहासिक गिरावट मुख्य रूप से आवास के विघटन और नदी की गतिशीलता में बदलाव के कारण हुई थी। घड़ियाल ऐतिहासिक रूप से पूर्वोत्तर भारत के ब्रह्मपुत्र नदी प्रणाली में निवास करते थे। इस प्रजाति को 1950 के दशक के बाद आवास के नुकसान और अन्य कारकों के कारण स्थानीय रूप से विलुप्त माना गया, हालांकि कभी-कभी एकल तौर इन्हें देखे जाने की रिपोर्ट की गईं। यह असम में सरीसृप की संभावित निरंतर उपस्थिति का संकेत देती हैं, हालांकि इस प्रजाति को स्थानीय रूप से विलुप्त माना गया था। लेकिन इन्हें फिर से देखा जाना असम के संरक्षित क्षेत्रों में सफल पारिस्थितिकी संरक्षण और दीर्घकालिक जलवायु संरक्षण पहलों का एक मजबूत संकेत माना जाता है।

हाल में काजीरंगा पार्क प्राधिकरण ने भारतीय वन्यजीव संस्थान, विश्व वन्यजीव कोष और टर्टल सर्वाइवल अलायंस फाउंडेशन इंडिया के सहयोग से कराया था। इसमें जनवरी 2026 में नदी के 160 किमी के साथ एक सर्वेक्षण शामिल था। संरक्षण प्रयासों ने ब्रह्मपुत्र की संभावनाओं को उजागर किया है, जो मछली के शिकार और संरक्षित क्षेत्रों में कम मानव हस्तक्षेप के कारण है।

कला प्रदर्शन

यह चित्र इटली के वेनिस में 61वीं अंतरराष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में भारतीय पैवेलियन की शानदार वापसी को प्रस्तुत करता है। 'जियोग्राफीज आफ डिस्टेंस : रिमेंबरिंग होम' शीर्षक वाली इस प्रदर्शनी में वर्ष 2019 के बाद भारत की यह पहली भागीदारी है। इस प्रदर्शनी में बांस स्मृति, अपनत्व और घरेलू परिवेश के विषयों को कला के माध्यम से गहराई से खोजा गया है। बांस से कलात्मक रूप से निर्मित यह स्टाल भारतीय संस्कृति, विस्थापन और घर की यादों को वैश्विक मंच पर खूबसूरती से प्रस्तुत करती है। प्रेट्र

इधर-उधर

ठुड्डी पर स्केटबोर्ड संतुलित करके बनाया रिकार्ड

1 घंटे, 1 मिनट और 36 सेकेंड तक रखा स्केटबोर्ड ● इंटरनेट मीडिया

न्यूयार्क, एजेंसी: अमेरिका के इडाहो में रहने वाले डेविड रश ने अपनी ठुड्डी पर एक स्केटबोर्ड को 1 घंटे, 1 मिनट और 36 सेकेंड तक संतुलित करके एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बनाया है। डेविड रश अब तक 250 से अधिक गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बना चुके हैं। उनके अनुसार, यह रिकार्ड शारीरिक से ज्यादा मानसिक एकाग्रता का खेल था, जहां छोटी सी चूक भी स्केटबोर्ड को नीचे गिरा सकती थी।

मोबाइल की लत बढ़ा रहा डोपामिन लूप जैसा मानसिक विकार

चेतना राठौर ● जागरण

- ▶ मोबाइल छीनते ही बच्चे हो रहे एग्रेसिव, अपनों को ही समझ रहे दुश्मन
- ▶ रोजाना 12 से 15 बच्चे पहुंच रहे क्रास डिसेबिलिटी अर्ली इंटरवेंशन सेंटर

नोएडा : मोबाइल अब सिर्फ उपयोगी डिवाइस ही नहीं रहा, बल्कि बच्चों और किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा भी बन गया है। हालात इतने चिंताजनक हो चुके हैं कि अभिभावक अपने बच्चों के व्यवहार में बदलाव लाने के लिए काउंसलर का सहारा ले रहे हैं। बच्चों के फोन हाथ से लेते ही वे गुस्से से बेकाबू हो रहे हैं, चिल्ला रहे हैं और कई बार माता-पिता को धमका रहे हैं। ऐसी कई घटनाएं सामने आ रही हैं। नोएडा के क्रास डिसेबिलिटी अर्ली इंटरवेंशन सेंटर की आफिसर इंचार्ज जयति मित्रा ने बताया कि यहां रोजाना 12 से 15 ऐसे बच्चे पहुंच रहे हैं।

मनोचिकित्सक कार्तिकी पोरवाल का कहना है कि लगातार रील, गेम और वीडियो देखने से बच्चों के दिमाग में डोपामिन लूप बन रहा है, जिससे वे बार-बार उसी उत्तेजना और मनोरंजन के आदी होते जा रहे हैं। यही आदत धीरे-धीरे नशे जैसी निर्भरता का रूप ले रही है। अगर बच्चा मोबाइल हटाते ही गुस्सा करने लगे, बेचैन हो जाए, चिड़चिड़ापन दिखाए या परिवार और दोस्तों से दूरी बनाने लगे तो इसे सामान्य जिद समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ने का संकेत हो सकता है।

पिछले पांच माह में केंद्र में पहुचे मोबाइल एडिक्ट बच्चे

माह	बच्चों की संख्या
जनवरी	89
फरवरी	99
मार्च	101
अप्रैल	93
मई	59

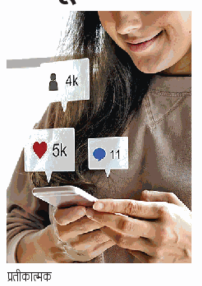

प्रतीकात्मक

केस-1 : एक 10 साल का बच्चा मोबाइल का इतना आदी हो चुका था कि मोबाइल के बिना कुछ करता ही नहीं था। घर में किसी से बात न करना, स्कूल में दोस्तों से दूर रहना, घर आकर बैग फेंककर मोबाइल की जिद करता था। एक दिन मां ने मोबाइल नहीं दिया तो उन्हें छत से कूदने की धमकी दे दी। छह माह की काउंसलिंग के बाद उसके व्यवहार में सुधार हुआ।

केस - 2 : एक 15 साल की किशोरी मोबाइल हाथ में लेकर एक कार्नर में घंटों बैठी रहती। न खाने की सुध न किसी और चीज की। कई-कई घंटे वाशरूम तक नहीं जाती। ऐसे व्यवहार को देख पिता ने मोबाइल देने से इन्कार कर दिया तो स्वयं को कमरे में बंद कर लिया और खुद को नुकसान पहुंचाने की धमकी देने लगी। अभिभावक काउंसलिंग करा रहे हैं।

केस 3 : एक 17 साल की किशोरी हाथ में मोबाइल थामे घंटों अपने फोटोशूट करती थी। स्कूल से आकर मेकअप करना कई ड्रेसेस बदलकर फोटो क्लिक कर फेसबुक या अन्य प्लेटफार्म पर अपलोड करती। अभिभावकों ने उससे फोन छीना तो उन्हें तरह-तरह की धमकियां देने लगी। मां को मारने की भी धमकी दे दी। अभिभावक काउसंलिंग करवा रहे हैं।

खून जांच से बीमारी की स्थिति व उपचार के असर का चलेगा पता

अनुसंधान

विज्ञानियों ने कहा कि अब सिर्फ खून की जांच से पता चल जाएगा कि किसी व्यक्ति की बीमारी की स्थिति कैसी है और उपचार का उस पर कितना असर होगा। ब्रिटेन के इंपीरियल कालेज लंदन के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने बताया कि 'वेलोसीडी' नामक यह परीक्षण विधि, तीव्र बुखार से पीड़ित बच्चों के ठीक होने या उसकी स्थिति बिगड़ने की आशंका और स्वस्थ लोगों के वायरस के संपर्क में आने के बाद फ्लू या कोविड-19 विकसित होने की आशंका सहित अन्य बीमारियों के संभावित परिणामों का अनुमान लगा सकती है।

यह शोध नेचर कम्युनिकेशंस जर्नल में प्रकाशित किया गया। यह परीक्षण, बीमारी के संभावित परिणाम का अनुमान लगाने के लिए खून में प्रमुख मार्करों को मापता है, जो बीमारी के प्रति प्रतिक्रिया में जीन अभिव्यक्ति के स्तर को प्रकट करता है। संक्रामक रोग विभाग के प्रमुख और वरिष्ठ लेखक आब्रे कनिंगटन ने कहा, 'हमारा मानना है कि इस प्रकार का परीक्षण रोगियों और स्वास्थ्य कर्मियों के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। इससे रोगियों का तेजी से वर्गीकरण करने में मदद मिल सकती है, जिससे रोगी को सही समय पर सही उपचार मिल सके।' जब कोई व्यक्ति बीमार होता है तो प्रतिक्रिया स्वरूप जीनों के संयोजन 'चालू' और 'बंद' होते हैं, जिससे आरएनए मार्कर उत्पन्न होते हैं जिन्हें खून में पहचाना जा सकता है। (प्रेट्र)

स्क्रीन शाट

इसलिए अब टीवी पर अभिनय से अभिषेक ने बनाई है दूरी

कुछ सपने खुद के लिए देखे हैं, इसलिए टीवी पर अभिनय के बजाय दूसरे प्लेटफार्म तलाश रहे हैं अभिनेता अभिषेक कुमार। 11 मई से यूट्यूब पर शुरू होने वाले शो इश्क दम इडली रसम में शेफ की मुख्य भूमिका में नजर आने वाले अभिषेक कहते हैं कि हर कलाकार का सपना होता है कि वह फिल्में और ओटीटी पर काम करे। धारावाहिकों का जानर अलग होता है। मैं टीवी को नीचा नहीं कह रहा हूं। टीवी ने ही मुझे बनाया है। उसी की वजह से बिग बास शो कर पाया था। लेकिन मैं अब बस अपने कुछ सपनों को पूरा करने में लगा हूं। इस शो में 30 एपिसोड है, फिर नया किरदार करने का मौका मिलेगा। शेफ की भूमिका निभाने को लेकर आगे अभिषेक कहते हैं कि खाना बनाने की काफी ट्रेनिंग मुझे लाफ्टर शेफ के सेट पर मिली थी। सब्जियां काटना, तेल गर्म करना ये सब आता है। वो सब ट्रेनिंग इसमें काम आई। मेरी मम्मी मेरे शेफ बनने से खुश हैं। वह अब कहती हैं कि घर पर जब आओगे तो तुम ही खाना बनाओगे।

शेफ की भूमिका में होंगे अभिषेक। @aebyborntoshine (इंस्टाग्राम)

भारत-पाक के बीच पहली टेस्ट सीरीज पर फिल्म करने जा रहे हैं आमिर

अव्वल नंबर, लगान, दंगल और सितारे जमीन पर जैसी फिल्में बताती हैं कि हिंदी सिनेमा के मिस्टर परफेक्शनिस्ट अभिनेता आमिर खान के जीवन में खेलों पर आधारित फिल्मों का अहम स्थान रहा है। अव्वल नंबर और लगान फिल्मों के बाद अब खबरें हैं कि आमिर क्रिकेट की पृष्ठभूमि से जुड़ी एक और फिल्म करने जा रहे हैं। सिनेमाई गलियारों की रिपोर्टों के अनुसार, आमिर ने बतौर अभिनेता अपनी अगली फिल्म चुन ली है, जो कि राजकुमार हिरानी निर्देशित थ्री इडियट्स की सीक्वल या राहुल मोदी के निर्देशन में बन रही बायोपिक फिल्म नहीं है। आमिर अपनी अगली फिल्म लगान के निर्देशक आशुतोष गोवारिकर के साथ करने जा रहे हैं। यह फिल्म साल 1952 में हुए भारत और पाकिस्तान के बीच टेस्ट मैच सीरीज पर आधारित होगी। इसकी पटकथा पीयूष गुप्ता और नीरज सिंह ने लिखी है। इस फिल्म में आमिर लाला अमरनाथ की भूमिका निभाएंगे, जिन्होंने उस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी की थी। फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी के प्रोडक्शन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग दिसंबर से शुरू करने की योजना है।

आशुतोष गोवारिकर के साथ फिर फिल्म करने जा रहे हैं आमिर। फाइल

द रायल्स के दूसरे सीजन में नहीं होंगी भूमि, अब स्याह भूमिका पर निगाहें

पिछले साल प्रदर्शित वेब सीरीज द रायल्स में अभिनेता ईशान खट्टर और अभिनेत्री भूमि पेडणेकर की जोड़ी दिखी थी। महाराज अविराज तथा सोफिया कनमणि की भूमिका में दोनों के बीच रोमांटिक रिश्ता दिखा था। इस शो का पहला सीजन प्रदर्शित होते ही निर्माताओं ने इसका दूसरा सीजन बनाने के लिए भी हरी झंडी दे दी थी। हालांकि, दूसरे सीजन में भूमि नहीं होंगीं। शो से जुड़े सूत्रों के अनुसार, भूमि द्वारा इस शो के छोड़े जाने का कारण कोई मनमुटाव या लड़ाई नहीं है, बल्कि भूमि ने आगे की कहानी देखते हुए अपने मन से यह शो छोड़ा है। पहले सीजन के अंत में अविराज तथा सोफिया के बीच का रोमांस ऐसे मोड़ पर छूटा था, जहां से कहानी किसी भी दिशा में जा सकती है। पहले सीजन में लोगों को अविराज का पारिवारिक ड्रामा ज्यादा पसंद आया था तो इस बार निर्माताओं ने उस पर ही अधिक ध्यान देने का निर्णय लिया है। उसके बाद भूमि ने शो छोड़ दिया। भूमि की एक अलग शो के लिए निर्माताओं से बातचीत चल रही है, जिसमें उन्हें थोड़ी स्याह और कई पहलुओं वाली भूमिका निभानी है। वह आगामी दिनों में नेटफ्लिक्स के लिए बनी इमरान खान अभिनीत फिल्म में भी नजर आएंगी।

'दलदल' के दूसरे सीजन की शूटिंग जल्द कर सकती हैं भूमि। फाइल

सात सवाल

जितना सोचा था, उससे ज्यादा पाया

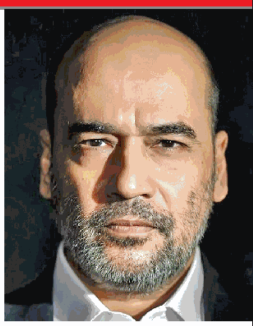

करीब दस साल बाद अभिनेता मोहन कपूर ने 'मैरी गो राउंड : लेट्स ब्लेम इट आन बालीवुड' से थिएटर में वापसी की है। वह हालीवुड की फिल्में भी कर चुके हैं। आगामी दिनों वह फिल्म आइआइजेड : इंडियन इंस्टीट्यूट आफ जांबीज में नजर आएंगे। मोहन का कहना है कि वह इतना रिहर्सल कर लेते हैं कि सिर्फ एक टेक में ही उनका शाट ओके हो जाता है। उनसे खास बातचीत :

● इसमें डांस भी करना था। डांस का शौक नहीं रहा कभी आपको?

– जब युवा था तो बहुत डांस करता था। फिर पता नहीं जिंदगी ने जिस तरह से रुख बदला, डांसिंग कहीं पीछे ही रह गई। बाद में पिता, खलनायक जैसे गंभीर रोल मिलने लगे तो डांसिंग का सिलसिला कहीं छूट गया है। पर इस नाटक में डांस का लुत्फ लिया।

● आपका थिएटर से कैसा रिश्ता रहा है?

– थिएटर से मेरा रिश्ता बहुत पुराना है। आखिरी नाटक मैंने करीब दस साल पहले एजीपी प्रोडक्शन हाउस के साथ द एल्केमिस्ट किया था। करीब दो साल मैं घर पर बैठा था क्योंकि मम्मी अस्वस्थ चल रही थी। पिछले साल मार्च में वह गुजर गई। फिर सबसे पहले इसी प्रोडक्शन हाउस ने मैरी गो राउंड : लेट्स ब्लेम इट आन बालीवुड नाटक आफर किया। मैंने पहले बोला यार थिएटर में बहुत टाइम चला जाता है। कुछ और काम थे उन्हें खत्म किया। बीते नवंबर उन्होंने फिर काल किया तो मैंने कहा चलो करते हैं।

● लगता है कि इंडस्ट्री ने आपको आपका ड्यू दिया या अभी मिलना वाकी है?

– मुझे लगता है कि जितना सोचा था उससे ज्यादा पाया। मैंने नेटवर्किंग, पब्लिसिटी और पीआर कभी नहीं किया। लोग कहते हैं कि जो दिखता है वो ही बिकता है। मेरे हिसाब से आज के जमाने में उल्टा है जो बिकता है वो ही दिखता है। कुछ साल पहले मेरे पास एक फोन आया कि हम आपको फिल्म में कास्ट करना चाहते हैं। आपके इंस्टाग्राम पर कितने फालोवर्स हैं? मैंने कहा कि आप मेरा अपमान कर रहीं। आपको आडिशन भी नहीं लेने हैं? क्या बेहूदगी है?

● आपने हालीवुड में भी काम किया है। वहां जाने का कैसे सोचा?

– अमेरिका में किसी ने मुझसे कहा था कि हालीवुड में काम करने का आपका सपना सच हुआ। मैंने कहा कि सपने में भी नहीं सोचा था कि मार्वल स्टूडियो के साथ काम करुंगा। मुझे एक भारतीय-अमेरिकन फिल्म हार्ट बिट्स में भारत में कास्ट किया गया। उस फिल्म के निर्देशक ड्वेन ऐडलर उससे पहले स्टेप अप डांस सीरीज लिख चुके थे। उस फिल्म की महिला निर्माता मेरे काम की मुरीद हो गईं। वो अमेरिका में मेरी एजेंट बन गईं। मुझे वो स्क्रिप्ट भेजती थीं। मैंने सात-आठ आडिशन दिया सबमें चयन हो गया। उन्होंने दो सप्ताह में अमेरिका आने को कहा। इतने कम समय में वर्क वीजा मिलना मुश्किल था। फिर कोविड के दौरान मिस मार्वल का आफर मिला। मैंने आडिशन भेज दिया। फिर मार्वल टीम ने छह दिन में वर्क वीजा करा दिया।

● आइआइजेड : इंडियन इंस्टीट्यूट आफ जांबीज फिल्म में क्या कर रहे हैं?

– यह बहुत अलग किस्म की हारर कामेडी फिल्म है। मुझे सिर्फ अपना काम पता है क्योंकि मैंने बाकी स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी। हमने दो रात शूट किए। बड़ा रोल नहीं है, लेकिन अहम है। उन्हें मेरा काम इतना पसंद आया कि उन्होंने मेरे लिए कुछ अतिरिक्त सीन लिखें। मेरा पात्र साइंटिस्ट है जो सारा गड़बड़ शुरू करता है। एक सीरम के माध्यम से लोगों को जांबीज बनाता है क्योंकि वो एक नई प्रजाति बनाना चाहता है जिसके माध्यम से वो पूरी दुनिया पर वो राज कर सके।

● आपको नकारात्मक किरदार ज्यादा पसंद आते हैं या कामेडी?

– सच कहूं तो, मुझे किसी भी तरह का किरदार निभाना बहुत पसंद है। मुझे लगता है कि जो रोल मैं आंख बंद करके कर सकता हूं बिना किसी तनाव के वो है पिता का। मार्वल स्टूडियो के बास केविन फाइगी ने रेड कार्पेट पर मुझसे कहा था कि तुम्हारा पात्र यूसुफ खान प्रेरित करता है कि मैं हकीकत में मैं अपने बच्चों का वैसा पिता बनूं।

● आपने हैप्पी न्यू ईयर में वहुत छोटी भूमिका निभा ली?

– उसकी दिलचस्प कहानी है। मैंने फराह खान को संदेश भेजा कि उनकी फिल्म का हिस्सा बनना है। एक दिन फोन आया कि सर फराह ने आपके लिए रोल की बात की थी वो किसी और के साथ हमने शूट कर लिया है। एक महीने बाद काल आया फराह मैम ने आपके लिए खास रोल बनाया है। मैं गया तो फराह ने कहा कि इतने प्यार से काम के लिए कहा था। तो मैंने एक रोल लिख दिया, तू कर ले ताकि मेरे आत्मा पर बोझ न बना रहे। मैंने बोला चल यार, दोस्ती यारी में ये भी सही।

(स्मिता श्रीवास्तव)

मनोरंजन से जुड़ी अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

फिल्म कृष्णावतारम में सिद्धार्थ और सुष्मिता ने निभाई है कृष्ण और राधा की भूमिका। @sush_bhat (इंस्टाग्राम)

कृष्णावतारम पार्ट 1 : हृदयम ने मारी बाजी

इस सप्ताह टिकट खिड़की पर कृष्णावतारम पार्ट 1 : हृदयम, दादी की शादी, डुग डुग, मैं एक्टर नहीं हूं, हालीवुड फिल्म द शीप डिटेक्टिव्स और मार्टल काम्बैट 2 समेत छह फिल्में प्रदर्शित हुईं। हालांकि, इनमें से कोई भी किसी बड़े सितारे की फिल्म नहीं रही। इन सबके बीच बाजी कृष्णावतारम पार्ट 1 : हृदयम ने मारी। भगवान श्रीकृष्ण की प्रेम लीलाओं पर आधारित यह फिल्म गुरुवार (सात मई) को प्रदर्शित हुई। पहले दिन फिल्म को सिर्फ 42 लाख रुपये की ओपनिंग मिली। उसके बाद लगातार वृद्धि के साथ शुक्रवार और शनिवार को फिल्म ने क्रमशः 1.15 करोड़ तथा 2.25 करोड़ रुपये कमाए। यानी पहले तीन दिनों में फिल्म ने 3.83 करोड़ रुपये कमाए। वहीं शुक्रवार को प्रदर्शित हुई कपिल शर्मा, नीतू कपूर और रिद्धिमा कपूर अभिनीत फिल्म दादी की शादी को 50 लाख रुपये की ओपनिंग मिली। शनिवार को 1.15 करोड़ रुपये की कमाई के साथ पहले दो दिनों में फिल्म की कमाई 1.65 करोड़ रुपये रही। मैं एक्टर नहीं हूं को शुक्रवार को पांच लाख रुपये की ओपनिंग मिली। हालीवुड फिल्में मार्टल काम्बैट 2 और द शीप डिटेक्टिव्स को भारत में क्रमशः 70 लाख तथा 20 लाख रुपये की ओपनिंग मिली। ओपनिंग के मामले में फिल्म डुग डुग लाख का आंकड़ा भी नहीं छू पाई।

फिल्म टाक्सिक में यश के साथ नजर आएंगी कियारा ● मिड डे

इसलिए स्वयं को माता-पिता की अच्छी बेटी नहीं मानती हैं कियारा

कहा जाता है कि इंसान माता-पिता की जिम्मेदारियों और उनकी भावनाओं को सही तरीके से तभी समझ पाता है, जब वह स्वयं माता या पिता बनता है। शेरशाह फिल्म की अभिनेत्री कियारा आडवाणी अब बेटी सराया की मां बन चुकी हैं। क्या वह अपने माता-पिता की अच्छी बेटी रही? इस बारे में हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, 'वो (माता-पिता) तो हां कहेंगे और मैं कहूंगी नहीं। मुझे बहुत प्यार से पाला गया है। मेरे माता-पिता दोनों आत्मनिर्भर रहे हैं, बचपन में दोनों को काम पर जाते हुए देखती थी। जब भी हमें आवश्यकता होती थी, मेरे माता-पिता हमारे लिए हमेशा उपस्थित रहते थे। मेरे पिता तो मेरी सभी दोस्तों के साथ भी बैठते थे। मैं उनकी तरफ देखती हूं तो यही कहती हूं कि मुझे अपनी जिंदगी इसी तरह चाहिए थी। अब अपनी बेटी होने के बाद मेरी निगाह में मेरे माता-पिता की अहमियत और बढ़ गई है। आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो ऐसी कई चीजें हैं, जिनके लिए मुझे पछतावा होता है। उनके बारे में सोचने पर लगता है कि मैंने क्या ही बकवास काम किया था। जैसे जब कभी-कभी आप अपने माता-पिता से लड़ते हैं, कभी-कभी रूठते हैं। इन चीजों के लिए मुझे डांट तो बहुत पड़ी, लेकिन आज भी मुझे अपने माता-पिता से मिलने वाली प्रामाणिकता का इंतजार रहता है।'